THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 25 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.9 2080 शुक्रवार, 14 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

तेलंगाना दलितबंधु

दलित समुदाय के लिए एक अनोखी और क्रांतिकारी विकासोन्मुख योजना। ऐसी योजना न देश में, ना ही विश्व में।

- दलित समुदाय की आत्मनिर्भरता के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा शुरू की गई एक अभिनव क्रांतिकारी योजना दलितबंधु है। यह न केवल देश में बल्कि दुनिया में सबसे बड़ी नकद हस्तांतरण योजना है। इस योजना के प्रति दलित परिवार को **10 लाख** रूपये की राशि दी जाती है।
- दलित परिवार को अपने स्वावलंबी या मनपसंद व्यवसाय आरंभ करने के लिए दस लाख रुपये अनुदान के रूप में राज्य सरकार की ओर से प्रदान करने का सहयोग। • ऐसे आजीविका, व्यवसाय के लिए प्रदान किए गए अनुदान राशि को पुनर्भुगतान की ज़रूरत नहीं। • दलित बंधु योजना के माध्यम से अब तक 3832 करोड़ भुकतान हो चुका है। इस राशि से 38323 दलित परिवार लाभान्वित हुए हैं। • इस योजना से दलित परिवार उचित व्यवसाय का चयन कर आदर्श जीवन–यापन कर रहे हैं। • राज्य सरकार ने इस वित्तीय वर्ष में दलित बंधु के माध्यम से 1,77,000 दलित परिवारों को लाभान्वित करने के लिए बजट में 17,7000 करोड़ रुपये आवंटित किया है। • सरकार चरणबद्ध तरीके से राज्य के सभी दलित परिवारों को दलितबंधु योजना से समृद्ध करेगी।

अनुसूचित जाति उप योजना

तेलंगाना राज्य सरकार ने सात साल में दलित सामाजिक वर्ग परिवार के कल्याण पर 1,13,192 करोड़ रुपये खर्च किए।

- तेलंगाना सरकार ने अनुसूचित जातियों की आबादी के अनुपात में एक विशेष विकास कोष अधिनियम बनाया है।
- एक वित्तीय वर्ष में यह एकमात्र ऐसी सरकार है जिसके पास समुदायों को आवंटित धन को अगले वित्तीय वर्ष में ले जाने के लिए कानून में प्रावधान है, यदि वे खर्च नहीं किए जाते हैं।
- तेलंगाना सरकार ने सात साल में एस.सी. सामाजिक वर्ग के लोगों के कल्याण पर 1,13,192 करोड़ रुपये खर्च किए।
- यह दलित समुदाय के लोगों के कल्याण के प्रति तेलंगाना सरकार की गंभीरता का एक मजबूत प्रमाण है।

व्यापार में आरक्षण

व्यापार में दलितों के लिए आरक्षण जैसा इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। यह एकमात्र सरकार है जिसने अनुसूचित जाति को खाद की दुकान, दवाई की दुकान, शराब की दुकान जैसे लाभदायक व्यापार के लाइसेंस के आवंटन में 15 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा प्रदान की है।

विदेश में अध्ययन के लिए 20 लाख की छात्रवृत्ति

विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 20 लाख रुपये की अम्बेडकर विदेशी छात्रवृत्ति तेलंगाना सरकार द्वारा प्रदान किया गया। इतनी बड़ी मात्रा में देश में तेलंगाना एकमात्र राज्य है जो छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

**तेलंगाना अमल कर रहा है...
देश अनुसरण कर रहा है।**

1001 गुरुकुल विद्यालय

- तेलंगाना सरकार ने कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए उच्चतम स्तर की शिक्षा प्रदान करने के उच्च लक्ष्य के साथ 1001 गुरुकुल विद्यालयों को उपलब्ध कराया है
- बेहतर सुविधाओं के साथ अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए छात्रों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना।
- गुरुकुल विद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षण संस्थानों में प्रवेश मिल रहा है। वे अपनी प्रतिभा से विभिन्न क्षेत्रों में तेलंगाना की जीत का परचम लहरा रहे हैं।

जारीकर्ता : आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, तेलंगाना सरकार

केंद्रीय मंत्री सिंधिया के बेटे महाआर्यमन कोरोना संक्रमित

ग्वालियर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कई शहरों में कोरोना संक्रमण तेजी से अपने पैर पसार रहा है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यमन सिंधिया कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। महा आर्यमन के समेत जिले में तीन नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। ग्वालियर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 16 हो गई है। बताया जा रहा है कि बुखार और खांसी के चलते महाआर्यमन का कोविड टेस्ट हुआ था, जिसमें वह पॉजिटिव पाए गए। फिलहाल उन्हें जय विलास पैलेस में होम आइसोलेशन में रखा गया है।

नागपुर में खूंखार आवारा कुत्तों का कहर, 4 साल के मासूम को घेर कर अधमरा किया

नागपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आवारा पशुओं और कुत्तों के कहर का वीडियो देशभर से सामने आ रहा है. ताजा वीडियो महाराष्ट्र के नागपुर का है जिसने दिल दहल दिया है. घटना 11 अप्रैल सुबह 7 बजे के आसपास की बताई जा रही है. वीडियो में देखा जा सकता है कि महज 4 साल के एक बच्चे पर कुत्तों के ग्रुप ने हमला कर दिया. कुत्तों द्वारा बच्चों पर अटैक करने के बाद बच्चा लहुलुहान हो गया. दरअलस बच्चा अपने गली में अकेला कहीं जा रहा है इसी बीच बच्चे को कुत्ते घेर लेते हैं और उसे बेसहज कर देते हैं. इस बीच एक महिला आकर कुत्तों को भगाती है तब कहीं जाकर कुत्ते लड़के का पीछा छोड़ते हैं. आपको बता दें कि देशभर मे कुत्तों के साथ आवारा पशुओं का कहर है.

आदित्य ठाकरे अभी बच्चा, संजय राउत पर टिप्पणी करने नहीं बैठा

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे का तंज

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। आदित्य ठाकरे बच्चा है। आप स्कूल के बच्चों के सवाल पूछेंगे क्या? संजय राउत कौन है? उनकी बातों पर अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए मैं यहां नहीं बैठा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार निर्माण के लिए योजना तैयार की है। पहले तीन लाख नौकरियां दे चुके। इस साल 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का इरादा है।इस पर सवाल कीजिए। देश की समस्याओं पर हंगामा करता है विपक्ष, हम उसे सुलझाने जाते हैं तो आप उस पर बात नहीं करते। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने आज ठाकरे पिता-पुत्र और संजय राउत पर जोरदार हमले किए। नारायण राणे ने कहा कि यह प्रेस कॉन्फ्रेंस उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत पर नहीं है। देश में बेरोजगारी की समस्या पर है। अगर नॉन इशू को ही खबर बनानी है तो मातोश्री जाएं। राणे ने कहा कि उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, संजय राउत ने कितने लोगों को नौकरियां दीं, मुझे लिस्ट दिखाएं।

संजय राउत ने आज कहा कि नौकरी मेला आयोजित करना पीएम का काम नहीं

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने हाथों से 75 हजार लोगों को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र देने जा जा रहे हैं। संजय राउत ने इस पर आज अपने मीडिया संवाद में कहा कि रोजगार मेला आयोजित करना प्रधानमंत्री का काम नहीं है। पीएम का काम रोजगार के लिए पॉलिसी बनाना है। बालासाहेब ठाकरे ने भूमिपुत्रों को नौकरियां दिलवाने के लिए आंदोलन शुरू किया था। अपने हाथों से नौकरियां नहीं बांटी थी।नौकरियां बांटने का काम शिवसेना के शाखा प्रमुख किया करते हैं। यही सवाल जब एक पत्रकार ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे से पूछ लिया तो उन्होंने कहा कि ठाकरे पिता-पुत्र या संजय राउत के लोगों ने कितनी नौकरियां बांटी हैं, उसकी लिस्ट दिखाएं.

संजय राउत के आज के इस बयान पर राणे ने कहा कि वे इसका जवाब नहीं देंगे

संजय राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए आज यह भी कहा कि आदित्य ठाकरे जो बोल रहे हैं कि एकनाथ शिंदे जेल जाने के डर से बीजेपी के साथ गए, वो पूरी तरह सच है। आप जहां खड़े हैं यह मेरा घर है।यहां भी आकर वर्तमान मुख्यमंत्री ने यही कहा था कि मैं जेल जाना नहीं चाहता। बीजेपी के साथ चलें। तब हमने उनसे कहा था आपने ऐसा क्या किया है।

कुछ गलत नहीं किया तो डर कैसा। पार्टी के साथ खड़े रहिए.आज भी एनसीपी के साथ यही चल रहा है। आज एनसीपी के साथ वही हो रहा है।लेकिन जो आज इस डर के आगे डट कर खड़ा रहेगा वही कल का हीरो होगा।मैं ईडी ने नहीं घबराया, अरेस्ट हुआ। ऐसे और भी लोग हैं जैसे- मनीष सिसोदिया। कई नेता ईडी से घबराकर टूट गए। इसी संदर्भ को जब आज केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने उठाया तो उन्होंने मीडिया को ही यह नसीहत दी कि वे ऐसी खबरों को तरजीह ना दे। देश के लिए रोजगार जैसे अहम मुद्दों पर बात करें.

रियाणा में 1 साल में 150 बाल विवाह:11 जिलों में 118 केस

हिसार, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में पिछले एक साल में बाल विवाह के 150 केस सामने आए। इनमें से 118 केस 11 जिलों में हैं। हिसार, सिरसा, फतेहाबाद में 30-30 केस हैं। जबकि करनाल में 25 केस बाल विवाह के सामने आए हैं। इसको लेकर हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने हिसार शहर के सीनियर डिप्टी मेयर अनिल सैनी की अध्यक्षता में पार्षदों के साथ मीटिंग की। इस मीटिंग में जॉइंट कमिश्नर बेलिना भी उपस्थित रहीं। चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने पार्षदों को कहा कि उनके एरिया में यदि कोई बाल विवाह होने की सूचना मिलती है तो इस पर वे उत्तरदायी होंगे। किसी ने बाल विवाह होने की शिकायत की तो हम आपसे वेरिफाई करेंगे और एफिडेविट देना होगा कि यह बाल विवाह है या नहीं। यदि झूठा शपथ पत्र दिया तो उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

'मातोश्री आकर रोए थे शिंदे'

बगावत को लेकर आदित्य ठाकरे का बड़ा खुलासा, कहा- बीजेपी के डर से...

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना में फूट और एकनाथ शिंदे की बगावत को लेकर आदित्य ठाकरे ने एक बड़ा खुलासा किया है। आदित्य ने दावा किया है कि एकनाथ शिंदे मातोश्री पर आकर रोए थे। उन्होंने ये भी कहा कि शिंदे ने कहा था कि बीजेपी के साथ नहीं जाते तो मुझे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह पहली बार है जब आदित्य ठाकरे ने एकनाथ शिंदे पर व्यक्तिगत रूप से हमला किया है।हैदराबाद के अपने एक दिवसीय दौरे में गीतम विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि शिवसेना में फूट होने से पहले एकनाथ शिंदे मातोश्री (ठाकरे परिवार का निजी निवास) आए थे।

'मेरे घर आकर रोए थे शिंदे'

ठाकरे ने आगे कहा कि शिंदे वहां आकर खूब रोए और उनके चेहरे पर बीजेपी को लेकर दहशत थी।आदित्य ठाकरे ने कहा, 'ये 40 लोग अपनी सीट के लिए, पैसों के लिए गए।वर्तमान मुख्यमंत्री तब मेरे घर आकर रोए थे।इसकी वजह यह थी कि उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी अरेस्ट करने वाली थी.'

हनुमान जयंती पर ओडिशा के संबलपुर में हिंसा, कई पुलिसकर्मी घायल; धारा 144 लागू

संबलपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल और बिहार में रामनवमी पर हिंसा के बाद अब ओडिशा के संबलपुर में एक मोटरसाइकिल रैली के दौरान हिंसा देखने को मिली है।बुधवार को भड़की हिंसा में 10 पुलिसकर्मी घायल बताए जा रहे हैं।हिंसा के बाद पूरे जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है।यह हिंसा उस समय देखने को मिली जब राज्य में हनुमान जयंती से दो दिन पहले यानी बुधवार निकाली गई मोटरसाइकिल रैली पर पथराव कर दिया गया।रैली पर पथराव की घटना के बाद लोग भड़क गए और बवाल शुरू हो गया है।बता दें कि ओडिशा में हनुमान जयंती महा विशुआ संक्रांति के दिन मनाया जाता है। महा विशुआ संक्रांति इस बार 14 अप्रैल को पड़ रहा है।ऐसे में दो दिन पहले यह बाइक रैली निकाली जा रही थी।सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो भी वायरल हुए जिन्हें संबलपुर की घटना से जोड़कर बताया जा रहा है।वीडियों में कुछ लोग बाइक रैली पर पथराव करते हुए नजर आ रहे हैं.वीडियो के सच्चाई की पुष्टि टीवी-9 नहीं करता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा के दौरान एक दुकान के अलावा कई दोपहिया वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया।सड़क किनारे खड़ी कई कारों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। इस रैली में 1000 के आसपास लोग शामिल हुए थे. संवेदनशील इलाके में पुलिस की तैनाती घटना के बाद संबलपुर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस जवानों की तैनाती कर दी गई है।

एकनाथ शिंदे को सता रहा था ईडी का डर

संजय राउत से कही थी एमवीए तोड़ने की बात पूरा मामला

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे को ईडी का डर सता रहा था। उन्होंने मुझसे कहा था कि ईडी मुझे जेल में डाल देगी, महाविकास अघाड़ी को तोड़ने के लिए आप कुछ कीजिए। संजय राउत ने कहा कि मेरे घर मैत्री बंगले पर एकनाथ शिंदे ने ये बात कही थी। संजय राउत ने कहा- तब मैंने शिंदे को कहा था कि आप डरो मत, यह समय पार्टी के साथ खड़ा रहने का है। लेकिन शिंदे ने फिर कहा कि मुझे डर है कि मुझे जेल में डालेंगे। इस समय कई नेताओं पर ईडी की रेड चल रही है।

संजय राउत ने एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए कहा कि शरीर बाघ का और कलेजा चूहे का, ऐसा शिवसैनिक नहीं हो सकता है। संजय राउत ने कहा कि एनसीपी के साथ यही हो रहा है, ईडी का डर दिखाया जा रहा है। मेरा यही कहना है कि 'डरो मत' ये मंत्र है। पीएम के रोजगार नियुक्ति पत्र कार्यक्रम पर भी संजय राउत ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लेटर बांटना पीएम का काम नहीं है।

पीएम का काम रोजगार की पॉलिसी बनाना और उसपर अमल करना है। बाल ठाकरे ने शिवसेना क्यों बनाई थी मालूम है ? ताकि यहां के भूमिपुत्रों को नौकरी मिल सके। बालासाहेब यहां नौकरी का लेटर बांटने के लिए नहीं बैठे थे। कानून बनाया. जब नहीं हुआ तो आंदोलन किया हमने और आज लोगों को महाराष्ट्र में जो रोजगार मिला है वो बाल ठाकरे की देन है। राउत ने कहा कि यहां महाराष्ट्र में नौकरी देने का काम शाखा प्रमुख करता है।

इन राज्यों में 40 डिग्री पहुंचा पारा, दिल्ली में सताएगी गर्मी

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में मौसम का मिजाज अब तेजी बदलने वाला है। कई राज्यों में गर्मी लोगों को सताने वाली है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में तापमान 40 के पार हो सकता है। हालांकि, कुछ राज्यों के लिए मौसम विभाग ने बारिश की संभावना भी जताई है। मौसम विभाग ने बताया कि कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में अगले पांच दिनों तक बारिश होगी। इसके अलावा इन इलाकों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। इसके साथ ही 15 और 16 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज और बिजली के साथ हल्की या मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, 16 अप्रैल को पंजाब, उत्तर हरियाणा और पश्चिम राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में तेज हवाएं चलने की संभावना है। देश की राजधानी दिल्ली में अब लोगों को गर्मी का सितम झेलना पड़ेगा। अगले दो-तीन दिनों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंचने वाला है। आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 19 डिग्री, जबकि अधिकतम तामपान 37 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और तेलंगाना में अभी तापमान 40 से 42 डिग्री तक है। वहीं, कुछ राज्यों में तापमान 40 डिग्री से नीचे है। जम्मू और कश्मीर, पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत और तटीय आंध्र प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

लगातार रद्द हुईं 2 फ्लाइट तो भड़क उठे यात्री

कर्मचारियों को पकड़कर जमीन पर बैठाया

मुंबई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सुबह मुम्बई एयरपोर्ट पर हंगामा हो गया।फ्लाइट रद्द होने से यात्रियों का गुस्सा फूट पड़ा.जानकारियों के मुताबिक गो एयर की 2 फ्लाइट रद्द हुई। इसके बाद यात्रिओ ने हंगामा करना शुरू कर दिया।इस दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट और फ्लाइट से संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बहसबाजी भी हुई। इसके बाद लोग जमीन पर ही बैठ गए।फ्लाइट रद्द होने की वजह साफ नहीं किए जाने से यात्रियों का गुस्सा और ज्यादा बढ़ गया। लोगों में गुस्सा इतना था कि एयरपोर्ट कर्मचारियों को भी पकड़कर जमीन पर बैठाया गया।यात्रियों के हंगामे के बाद अगली फ्लाइट से यात्रियों को भेजा गया। फिलहाल हालात शांत है। यात्री मुंबई से गोवा जाने के लिए बैठे हुए थे। दस मिनट पहले यात्रियों को यह सूचना दी गई कि फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है।यात्री इस बात पर एकदम से गुस्से में भड़क गए।वे गो एयर कर्मचारियों पर लगातार यह आरोप लगा रहे थे कि उन्हें पहले से पता था कि फ्लाइट कैंसिल होने वाली है।उन्होंने जानबूझ कर जानकारियां छुपाई और यात्रियों को देर से सूचना दी.

मुंबई टू गोवा और मुंबई टू नागपुर की फ्लाइट अचानक कैंसिल होने से पैसेंजर भड़के

ऐसा ही मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर मुंबई से नागपुर जाने वाले पैसेंजर के साथ हुआ। अचानक मुंबई से नागपुर जाने वाली जी8 2601 की सुबह 7 बजकर 10 मिनट की फ्लाइट कैंसिल कर दी गई।यहां भी यात्रियों को समय पर और स्पष्ट जानकारियां नहीं दी गईं.इससे यात्रियों में नाराजगी बढ़ गई। यात्री जब ग्राउंड स्टाफ से सवाल कर रहे थे तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा था। ऐसे में यात्री जमीन पर ही धरना देने लग गए और फ्लाइट से संबंधित कर्मचारियों को भी जमीन पर बैठा लिया.

यात्रियों को अगली फ्लाइट से भेजा गया, फिलहाल स्थिति शांत

इसके बाद गो एयर के अधिकारियों ने किसी तरह से यात्रियों को अगली फ्लाइट से भेजने का इंतजाम किया। इस तरह यात्रियों का गुस्सा शांत हुआ। खबर लिखे जाने तक हालात बिलकुल सामान्य है। एयरपोर्ट में सुबह के वक्त जब नाइट शिफ्ट खत्म हो रही होती है और मॉर्निंग शिफ्ट के अधिकारी और कर्मचारी शिफ्ट ज्वाइन करते हैं, तब यह अफरा-तफरी शुरू हुई। दोनों शिफ्ट की अदला-बदली में कर्मचारी-अधिकारी भी एक दूसरे से पूछताछ करते हुए दिखे और कर्मचारी पूरी तरह कन्फ्यूज नजर आ रहे थे, ऐसे में यात्रियों को लग रहा था कि उनसे जानकारियां छुपाई जा रही हैं।

सीमा-पार से भेजी जा रही थी आतंकियों को मदद

भारतीय सेना ने मार गिराया ड्रोन, हथियार बरामद

राजौरी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदर बनी सेक्टर में एलओसी के पास भारतीय सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक ड्रोन बरामद किया। बरामद किए गए ड्रोन से सुरक्षा बलों को 2 लाख भारतीय रुपये, 131 राउंड गोलियां, मैग्जीन बरामद हुए हैं। सुरक्षाबलों ने बताया, रात लगभग साढ़े 10 बजे स्थानीय लोगों ने जब किसी ड्रोन के उड़ने की आवाज सुनी तो उन्होंने सुरक्षा इकाइयों को सुचित किया।सूचना मिलने के बाद सेना और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया और रात करीब 11 बजकर 45 मिनट पर इस ड्रोम को इंटरसेप्ट कर मार गिराया और उसके साथ इन सामान को रिकवर कर लिया.

अधिकारियों ने चलाया सर्च ऑपरेशन

अधिकारियों ने बताया, इस घटना के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने एक सर्च ऑपरेशन चलाया है, क्योंकि पास ही पुंछ के इलाके में गुप्त सूचना मिली थी कि 9 अप्रैल से यहां पर कुछ आतंकवादी सक्रिय हैं, जिनकी तलाश में पहले से ही सैन्य इकाइयां इलाके में गश्त कर रही हैं। इसी सिलसिले में जम्मू-कश्मीर के ही शोपियां जिले में बुधवार शाम को आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की सूचना मिली थी।

कुछ दिनों में होनी है जी20 की बैठक

आने वाले कुछ दिनों में जम्मू और कश्मीर में ही पी20 की महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इसको लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं और लगातार संवेदनशील इलाकों में धरपकड़ कर रही हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह भी सुरक्षा की स्थिति की समीक्षा को लेकर यहां पर बैठक करने वाले हैं। गृहमंत्री अमित शाह गुरुवार को नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्रों में स्थिति, सीमापार से घुसपैठ की कोशिशों और अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाने के प्रयासों पर दिल्ली में होने वाली बैठक में स्थिति की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में शामिल होंगे।

कोरोना ने फिर पकड़ी रफ्तार, 24 घंटे में 10 हजार से ज्यादा नए मामले

नयी दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में कोरोना वायरस एक बार फिर रफ्तार पकड़ रहा है। पिछले 24 घंटे में 10 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं जबकि एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 44,998 हो गई है। कोरोना के नए मामले पिछले 8 महीने में आए सबसे अधिक मामले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक देश में संक्रमण की दैनिक दर 4.42 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 4.02 प्रतिशत है। देश में अभी कोरोना से संक्रमित 44,998 लोगों का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.10 प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.71 प्रतिशत है। वहीं अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,035 हो गई है। कोरोना वायरस संक्रमण से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक देश में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 वैक्सीन की 220,66,24,653 डोज लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे।

एमसीडी के जो कर्मचारी 'नकारा' बनाएं उनकी लिस्ट

मेयर शैली ओबेरॉय बोलीं- कामचोरी हरगिज बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम के गैर जिम्मेदार कर्मचारियों पर शिकंजा कसने लगा है।एमसीडी मेयर शैली ओबेराय ने सभी जोनल अधिकारियों को ऐसे कर्मचारियों की लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं। मेयर ने यह सख्ती एमसीडी के स्कूलों, अस्पतालों और पार्कों की बदहाली के संबंध में लगातार आ रही शिकायतों के मद्देनजर दिखाई है। इन्हीं शिकायतों के मद्देनजर मेयर ने कई स्थानों का निरीक्षण किया था। इस दौरान कई जगह स्कूलों में गंदगी के ढेर मिले थे। वहीं पार्कों की स्थिति बेहद खराब मिली थी.इसी के साथ उन्होंने नजफगढ़ जाने के पार्षदों के साथ मीटिंग भी की थी। मेयर शैली

ओबेराय ने कहा कि कई दिनों से स्थानीय पार्षदों की शिकायतें आ रही थीं। इसमें लगातार कहा जा रहा था के उनके क्षेत्र में सफाई नहीं हो रही है।मेंटिनेंस के अभाव में पार्क बदहाल हो रहे हैं। स्कूलों में सभी संसाधन होने के बावजूद बच्चों को ना केवल जमीन पर बैठना पड़ रहा है, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी नहीं मिल पा रही। उन्होंने जोनल अफसरों को जारी निर्देश में साफ तौर पर कहा कि हम यहां सेवा करने के लिए आए हैं।ऐसे में आम आदमी के लिए असुविधा पैदा करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को किसी हाल में बख्सा नहीं जाएगा।मेयर ने डिप्टी मेयर अलय मोहम्मद इकबाल के साथ एमसीडी द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की।इस मीटिंग में लगभग सभी पार्षदों ने अपने क्षेत्र की समस्याएं उठाईं। इनमें सबसे अधिक समस्या साफ सफाई, प्राथमिक स्कूल और पार्कों की थी।मेयर ने पार्षदों को भरोसा दिया कि ना केवल समस्याओं का समाधान होगा, बल्कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।उन्होंने साफ किया कि दिल्ली के अंदर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जल्द ही अलग सी नीति लाई जाएगी। इससे शिक्षकों की कमी दूर होगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार की शिक्षा मॉडल के तहत एमसीडी के स्कूलों में भी इंतजाम किए जाएंगे.

अतिक्रमण का मुद्दा भी उठा

मेयर की बैठक में पार्षदों ने अतिक्रमण और अवैध रूप से संचालित डेयरियों का भी मुद्दा उठाया।बताया कि नजफगढ़ जोन के सागरपुर, डाबरी आदि इलाकों में इस तरह की डेयरियां खूब संचालित हो रही हैं। इससे गंदगी होने के साथ अतिक्रमण की भी स्थिति है। इस शिकायत पर मेयर ने अधिकारियों को सभी डेयरियों की जांच कराने, नियमानुसार कार्रवाई कराने के आदेश दिए हैं.

'क्या धर्म की राजनीति मिटाएगी गरीबों की भूख?' बीजेपी पर भड़के अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने केंद्र की बीजेपी नीत सरकार पर पिछले नौ वर्षों में सुशासन प्रदान करने में अपनी 'विफलताओं' को छिपाने के लिए अयोध्या में राम मंदिर जैसी धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र मनरेगा कोष को अटका रहा है, ताकि राज्य सरकार को धन की कमी का सामना करना पड़े। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने दावा किया, "बीजेपी अपनी नाकामी छिपाने के लिए धर्म की राजनीति करना चाहती है। क्या धर्म को लेकर की जा रही राजनीति गरीब लोगों की भूख मिटाने में मदद करेगी, जो आवश्यक वस्तुओं और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से जूझ रहे हैं? जवाब है, नहीं."'विफलताओं से ध्यान हटाने की चाल'- टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा कि धर्म और राम मंदिर पर राजनीति करना केंद्र में अपनी सरकार की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए बीजेपी की एक चाल है। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, "पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव और अगला लोकसभा चुनाव राज्य के लोगों के अधिकारों के मुद्दे पर होगा। बीजेपी उनका हक छीनने की कोशिश कर रही है। उसने राज्य के लिए मनरेगा कोष जारी करना बंद कर दिया है." अभिषेक बनर्जी की टिप्पणी रामनवमी की शोभायात्राओं के दौरान हुगली और हावड़ा जिलों में हुई हिंसा की पृष्ठभूमि में आई है। तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी पर राज्य में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया है। बनर्जी ने कहा कि पार्टी मनरेगा के तहत रोजगार नहीं पाने वाले दिहाड़ी मजदूरों के एक करोड़ हस्ताक्षर वाले पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजेगी. जिले के लोगों से टीएमसी को वोट देने का आग्रह करते हुए बनर्जी ने कहा, "कोविड महामारी के दौरान जब पार्टी के कार्यकर्ता बांकुड़ा में सड़कों पर थे, तब जिले के बीजेपी सांसद या विधायक नहीं दिखे।हमने अंतर नहीं किया, जबकि हम चुनाव हार गए थे, लेकिन अगर इस बार भी बांकुड़ा की जनता मुंह फेर लेती है तो तृणमूल कांग्रेस उनके हक की लड़ाई नहीं लड़ेगी."

बीजेपी ने किया पलटवार

बनर्जी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस नेता के इस बयान से उनका अहंकार झलकता है कि बांकुड़ा के लोगों को उनकी गलती समझ में आ गयी है।उन्होंने कहा, "जनता ने उन्हें वोट नहीं दिया, इसका यह मतलब नहीं है कि उन्होंने गलती की।यह केवल देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति उनके सम्मान को दिखाता है." पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव इस साल मई में होने हैं.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 25 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख कृ.9 2080 शुक्रवार, 14 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

SLJ JEWELLERS since 1975
जहाँ विश्वास ही परम्परा हैं
GOLD ❖ DIAMOND ❖ PEARLS ❖ SILVER
Diamond Certified | BIS | EXCLUSIVE 916 GOLD JEWELLERY

Bigger. Better. Worldclass.
Exhibition
Grand Inauguration
Today AT 10:30 AM

NEW ADDRESS.
NEW EXPERIENCE.
SAME TRUST.

World's 1st Jewellery Showroom to present more than 100 exclusive Hallmarked Dulhan set's Certified by BIS
SHIVRAJ LAXMICHAND JAIN JEWELLERS
Exclusive Traditional & Designer Jewellery Collection

WHOLESALE PRICES GUARANTEED
जहाँ विश्वास ही परम्परा हैं SINCE 1975

Exhibition
Ethnic & Vintage Jewellery
GOLD, DIAMOND & SILVER
14/15/16 April 2023
10.30 am TO 8.00 pm

Hotel Platinum
Himayath Nagar, Hyderabad

Grab Exciting OFFERS
15,000+ DESIGNS TO EXPLORE
New Designer collections arrived

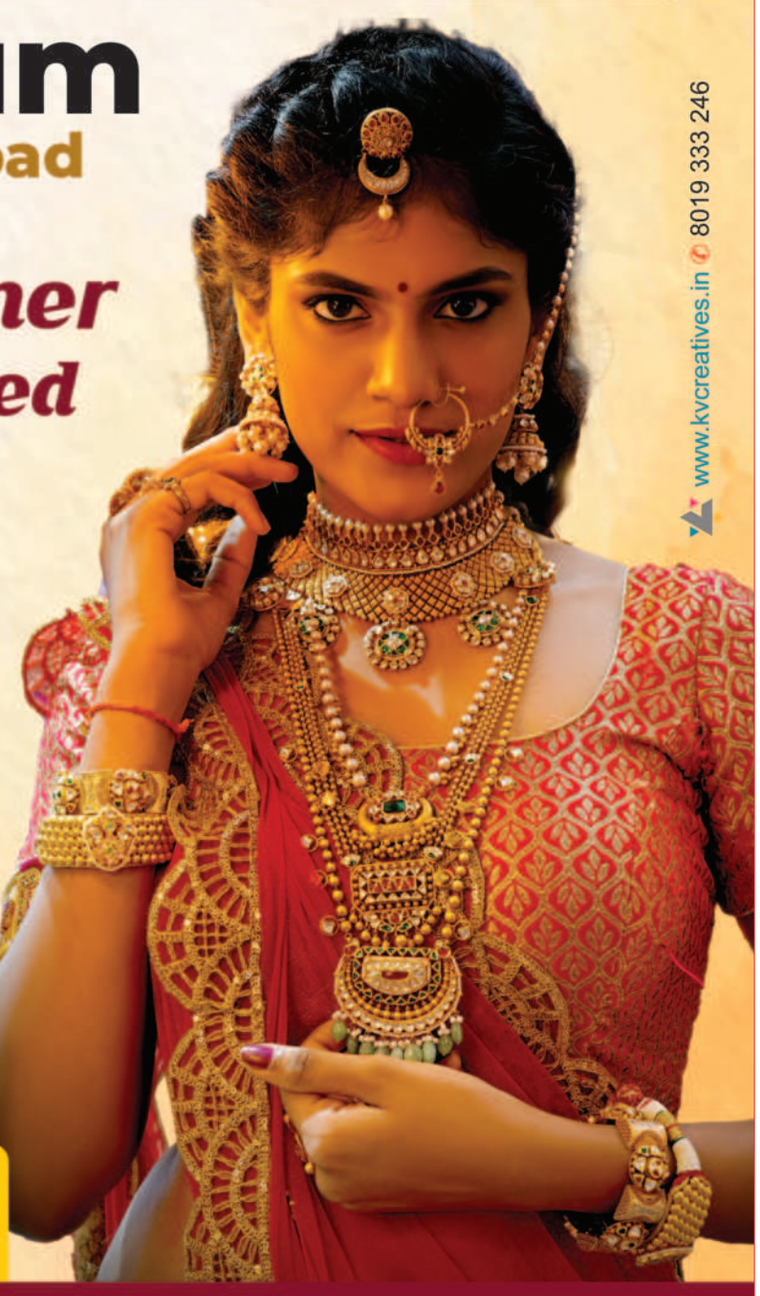

Launching
Advaya
EXCLUSIVE JEWELLERY

BOOK GOLD/DIAMOND/SILVER JEWELLERY & GET EXCITING OFFERS AND SPOT GIFTS

Visit the exhibition and win prizes worth ₹2 Lakhs

www.kvcreatives.in 8019 333 246

Exclusive Bridal Collection On Display
Handcrafted collection of Kundan, Jadau, Junagad, Temple, Heritage, Italian, Rosegold, Pitai Work
Launch of designer Light Weight Jewellery ❖ Extravagant collection of Diamond, Polki, Solitaire jewellery ❖ Vintage collection of 92.5 silver utensils & jewellery

6-3-1111/2, Beside Amrutha Mall,
Somajiguda Circle
Hyderabad - 500 082.
www.sljjewellers.com
Email: info@sljjewellers.com
96 80 916 916 / 83 84 916 916
63 09 916 916 / 97 80 916 916
VALET PARKING AVAILABLE
Follow Us @

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 14 अप्रैल, 2023 4

सुविचार

खुशी केवल पैसों में नहीं बल्कि सफलता के आनंद में है!

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा गिरोह का पर्दाफाश

दो महिलाओं सहित छह लोग गिरफ्तार

वारंगल, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मिल्स कॉलोनी पुलिस ने यहां ऑनलाइन क्रिकेट (आईपीएल) सट्टेबाजी में कथित संलिप्तता के आरोप में दो महिलाओं सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से लगभग 10 लाख रुपये के तीन लैपटॉप, 13 सेलफोन, 1.90 लाख रुपये नकद, एक दोपहिया वाहन, डेबिट और क्रेडिट कार्ड और विभिन्न बैंकों की चेक बुक भी जब्त की हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में पठानबाबा (23), पाटन कासिम खान (28), चंदिना नाग (27), एसडी सलमाबेग (26), मोगल मुन्ना (19) और गुंजा कल्याण (20) शामिल हैं।

गुरुवार को यहां जानकारी देते हुए सेंट्रल जोन के डीसीपी एमए बारी ने बताया कि गिरोह के सदस्यों ने आईपीएल मैचों पर सट्टा लगाने के लिए एक ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप को चुना।

जो लोग इस ऐप के माध्यम से सट्टेबाजी में भाग लेते हैं, उन्हें पहले कुछ पैसे ऑनलाइन जमा करने होते हैं, जैसा कि इस समूह द्वारा संकेत दिया गया है। ये सट्टा संचालक उन लोगों को उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड प्रदान करते हैं जिन्होंने पैसा जमा किया है। इसके जरिए ऑनलाइन सट्टे का धंधा चलता रहता है। कुछ दिनों पहले आईपीएल शुरू होने के साथ ही यह सट्टेबाजी गिरोह मिल्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के 'ओ' सिटी एरिया में रहकर आईपीएल क्रिकेट पर सट्टा लगा रहा है। इस गिरोह ने कथित तौर पर पिछले दिनों खम्मम कमिश्नरेट में सट्टा लगाया था।

ईडी और सीबीआई महज कठपुतली : केटी रामाराव

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मूक दर्शक बन गए हैं और भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के हाथों की कठपुतली मात्र बन गए हैं। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को भ्रष्टाचार पर खुलासे के लिए गिरफ्तार किया जा सकता है। देश उत्सुकता से देख रहा है कि ईडी और सीबीआई मूक दर्शक और मात्र कठपुतली बन गए हैं। उन्होंने आरएसएस नेता राम माधव के खिलाफ सत्यपाल मलिक के कथित आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया कि मुझे लगता है कि वे अब खुलासे के लिए पूर्व राज्यपाल सत्यपाल जी को गिरफ्तार करेंगे। एक अन्य ट्वीट में, रामाराव ने उन भाजपा नेताओं पर भी निशाना साधा, जिन्होंने एसएससी पेपर लीक मामले में जमानत पर रिहा होने के बाद आरोपी को सम्मानित किया है। आरोपी नंबर दो बी. प्रशांत को सम्मानित करने वाले भाजपा नेताओं की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए, मंत्री ने विभिन्न जघन्य अपराधों के आरोपियों को सम्मानित करने वाले भाजपा नेताओं की तस्वीरें भी पोस्ट कीं।

पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझाई रियल्टर हत्या की गुत्थी

मंचेरियल, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बुधवार को दिन-दहाड़े चाकू घोंप कर एक रीयल एस्टेट कारोबारी की सनसनीखेज हत्या के पीछे के रहस्य का पर्दाफाश किया और दो लोगों को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उपायुक्त के. सुधीर रामनाथ ने कहा कि आरोपी व्यक्ति मामिडी श्रीनिवास, सीसीसी नासपुर के एक रियल एस्टेट एजेंट और कागजनगर के दसारी श्रीनिवास है, जो मंचेरियल में रहते थे। मंचेरियल बस अड्डे पर संदिग्ध रूप से घूमते हुए दोनों को हिरासत में लिया गया। पीड़ित नादिपल्ली लक्ष्मीकांत राव (62) थे।

पूछताछ किए जाने पर, मामिडी श्रीनिवास ने अपराध करना कबूल किया क्योंकि वह एक साल से अधिक के छोटे कारणों का हवाला देते हुए मामिडी श्रीनिवास के नाम पर कुछ भूमि के पंजीकरण में देरी करने के लिए राव से नाराज था। उसने स्वीकार किया कि उसने दसारी श्रीनिवास की सहायता से राव की हत्या की। उसने भूमि विवाद पर चर्चा करने के लिए रियल्टर को आमंत्रित किया था और उसकी हत्या कर दी थी।

मामिडी श्रीनिवास ने 30 लाख रुपये देकर राव से जमीन का एक टुकड़ा खरीदा और दोनों ने 2022 में श्रीनिवास के नाम पर संपत्ति दर्ज करने का समझौता किया। लेकिन, राव जमीन की रजिस्ट्री नहीं करा रहे थे। उन्होंने वादा किया कि अगर दोनों गद्दारगड़ी में उनकी जमीन पर एक ढांचे के निर्माण को रोकते हैं तो वे पंजीकरण कराएंगे। फिर भी वह रजिस्ट्रेशन टालता रहा।

महिलाओं को साइबर उत्पीड़न से सुरक्षित रखने के लिए 5 आवश्यक तकनीकी उपकरण

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर उत्पीड़न एक ऐसा खतरा है जो खुद को सभी आकार और रूपों में पेश कर सकता है। महिलाओं के लिए, यह समस्या चैट रूम और सोशल मीडिया ऐप्स के बाहर भी बढ़ सकती है। जबकि हम डिजिटल प्लेटफॉर्म से साइबर उत्पीड़न को पूरी तरह से समाप्त करने से बहुत दूर हैं, तकनीक महिलाओं के लिए खुद को सुरक्षित रखने के लिए एक शानदार सहायता साबित हो सकती है, और उन लोगों की मदद कर सकती है जो अपनी पहचान और अपनी व्यक्तिगत जानकारी की रक्षा करना चाहते हैं। यहां छह तकनीकी उपकरण हैं जो अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म और उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षित रहने में मदद कर सकते हैं।

एंटी-स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर

एक एंटी-स्पाई सॉफ़्टवेयर स्पाइवेयर का पता लगाने और उसे हटाने में मदद करता है जो आपके डिवाइस पर स्थापित हो सकता है। स्पाइवेयर के लिए अपने डिवाइस को नियमित रूप से स्कैन करके, आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपकी संवेदनशील जानकारी, जैसे पासवर्ड और व्यक्तिगत डेटा सुरक्षित रहे। एंटी-स्पाई सॉफ़्टवेयर के अलावा, अन्य तकनीकी उपकरण जैसे वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप और पासवर्ड मैनेजर का भी उपयोग ऑनलाइन सुरक्षा बढ़ाने और साइबर उत्पीड़न से बचाने के लिए किया जा सकता है।

मैलवेयर हटाना

किसी व्यक्ति की गतिविधि को ट्रैक करने के लिए मैलवेयर को काम पर रखा जा सकता है, और कुछ मामलों में, महिलाओं के इनबिल्ट कैमरों या माइक्रोफ़ोन का उपयोग करके उनकी जासूसी करने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है, और उनकी व्यक्तिगत जानकारी को तीसरे पक्ष की वेबसाइटों या डार्क वेब पर लीक किया जा सकता है। मालवेयर रिमूवल टूल इंस्टॉल करके, महिलाएं वायरस, ट्रोजन और रैनसमवेयर जैसे दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर का पता लगा सकती हैं, हटा सकती हैं और उनसे सुरक्षा कर सकती हैं। उचित मैलवेयर सॉफ़्टवेयर डाउनलोड करना और सप्ताह में एक बार डिवाइस को स्कैन करना महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सिस्टम किसी भी तरह से समझौता नहीं कर रहा है।

कॉलर आइडेंटिफिकेशन ऐप

महिलाओं के लिए एक कॉल आइडेंटिफिकेशन ऐप का उपयोग करना महत्वपूर्ण है जो उन्हें अवांछित कॉल और टेक्स्ट संदेशों से बचा सकता है। ये ऐप महिलाओं के लिए कॉल स्क्रीन करने के लिए

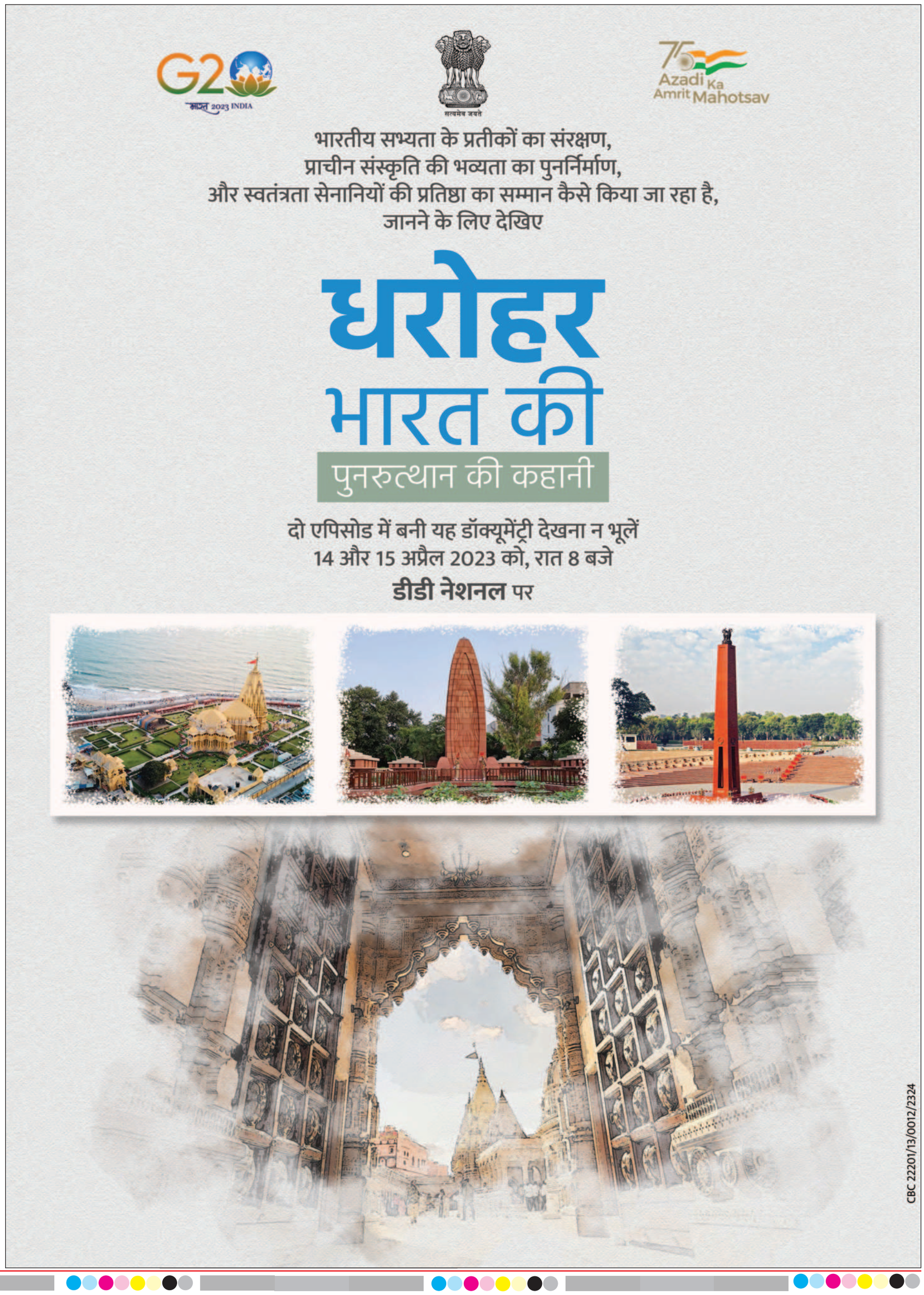

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

प्रपत्र 10-1
सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/0377

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि:

सेक्शन : सिकंदराबाद डिवीजनः यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए, काजीपेट-विजयवाडा सेक्शन के बीच नई बीजी विद्युतीकृत या इलेक्ट्रीफाइड तीसरी लाईन का निर्माण कार्य-चिंतलपल्ली तथा नेक्कोंडा स्टेशनों के मध्य किमीः 387.920 से 407.810 तक नई बीजी विद्युतीकृत या इलेक्ट्रीफाइड तीसरी लाईन के प्रारंभ के बारे में ।

ओएचई मास्ट लोकेशनः दक्षिण मध्य रेलवे से जुडी यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई तथा फ्राइट सेवाओं के परिचालन के लिए, ओएचई मास्ट लोकेशन 387/ सी 16(किमी/सीएचः387/783.80) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 407/41ए(किमी/सीएचः 407/876.20) चिंतलकोंडा तथा नेक्कोंडा के बीच सीएचः 387783.80एम से 407876.20एम से तत्संबंधित कार्य के उपलक्ष्य में उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.20-02-2023 को या इसके बाद उर्जित (एनर्जाइज) किया जायेगा। अतः निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा इसके चलते कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइन के निकट न पहुंच सकेगा न कार्य ही कर सकेगा।

प्रपत्र 10-2
(एसीटीएम अनुच्छेद 21020, खंड ।।, भाग ।- सुधार पर्ची सं.32, दि.09.10.2020)
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

आम जनता को एतद्वारा निम्न सेक्शन के तहत 25 केवी ए.सी. इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में अधिसूचित किया जाता है कि,

सेक्शन : सिकंदराबाद डिवीजनः यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई के लिए, काजीपेट-विजयवाडा सेक्शन के बीच नई बीजी विद्युतीकृत या इलेक्ट्रीफाइड तीसरी लाईन का निर्माण कार्य-चिंतलपल्ली तथा नेक्कोंडा स्टेशनों के मध्य किमीः 387.920 से 407.810 तक नई बीजी विद्युतीकृत या इलेक्ट्रीफाइड तीसरी लाईन के प्रारंभ के बारे में ।

ओएचई मास्ट लोकेशनः दक्षिण मध्य रेलवे से जुडी यात्रियों की सार्वजनिक ढुलाई तथा फ्राइट सेवाओं के परिचालन के लिए, ओएचई मास्ट लोकेशन 387/ सी 16(किमी/सीएचः387/783.80) से ओएचइ मास्ट लोकेशन 407/41ए(किमी/सीएचः 407/876.20) चिंतलकोंडा तथा नेक्कोंडा के बीच सीएचः 387783.80एम से 407876.20एम से तत्संबंधित कार्य के मध्देनजर अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर्स (संपर्क वायर्स) के खतरनाक निकटता की रोकथाम के लिए सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से उपर 4.78 मीटर्स की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस स्थापित किए गए हैं।

अतः आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति उक्त निर्दिष्ट ऊंचाई का कडाई से पालन किया जाए और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, उपरोक्त हाइट गेज का उल्लंघन कतई न करते हो।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे निम्न प्रकार हैं-

हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट I

मटेरियल या उपकरण को खतरा या तत्संबंधित वाहन में लदान किये गये उपकरण के लिए खतरा।

कंडक्टर्स के संपर्क में आने से या इसके खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम ।

A0524

उप मुख्य बिजली अभियंता, सिकंदराबाद

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 25 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.9 2080 शुक्रवार, 14 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'भारतीय युवाओं में जबरदस्त उत्साह'

पीएम ने 71 हजार युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर दिए

(फाइल फोटो)

> हरदम सीखने को तैयार रहें, मैं भी खुद को हमेशा विद्धार्थी मानता हूं

> आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सैटेलाइट भी देश में बन रहीं

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार की रोजगार मेला स्कीम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को 71 हजार युवाओं को अपॉइंटमेंट लेटर जारी किए। अलग-अलग राज्यों से जुड़े इन सभी युवाओं को केंद्र सरकार के विभागों में नौकरी दी गई है। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने कहा, मैं अपने आप को हमेशा एक विद्यार्थी मानता रहा हूं। मैं कभी ये नहीं सोचता कि मुझे सब कुछ आता है और अब कुछ सीखने की जरूरत नहीं है। आप भी कभी ऐसा मत सोचना कि आप सब कुछ सीख गए हैं। सीखने के लिए हमेशा तैयार रहना। आज भारत दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। पूरी दुनिया कोविड के बाद मंदी से जूझ रही है, ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था लगातार गिरती जा रही है। बावजूद इसके दुनिया भारत को एक चमकते बिंदु की तरह देख रही है।

स्टार्टअप ने 40 लाख से ज्यादा नौकरियां पैदा की हैं :

आज युवाओं के सामने कई ऐसे सेक्टर खुल गए हैं जो 10 साल पहले युवाओं के सामने उपलब्ध ही नहीं थे। स्टार्टअप का उदहारण हमारे सामने है। इसे लेकर आज भारत के युवाओं में जबरदस्त उत्साह है। एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टार्टअप ने 40 लाख से ज्यादा डायरेक्ट और इन-डायरेक्ट जॉब क्रिएट की हैं। ऐसा ही ड्रोन सेक्टर भी है। वहीं, बीते 8-9 सालों में देश के स्पोर्ट्स सेक्टर का भी कायाकल्प हो गया है।

'आत्मनिर्भर भारत अभियान' की सोच और अप्रोच स्वदेशी अपनाने और 'वोकल फॉर लोकल' से कहीं ज्यादा है। यह गांव से लेकर शहरों तक, भारत में रोजगार के करोड़ों अवसर पैदा करने वाला अभियान है। आज आधुनिक सैटेलाइट से लेकर सेमी हाई स्पीड ट्रेन तक भारत में ही निर्मित हो रही हैं। 2014 से पहले के समय में रेलवे लाइन को इलेक्ट्रिफाई करने में 7 दशक का समय लगा था। 2014 के बाद हमने 9 साल में 40 हजार से लंबी रेलवे लाइन को इलेक्ट्रिफाई किया।

हमारे देश में दशकों तक यह अप्रोच भी हावी रही कि डिफेंस इक्विपमेंट बाहर से ही लाए जा सकते हैं। हम अपने देश के निर्माताओं पर उतना भरोसा नहीं करते थे। दशकों तक भारतीय बच्चे विदेश से इम्पोर्ट किए खिलौनों से ही खेलते रहे। न तो उनकी क्वालिटी अच्छी थी और न ही वे भारतीय बच्चों को ध्यान में रखकर बनाए जाते थे। हमने आयात होने वाले खिलौने के लिए क्वालिटी पैरामीटर तय किए और अपनी स्वदेशी इंडस्ट्री को बढ़ावा देना शुरू किया। 3-4 वर्ष में ही टॉय इंडस्ट्री का कायाकल्प हो गया और रोजगार के कई नए अवसर तैयार हुए। रोजगार पैदा करने का एक और पक्ष है इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सरकार की तरफ से किया गया निवेश। जब सरकार कैपिटल एक्सपेंडिचर पर खर्च करती है तो बड़े पैमाने पर रोड, रेलवे, पोर्ट समेत बहुत सी चीजें तैयार हो जाती हैं।

रोजगार के मौके बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने शुरू की नई पहल

रोजगार मेला केंद्र सरकार की ओर से शुरू की गई एक पहल है। सरकार का उद्देश्य है कि इसके जरिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार दिया जा सके। पीएमओ के मुताबिक देशभर से चयनित युवाओं को भारत सरकार के तहत ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, सीनियर कमर्शियल सह टिकट क्लर्क, इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर अकाउंटेंट, पोस्टल असिस्टेंट, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स असिस्टेंट, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जेई/सुपरवाइजर, असिस्टेंट प्रोफेसर, टीचर, लाइब्रेरियन, नर्स, प्रोबेशनरी ऑफिसर्स, पीए, एमटीएस जैसे विभिन्न पदों पर तैनात किया जाएगा।

सुना है 2024 तक हमें फंड नहीं मिलेगा : ममता

कोलकाता, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि सुनने में आ रहा है कि अब हमें साल 2024 तक फंड नहीं मिलेगा। ऐसा हुआ तो जरूरत पड़ने पर मैं आंचल फैलाकर बंगाल की माताओं के सामने भीख मांग लूंगी, लेकिन भीख मांगने दिल्ली (केंद्र सरकार के पास) कभी नहीं जाऊंगी।

ममता बनर्जी गुरुवार को कोलकाता में जनसभा को संबोधित कर रही थीं, उसी दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। यह पहला मौका नहीं है जब ममता ने केंद्र पर बंगाल सरकार को फंड न देने का आरोप लगाया। 29-30 मार्च को उन्होंने राज्य की योजनाओं के लिए केंद्र की ओर से फंड न देने का आरोप लगाकर कोलकाता में दो दिन का धरना किया था।

धरने पर बैठीं ममता ने कहा था कि 100 दिन काम योजना और अन्य योजनाओं के लिए केंद्र सरकार राशि जारी नहीं कर रही है। केंद्रीय बजट में भी हमें मनरेगा और आवास योजना के लिए एक रुपया नहीं दिया है। >14

राहुल की सजा पर रोक की मांग वाली याचिका पर फैसला 20 अप्रैल को

सूरत की कोर्ट में सुनवाई पूरी

(फाइल फोटो)

सूरत, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा को लेकर दाखिल की गई याचिका पर सूरत की कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है। बताया जा रहा है कि कोर्ट 20 अप्रैल को अपना फैसला सुना सकता है। दरअसल, राहुल गांधी ने अपनी सजा पर रोक की मांग करते हुए कोर्ट में याचिका लगाई है।

इससे पहले सूरत की एक सेशन कोर्ट में सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के वकील आरएस चीमा ने कहा कि राहुल गांधी वायनाड से रिकॉर्ड मतों से जीतकर लोकसभा पहुंचे थे और दोष सिद्ध होने के बाद उनकी संसद सदस्यता का जाना बड़ी क्षति है। उन्होंने अपने मुवक्किल राहुल गांधी की ओर से कहा कि मेरा भाषण मानहानि करने वाला नहीं था, लेकिन उसे परिपेक्ष्य से अलग रखकर मानहानिकारक बनाया गया। असल में मेरे खिलाफ कार्रवाई इसलिए की गई, क्योंकि मैंने प्रधानमंत्री की बेबाकी से आलोचना की। गलत तरीके से मेरे खिलाफ ट्रायल चलाया गया।

चीमा ने कहा कि राहुल गांधी ने कर्नाटक के कोलार में भाषण दिया था, जिसे लेकर उन पर मानहानि का मामला दर्ज कराया गया और मामला दर्ज कराने वाले पूर्णेश मोदी को सोशल मीडिया के जरिए मिले एक मैसेज से इसकी जानकारी हुई थी। चीमा ने कहा कि अगर कोई कहता है कि पंजाबी झगड़ालू होते हैं और गालियां देते हैं... तो क्या मैं इसे लेकर मानहानि का मुकदमा कर सकता हूं क्या? ऐसे शब्द गुजराती और अन्य भाषाई-धार्मिक संगठनों के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

खड़गे ने रोजगार मेले को लेकर कसा तंज : देर से दिया और बहुत कम दिया

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने 'रोजगार मेला' के तहत नियुक्ति पत्रों के नवीनतम बैच के वितरण को लेकर गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि शासन उनके (पीएम) लिए अधिकतम तमाशा बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, बहुत कम दिया गया है और बहुत देर से दिया गया है। उन्होंने इसे सरकार के दसवें साल के करीब पहुंचने के साथ ही स्टंट करार दिया है।

खड़गे ने यह कटाक्ष ऐसे समय में किया है, जब प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले को संबोधित किया, जहां विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में 71,506 भर्तियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। इस पर कटाक्ष करते हुए खरगे ने ट्वीट किया, मोदी फिर रोजगार के नाम पर भर्ती पत्र बांट रहें हैं। इवेंट में 50,000 पत्र रेल मंत्रालय के ही है। रेलवे में 3,01,750 पद खाली हैं। सरकारी मंत्रालयों में 30 लाख पद खाली हैं। 'टू लिटिल-टू लेट' मोदी सरकार के दसवें वर्ष में किए गए इस स्टंट पर सटीक बैठता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस कार्यक्रम को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के लिए शासन अधिकतम तमाशा बन गया है। उनका रोजगार मेला वास्तव में पिछले 9 वर्षों में लाखों एमएसएमई बंद होने के कारण बेरोजगारी का एक स्मारक है और आप गंभीर मुद्दों को कितना व्यक्तिगत करना चाहते हैं?

सुप्रीम कोर्ट का ललित मोदी को निर्देश

> बिना शर्त माफी मांगो-आप कानून से ऊपर नहीं

(फाइल फोटो)

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट में न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए ललित मोदी को फटकार लगाई। कोर्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी को बिना शर्त माफी मांगने का निर्देश दिया है। एम.आर. शाह और जस्टिस सी.टी. रविकुमार की पीठ ने कहा कि यह देखते हुए कि ललित मोदी कानून और संस्था से ऊपर नहीं हैं, कोर्ट उनके ओर से दायर जवाबी हलफनामे से संतुष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ललित मोदी को सोशल मीडिया और प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में भी माफी मांगने का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत ने उन्हें माफी मांगने से पहले एक हलफनामा दायर करने का भी निर्देश दिया और कहा कि भविष्य में ऐसी कोई पोस्ट न की जाए जो भारतीय न्यायपालिका की छवि को धूमिल करे। इससे पहले बुधवार को ललित मोदी ने एक ट्वीट किया था। उन्होंने ट्वीट में लिखा, यह साफ करना चाहता हूं कि कुछ दलाल झूठ फैलाकर भारत और इसकी न्यायपालिका को बदनाम करते हैं। वे दिखावे के अलावा और कुछ नहीं कर सकते और फिक्सिंग के लिए पैसे की मांग करते हैं। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो सकता है कि ललित मोदी ने इस ट्वीट किस बारे में किया है।

2010 से देश से फरार हैं ललित

ललित मोदी ने 2008 में आईपीएल की शुरूआत की थी। 2010 तक आईपीएल के चेयरमैन और कमिश्नर रहे। 2010 में ललित को धांधली के आरोप में उन्हें हटा दिया गया और बीसीसीआई से भी सस्पेंड किए गए। मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपों के बाद 2010 में ललित देश से फरार हो गए थे।

कर्नाटक सरकार के फैसले के खिलाफ याचिका, सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक में मुस्लिमों का चार प्रतिशत कोटा खत्म करने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के लिए हामी भर दी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने वकील कपिल सिब्बल की मांग पर विचार करने के बाद इसे लिस्ट करने की मंजूरी दे दी।

गौरतलब है कि कर्नाटक मंत्रिमंडल ने हाल ही में अल्पसंख्यकों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण खत्म करने का फैसला किया था। अब उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के तहत लाया जाएगा। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बताया कि अल्पसंख्यकों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को अन्य के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। इसे कर्नाटक में वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय के मौजूदा आरक्षण में जोड़ा जाएगा। कर्नाटक में इसी साल चुनाव होने हैं।

कर्नाटक में भाजपा की लिस्ट के बाद इस्तीफों की झड़ी

> पूर्व डिप्टी सीएम और विधायक ने पार्टी छोड़ी, पूर्व मंत्री ने संन्यास लिया

बेंगलुरू, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर भाजपा के तीन विधायकों ने पार्टी से किनारा कर लिया है।

भाजपा ने दो लिस्ट जारी करके 212 कैंडिडेट्स के नाम की घोषणा की थी। 212 सीटों में 19 मौजूदा विधायकों के टिकट काटे गए हैं। इसे लेकर पूर्व डिप्टी सीएम लक्ष्मण सवाडी ने बुधवार और विधायक एमपी कुमारस्वामी ने गुरुवार को पार्टी छोड़ दी। वहीं पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा लिस्ट जारी होने से पहले ही चुनावी राजनीति से संन्यास ले चुके हैं। दूसरी लिस्ट के बाद भी पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार के नाम की घोषणा नहीं की गई है। शेट्टार हुबली-धारवाड़ से विधायक हैं। उन्होंने मंगलवार को दावा किया कि पार्टी ने उन्हें चुनाव नहीं लड़ने के लिए कहा है। टिकट न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। इस बयान के बाद उन्हें दिल्ली बुलाया गया, जहां उन्होंने बुधवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

वहीं, उडुपी से विधायक रघुपति भट्ट को भी इस बार पार्टी ने टिकट नहीं दिया है, जिसे लेकर वे काफी भावुक हैं। भट्ट को इस बात का ज्यादा दुख है कि उन्हें इस बात की जानकारी टीवी चैनलों से मिली। उन्होंने कहा, अगर उनकी जाति की वजह से उन्हें टिकट नहीं दिया गया है तो वह इसे स्वीकार नहीं कर सकते हैं। पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा के चुनाव से संन्यास के बाद शिवमोगा में 19 नगर निगम के सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मेयर और डिप्टी मेयर ने भी पद छोड़ दिया है। शिवमोगा के जिला अध्यक्ष ने भी ईश्वरप्पा के समर्थन में इस्तीफा दिया है। बता दें कि तात्कालीन ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री (आरडीपीआर) केएस ईश्वरप्पा पर मंत्री पद पर रहते हुए 40 प्रतिशत कमीशन लेने का आरोप लगा था। >14

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में रेड अलर्ट 2 संदिग्धों की तलाश

बठिंडा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में सेना के 4 जवानों को गोलियां मारने वाले 2 संदिग्ध हमलावरों का अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उनका सुराग लगाने के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। दूसरी तरफ घटना के 24 घंटे बीत जाने के बावजूद मिलिट्री एरिया में रेड अलर्ट जारी है। मिलिट्री एरिया के स्कूल आज भी बंद कर दिए गए हैं।

गुरुवार सुबह मिलिट्री स्टेशन के अंदर एक और सैनिक की गोली लगने से मौत हो गई। बुधवार रात को यूनिट के ऑफिस के नजदीक यह वाकया हुआ। जांच में पता चला कि संतरी की ड्यूटी पर तैनात गुर तेजस लहुराज के सिर में गोली लगी है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। मिलिट्री पुलिस जांच कर रही है कि सैनिक ने खुदकुशी की है, किसी ने उसे गोली मारी या फिर यह हादसा हुआ है।

अमित शाह ने की हाई-लेवल बैठक

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान एनएसए अजित डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, गृह सचिव अजय भल्ला, डीजीपी जम्मू-कश्मीर दिलबाग सिंह, केंद्रीय सुरक्षा बलों और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के हालात को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान शाह को जम्मू-कश्मीर की कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई और एक प्रेजेंटेशन भी दी गई। इस दौरान लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा के हालात, सीमा से घुसपैठ की साजिशों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

अतीक के बेटे असद का झांसी में एनकाउंटर

> शूटर गुलाम भी ढेर > 30 मिनट में 49 राउंड फायरिंग हुई > 48 दिन से फरार थे दोनों

प्रयागराज/झांसी, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। गैंगस्टर अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम मोहम्मद को यूपी पुलिस ने गुरुवार को मार गिराया। दोनों उमेश पाल मर्डर केस में वांटेड थे। दोनों पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। पुलिस के मुताबिक, इनके पास विदेशी हथियार भी मिले हैं। एनकाउंटर झांसी में पारीछा डैम के पास एसटीफ ने किया।

प्रशांत कुमार एडीजी लॉ एंड ऑर्डर ने बताया, इनपुट थे कि रास्ते में काफिले पर हमला करके अतीक को छुड़ाने की प्लानिंग की जा रही है। इसे देखते हुए स्पेशल फोर्सेस लगाई गई थीं। एसटीएफ की कार्रवाई के दौरान अतीक की प्रयागराज कोर्ट में पेशी चल रही थी। बेटे के एनकाउंटर की खबर सुनकर वो रोने लगा। गला सूखा तो पानी मांगा और सिर पकड़कर बैठ गया। 24 फरवरी को उमेश पाल के मर्डर के बाद से ही असद और गुलाम मोहम्मद फरार थे। एसटीएफ 48 दिन से लगातार इन्हें ट्रेस कर रही थी और झांसी में इनकी लोकेशन मिलने पर मार गिराया। एनकाउंटर को डिप्टी एसपी नवेंदु और डिप्टी एसपी विमल ने लीड किया।

एसटीएफ के डीआईजी अनंत देव तिवारी ने बताया कि उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य शूटर असद और गुलाम ने पुलिस टीम को देखते ही बाइक से भागने की कोशिश की। एसटीएफ टीम के पीछा करने पर विदेशी अत्याधुनिक हथियारों से फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उनकी बाइक गिर गई। जिस पर दोनों ने भागते हुए पुलिस को निशाना बनाया। पुलिस ने भी जवाबी फायर किया। करीब 30 मिनट चली इस मुठभेड़ में 49 राउंड फायरिंग हुई। उमेश पाल मर्डर में असद का नाम और सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद शाइस्ता ने अतीक अहमद से नाराजगी जाहिर की थी। रोते हुए कहा था कि असद अभी बच्चा है। उसे इस मामले में नहीं लाना चाहिए था। यह सुनने के बाद माफिया डॉन अतीक अहमद नाराज हो गया था। उसने शाइस्ता परवीन को डांटकर कहा था, असद शेर का बच्चा है।

असद के 'काले' कारनामे

- स्कूल में की थी शिक्षकों की पिटाई, छात्रों के साथ करता था गुंडागर्दी
- चाचा अशरफ से लेता था ट्रेनिंग, कई वीडियो भी आ चुके हैं सामने
- बड़े भाइयों के जेल जाने के बाद चला रहा था अतीक की गैंग

एडीजी लॉ एंड ऑर्डर बोले, सरकार माफियाओं को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध

उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा, सरकार की अपराध और अपराधियों, माफियाओं को खत्म करने की जो प्रतिबद्धता है, वो आप जानते हैं। 3

सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। 12.30 से 1.00 बजे के बीच सूचना के आधार पर कुछ लोगों को रोका गया तो दोनों तरफ से गोलियां चलीं। उस ऑपरेशन में एसटीएफ ने असद और गुलाम पर फायरिंग की। ये घायल हुए और बाद में दम तोड़ दिया।

सावरकर के पोते बोले-राहुल गांधी बस अब बहुत हुआ

लंदन में दिए बयान के खिलाफ पुणे में मानहानि का केस दर्ज कराया

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विनायक दामोदर सावरकर के पोते सात्यिकी सावरकर ने पुणे में आपराधिक मानहानि का केस दर्ज कराया है। सावरकर के पोते सात्यिकी सावरकर ने कहा कि बस अब बहुत हो गया।

राहुल गांधी पिछले महीने लंदन गए थे। वहां उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि वीर सावरकर ने अपनी एक किताब में लिखा है कि उन्होंने अपने 5-6 दोस्तों के साथ एक मुसलमान को पीटा और उस झगड़े का लुत्फ उठाया। यह सावरकर का अपमान है।

सात्यिकी ने कहा कि राहुल गांधी ने लंदन में भारतीय प्रवासी के साथ बातचीत के दौरान सावरकर का विषय उठाया था। राहुल गांधी ने इस घटना के बारे में बोलते हुए पूछा था कि क्या यह कायराना हरकत नहीं है। सबसे पहले बता दूं कि गांधी की सुनाई हुई यह घटना काल्पनिक है। वैज्ञानिक प्रवृत्ति के व्यक्ति सावरकर के जीवन में ऐसी कोई घटना नहीं घटी थी। वह लोकतंत्र में विश्वास करते थे। उन्होंने मुसलमानों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी थी। वी.डी. सावरकर के बारे में राहुल गांधी का बयान झूठा और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने यह अपमान करने के उद्देश्य से किया था।

सावरकर को बदनाम करने की कोशिश, चुप नहीं बैठेंगे

सावरकर को बदनाम करने के इस प्रयास के बाद हमने फैसला किया है कि हम चुप नहीं बैठेंगे। वी डी सावरकर ने किसी किताब में ऐसी बातें नहीं लिखी हैं, तो इस बात को कोर्ट में आने दीजिए कि राहुल गांधी ने किस किताब में इस घटना को पढ़ा। उन्होंने दावा किया कि हमारे पास ये बयान देने वाले राहुल गांधी का एक वीडियो है और इसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। सात्यिकी सावरकर ने कहा कि उनके वकीलों ने भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत शिकायत के साथ कोर्ट का रुख किया है। संबंधित कोर्ट अधिकारी उपस्थित नहीं थे, इसलिए उन्होंने हमें शनिवार को फिर से आने को कहा।

बीबीसी के खिलाफ ईडी ने मामला दर्ज किया

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब बीबीसी के खिलाफ फेमा उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने विदेशी फंडिंग में अनियमितता के लिए बीबीसी इंडिया के खिलाफ मामला दर्ज किया है। फरवरी में, आयकर (आई-टी) विभाग की एक टीम ने मीडिया समूह ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (बीबीसी) के मुंबई स्टूडियो और दिल्ली में कार्यालय में 'सर्वे' किया था। बीबीसी ने तब कहा था कि वह अधिकारियों को पूरा सहयोग कर रहा है। बीबीसी ने एक ट्वीट में कहा था, आयकर अधिकारी इस समय नई दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों में हैं और हम पूरा सहयोग कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इस स्थिति को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। सर्वेक्षणों के बाद, आयकर विभाग ने कहा था कि उसने स्थानांतरण मूल्य निर्धारण दस्तावेज के संबंध में कई विसंगतियां पाई हैं। इसने यह भी कहा कि बीबीसी द्वारा दिखाई गई आय और लाभ भारत में ऑपरेशन के पैमाने के अनुरूप नहीं हैं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 14 अप्रैल- 2023

लोकतंत्र में सुप्रीम फैसला

भारत की पहचान अनेकता में एकता की रही है। यह देश अलग-अलग विचारों, मतों और समुदायों का ऐसा ठोस समुच्चय है, जिसे सबके मिलने से ही इसे मजबूती मिलती है। इसमें भिन्न विचारधाराओं को मानने वाले लोग और समूह अपने विचारों और आस्था के मुताबिक सांस्कृतिक या राजनीतिक गतिविधियां संचालित करते हैं। उससे सहमति रखने वाले लोग ऐसे किसी आयोजन में शामिल होते हैं, बाकी लोगों के लिए भी यह विचारों की भिन्नता भर होती है। परस्पर सहयोग वाले समाज में सद्भाव आधारित आयोजन सामूहिक सामाजिक भावना को मजबूत ही करता है। हम बात कर रह रहे हैं तमिलनाडु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस की ओर से पथ संचलन के मसले पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनाये गये फैसले की। सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर जो फैसला दिया है, वह एक तरह से लोकतंत्र का आम सबक है, जिसमें विभिन्न विचारों को जगह देना और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी होती है। गौरतलब है कि राज्य में सैंतालीस जगहों पर निकलने वाले पथ संचलन जुलूस के मसले पर राज्य सरकार का कहना था कि वह इसके पूर्ण विरोध में नहीं है, मगर संवेदनशील इलाकों में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। सरकार का यह रुख तब भी बना रहा जब आरएसएस ने इसे लोगों के शांतिपूर्ण जमा होने के मौलिक अधिकार का हनन बताया था। तमिलनाडु सरकार के रुख को खारिज करते हुए मद्रास हाईकोर्ट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को तय मार्गों से पथ संचलन निकालने की इजाजत दे दी थी। हालांकि राज्य सरकार ने अपनी दलीलों के साथ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। अब शीर्ष अदालत ने भी जिस तरह मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा, वह एक तरह से राज्य सरकार के लिए झटका है। देश की लोकतांत्रिक परंपराओं के आलोक में देखें तो इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट के रुख ने एक बार फिर राजनीतिक आग्रहों-पूर्वाग्रहों पर सोचने और उसमें सुधार का मौका मुहैया कराया है। राजनीतिक या सामाजिक मुद्दों पर काम करने वाले किसी संगठन के जुलूस या अन्य कार्यक्रम के आयोजन से उपजने वाली स्थितियों और उसके असर का आकलन करना सरकार की जिम्मेदारी है। वह उसके मुताबिक उसे इजाजत देने या न देने के बारे में अपना रुख करती रही है। लेकिन अगर कोई संगठन पहले ही अपने आयोजन के शांतिपूर्ण होने का भरोसा दे रहा हो, तो उससे किसी को क्यों आपत्ति होनी चाहिए? इसके बावजूद सरकार को परिस्थितियों के मद्देनजर कोई गैरकानूनी या अवांछित घटना होने की आशंका है, तो उसे लेकर सजग रहना और उसके मुताबिक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करना उसी की जिम्मेदारी है। सिर्फ आशंका के आधार पर किसी आयोजन को बाधित करना एक ओर जहां लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन की स्थितियां पैदा करता है, वहीं सुरक्षा व्यवस्था तय करने के लिए जवाबदेह तंत्र की जिम्मेदारी पर भी यह एक सवाल है। इस लिहाज से देखें तो तमिलनाडु सरकार का रुख पहले भी सवालों के घेरे में था, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्थिति स्पष्ट हो जानी चाहिए। सही है कि आम जनता की भागीदारी वाले सार्वजनिक समारोहों को कई बार राजनीतिक हित साधने का जरिया बना लिया जाता है और कभी-कभी असामाजिक तत्त्व उथल-पुथल पैदा करने की कोशिश करते हैं। लेकिन ऐसे ही समय में सरकार और उसके प्रशासनिक तंत्र को सजग रह कर कानून-व्यवस्था को कायम रखने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। अगर कोई अप्रत्याशित और जोखिम की विकट परिस्थिति न हो तो किसी संगठन की गतिविधियों को सिर्फ राजनीतिक आग्रहों के आधार पर सीमित करने के बजाय सरकार को अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षक होने और उदार रवैये का परिचय देना चाहिए।

राजनीति का हमामखाना

रेखा शाह

सरलु भैया काफी शरीफ और सीधे-साधे नेकदिल आदमी है। शराफत की गंगोत्री उन जैसे इक्का-दुक्का लोगों के मन से ही निकलती है। जिस पर भी अब लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है वैसे यह मात्र मेरा अंदेशा ही है। क्योंकि राजनीति और राजनीति बाजी पर विश्वास करना इस दौर में कठिन हो चला है आज के समय में यदि इंसान थोड़ा सा भी राजनीति के प्रति जागरूक है तो उसे पता है। कि एक राजनीति के नीति में सब कुछ संभव है और जहां सब संभव है वही राजनीति है । बाकी तो जो इसको तिलांजलि देकर किनारे-किनारे निकल लिए उन से पूछिए क्या-क्या ना उन पर बीती है। क्योंकि यही राजनीति की नीति है वह सीधे साधे लोगों को अपनी उठापटक की लहरों से किनारे लगाती चलती है। और जो जलेबी जैसे होते हैं उन्हें अपने गले लगाती है।

खैर भगवान भला करे हमारे सरलु भैया का जाने उन पर क्या-क्या बीतने वाली है । और कैसे-कैसे तोड़फोड़ उनके सीधे सरल व्यक्तित्व में किया जाने वाला है उन्हें खरगोश से लोमड़ी बनाने मे कैसे कैसे घनघोर परिवर्तन किए जाएंगे उनका तो ईश्वर ही मालिक है।हो सकता है उनके आंख कान नाक सबका व्यवहार बदल जाय ताकि वह राजनीति के लायक बन सके क्योंकि राजनीति को तो उनके लायक बनना नहीं है।

सरलु भैया ने आज तक एक चींटी का भी दिल नहीं दुखाया है छोटे-बड़े निर्धन असहाय सबको साथ लेकर चलते हैं और इनके जरूरत के वक्त इनके काम आते हैं लेकिन राजनीति में तो इन लोगों से अपना काम निकालना पड़ता है और वह यह काम कैसे कर पाएंगे यही समझ नहीं आ रहा ।राजनीति का साथ कैसे निभाएंगे भगवान ही जाने राजनीति के ऊंची नीची पगडंडियों पर कैसे चल पाएंगे इस पर तो अच्छे-अच्छे नहीं चल पाते हैं हर पांच साल पर लड़खड़ाते रहते हैं और नहीं तो और केकड़े के समान सभी एक दूसरे के पैर खींचते रहते हैं।

भैया तो कभी राजनीति में आना ही नहीं चाहते थे लेकिन उनके अच्छे काम करने की आदत है उन्हें इस जगह पहुंचा दिया । पूरे मोहल्ले गांव वालों ने मिलकर उन्हें यह दुख दिया है और वह भी जबरदस्ती दिया है । और जब एक बार आपके पीछे जनसमर्थन हो तो आप राजनीति के तरफ जाए या ना जाए राजनीति और राजनीतिज्ञ आपके पीछे-पीछे चले आते हैं ऐसी ही घटना और दुर्घटना सरलु भैया के साथ हो गई।

अब तो ईश्वर से बस इतनी प्रार्थना है हे ईश्वर सरलू भैया के खरगोश जैसे व्यक्तित्व और व्यक्ति की रक्षा करना क्योंकि उनको अपनी राजनीतिक यात्रा में शेर ,बाघ ,चीता, लोमड़ी, सियार ,अजगर ,गिद्ध आदि सबसे मुलाकात होगी। सब उन्हें कच्चा चबाने एवं निगलने का प्रयास करेंगे। शाकाहारी से मांसाहारी बनाने की कोशिश करेंगे। सुना था राजनीति के हमाम में सब नंगे होते हैं सरलु भैया राजनीति के हमामखाने में तो जा रहे हैं पर उनको सब के रंग में मत रंगना क्योंकि देश को सरलुओ की बहुत जरूरत है।

आज अगर बाबासाहब होते...

14 अप्रैल डॉ. अम्बेडकर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में

रघु ठाकुर

14 अप्रैल डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर का जन्मदिन है। इस अवसर पर वे किस सन में पैदा हुए या किस सन में उनकी मृत्यु हुई यही बात महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि आज अगर बाबासाहब जिंदा होते तो अपनी मान्यताओं, विचारों व स्थापनाओं की रक्षा के लिये, उन्हें किन-किन शक्तियों से जुझना पड़ता। मैं समझता हूँ कि बाबासाहब को सर्वाधिक निराशा अंतः संघर्ष उन लोगो से ही करना पड़ता जिनकी तरक्की व समता के लिये उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में कहते भी थे कि मुझे सबसे ज्यादा शिकायत उन अपने ही लोगो से है, जिन्होंने मेरी बातो को या तो नजरअंदाज किया या तो फिर मुझे केवल पूजने की प्रतिमा बना दिया ।

अक्सर देश या दुनिया में ऐसी धारणा बनी है कि बाबा साहब केवल दलितों के नेता थे या उन्होंने केवल दलित उत्थान के लिये कार्य किया परन्तु यह आंशिक सत्य हैं। निःसंदेह बाबा साहब दलितों के उत्थान व उन्हें बराबरी दिलाने के लिये एक सतत संघर्षशील सेना नायक थे परन्तु उन्होंने समूचे समाज को बराबरी का तथा प्रगतिशील व मानवीय समाज बनाने के लिये अपना जीवन लगा दिया। उन्हें केवल दलितों का नेता या मसीहा कहा जाना उन्हें जाति के अंदर सिकोड़ना होगा। बाबा साहब जिन्हें आमतौर पर संविधान निर्माता या संविधान शिल्पी कहते है, अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये संविधान की सीमाओं को बेहतर जानते थे। इसीलिये उन्होंने संविधान पारित होने के तत्काल बाद विधि मंत्री के नाते अपने प्रथम साक्षात्कार में कहा था कि "आज हम अंतर्विरोध के एक नये युग में प्रवेश कर रहे हैं जिसमें राजनैतिक समानता तो होगी यानी एक व्यक्ति - एक वोट परन्तु आर्थिक व सामाजिक समानता नहीं होगी।" बाबा साहब ने संविधान की जिन सीमाओं को उसके पारित होने के कुछ ही दिनों बाद पहचाना था, आज देश उन संवैधानिक समस्याओं से रुबरु हो रहा है। पिछले कुछ वर्षो से देश की सर्वोच्च न्यायपालिका व विधायिका तथा सत्ता के टकराव के जो मामले सामने आ रहे है, वे इसी का घोतक है । संविधान का मूल खंड भी अपने लक्ष्यों में लगभग असफल जैसा किया जा रहा है ऐसा लगता है।

बाबा साहब यह जानते थे कि परिवर्तनशीलता का गुण विकास के लिये जरुरी है। उन्होंने इसीलिये'इमर्सन को उद्वत करते हुये कहा था कि स्थिरता गधे का गुण है। उन्होंने अपने विचारों में भी समय-समय पर बड़े परिवर्तन किये जो उनके अनुभवों पर आधारित थे।

बाबा साहब में भारतीयता गहरे तक थी । उनके दो ही लक्ष्य थे एक भारत महान बने और दूसरा "सामाजिक अन्याय समाप्त हो" । जो लोग उन पर यह आरोप करते है कि वे भारत की आजादी के पक्ष में नही थे, वे उनका गलत विश्लेषण करते है। वे भारत को आजाद देखना चाहते थे परन्तु उसके पूर्व या साथ में अपनी दलित कौम की भी आजादी चाहते थे। उनके मन में यह संशय अवश्य रहता था जो कि स्वाभाविक भी था कि कहीं ऐसा न हो कि देश तो आजाद हो जाये परन्तु देश की अनुसूचित जातियॉ ,उच्च जातियों की गुलाम बनी रह जायें। इसीलिये उन्होंने 1938 में बंबई विधानसभा में कहा था कि ₹मुझे अकसर गलत समझा जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिये कि मैं अपने देश से प्यार करता हूँ लेकिन मैं इस देश के लोगों को यह बात भी साफ-साफ बता देना चाहता हूँ कि मेरी एक और निष्ठा है जिसके लिये मै प्रतिबद्व हूँ । यह निष्ठा है अस्पृश्य समुदाय के प्रति जिसमें मैने जन्म लिया है और मैं इस सदन में पूरे जोर-शोर से कहना चाहता हूँ कि जब कभी देश हित और स्पृश्यों के हित के बीच टकराव होगा तो मैं अस्पृश्यों के हितों को तरजीह दूँगा। पर अगर मेरे अपने हित और देश हित के साथ टकराव होगा तो मैं देश हित को तरजीह दूँगा।" बाबा साहब के मन में भारतीय राष्ट्रवाद बहुत स्पष्ट था । वे भाषावार प्रांतो के विरोध में थे क्योंकि वे महसूस करते थे कि भाषावार प्रांत आगे जाकर किसी दिन क्षेत्रवाद व देश के विभाजन के कारण बन सकते हैं। उनके ही शब्दों में भाषावार प्रांतो में छोटे-छोटे समुदायों अर्थात अल्पसंख्यक जातियों का क्या भविष्य है? क्या ये विधायिका में चुने जाने की आशा रखें ? क्या उन्हें राज्य सेवा में कोई पद मिलने की आशा है ? उनकी आर्थिक उन्नति के लिये क्या कोई ध्यान देने वाला हैं ? इन परिस्थितियों में भाषायी प्रांत के गठन का अर्थ होगा स्वराज को किसी एक बहुसंख्यक समुदाय के हाथों सौप देना । जो लोग समस्या के इस पहलू को नहीं समझते या समझना नहीं चाहते वे इसे तभी भली भांति समझेंगे जब हम भाषायी राज्य जैसे शब्द का प्रयोग न कर जाट राज्य, रेड्डी राज्य या मराठा राज्य कहेंगे । जो ऐसे समेकन या एकीकरण की मांग करते है उनसे पूँछा जाना चाहिऐ कि क्या वे अन्य राज्यों के साथ युद्व करने जा रहे है ? यदि समेकन से पृथकता का भाव पुष्ट होता है तो आगे चलकर हमारा भारत ठीक उसी स्थिति में पहुँच जायेगा जैसी स्थिति इस देश की मौर्य साम्राज्य के पतन या बिखराव के बाद हुई थी। क्या भाग्य हमें उसी और धकेल रहा है। भाषावार राज्यों के गठन के बारे में जो चेतावनी बाबा साहब ने 1938 में दी थी वह आज स्पष्ट नजर आती है। भाषावाद राज्यों के गठन से भाषावाद की कट्टरता व क्षेत्रीयता बढ़ी है तथा राष्ट्रीय एकता कमजोर हुई है। जब शिवसेना पर भी असर हुआ है, कहते थे कि "आमची मुंबई मराठी मुंबई या अन्य प्रांतो के निवासियों को हेय दृष्टि से "भैया माणुस" कहकर अपमानित करते है या फिर अन्य राज्यों के निवासियों के साथ दंगे फसाद कर उन्हें भगाने का प्रयास करते है तो बाबा साहब की 75वर्ष पूर्व दी गई चेतावनी याद आ जाती है। आज ये राष्ट्रीय हितों के बजाय क्षेत्रीय हितों के पर्याय बन रहे है। आजादी के 66वर्ष के बाद भी कर्नाटक व तमिनाडू के बीच कावेरी जल विवाद नहीं सुलझ पाया । पंजाब तथा हरियाणा के बीच सतलज, यमुना, जल विवाद नहीं निपट पाया। क्षेत्रीय भाषा प्रेम या मातृभाषा ,प्रेम,भाषावाद में संकुचित हो रहा है जिसके परिणाम स्वरुप राष्ट्रभाषा का फैलाव भी रुक गया है। आज तमिलनाडू , पंजाब, बंगाल, केरल, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक उड़ीसा में कंमशः तमिल, गुरुमुखी बंगाली ,मलयाली, तेलगू, कन्नड़ या उड़िया के साथ अंग्रेजी होती है न कि हिन्दी या हिन्दूस्तानी। हिन्दी के विरोध में क्षेत्रीय राजनैतिक शाक्तियाँ दंगे कराने को तत्पर रहती है परन्तु अंग्रेजी पर उन्हें कोई गुस्सा नहीं आता। अगर राज्य केवल एक ही भाषा व पंरपराओं के लोगो का बंद किला बन जायेगा तो भारत राष्ट्र कहाँ व कब तक टिकेगो,क्या मजबूत बनोगे? यह जो प्रश्न बाबा साहब ने खड़ा किया था अब आज और ज्यादा प्रांसगिक हो गया है। उनके मन में अपना राष्ट्र प्रेम कितना गहरा था इसका प्रमाण उनके इस कथन से मिल जाता है मुझे अच्छा नहीं लगता जब कुछ लोग कहते है हम पहले भारतीय हैं बाद में हिन्दू या मुसलमान, मुझे यह स्वीकार नही है। धर्म ,संस्कृति, भाषा आदि की प्रतिस्पर्धा निष्ठा के साथ रहते हुये भारतीयता के प्रतिनिष्ठा नहीं पनप सकती। मैं चाहता हूँ कि लोग पहले भी भारतीय हों और अंत तक भारतीय रहे, भारतीय के अलावा कुछ नहीं । आज कितने राष्ट्रवादी यह कह सकते हैं, चाहे वे किसी भी मजहब के क्यों न हों पहले भी भारतीय हैं तथा बाद में भी भारतीय हैं । बाबा साहब मानते थे कि राज्य तभी लोकतांत्रिक हो सकता है जब समाज भी लोकतांत्रिक हो। आज हमारा समाज मानस अलोकतांत्रिक है।

शरद पवार – मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व फडणवीस के बीच कुछ तो चल रहा है ?

अशोक भाटिया

यह कहावत एक दम सही है कि राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता । ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र की राजनीति में भी हो रहा हैं । कब कौन किसके पाले में चला जाय, कहा नहीं जा सकता । अजित पवार व फडणवीस के बीच बहुत कुछ चला पर बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी , कांग्रेस व शिवसेना की सरकार बनाने के बाद चर्चाओं का दौर बंद हो गया । अचानक ढाई साल बाद शिंदे गुट की शिवसेना व भाजपा की सरकार बनने के बाद फिर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र में उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शिंदे पुणे में वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट (वीएसआई) की 46वीं वार्षिक आम बैठक में बोल रहे थे जहां पवार ने उनके साथ मंच साझा किया। पवार वीएसआई के अध्यक्ष हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवार राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर एक अनुभवी नेता हैं। सहकारी क्षेत्र में उनका योगदान बहुत बड़ा है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोगों के हित में और राज्य के कल्याण के लिए, जो भी सत्ता में है, पवार मार्गदर्शन और सुझावों के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। शिंदे ने कहा कि वे अक्सर मुझे टेलीफोन पर सुझाव देने और सलाह देने के लिए बुलाते हैं।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके महत्व को समझते हुए केंद्र ने इस क्षेत्र के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में सहकारी क्षेत्र को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया है। शिंदे ने संकट के समय भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का पालन करने और न केवल लाभ या हानि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सहकारी क्षेत्र की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सहकारिता क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में कुल 2.5 लाख हेक्टेयर को सिंचाई के तहत लाया जाएगा।

इस मौके पर पवार ने कहा कि चीनी कारखानों को मजबूत करने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए चीनी के अलावा अन्य उत्पादों के उत्पादन पर ध्यान देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वे महसूस करते हैं कि अतिरिक्त चीनी का उपयोग इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जाना चाहिए। उस समय कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक निवेशकों को अच्छा बुनियादी ढांचा और सब्सिडी मुहैया कराएगी। उन्होंने कहा कि दावोस में निवेशकों ने भारत और महाराष्ट्र में रुचि दिखाई। उन्हें विश्वास है कि हम निवेशकों के अनुकूल हैं क्योंकि निवेश की बहुत गुंजाइश है। शिंदे ने यह भी कहा कि वे आलोचकों को अपने काम से जवाब देंगे। शरद पवार के बारे में उन्होंने कहा कि जब एनसीपी प्रमुख केंद्रीय कृषि मंत्री थे, तो उन्होंने इस क्षेत्र में कई सुधार किए और सहकारी क्षेत्र में उनका योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा कि मैंने वही बोला जो सच था।

अब इस बुधवार को महाराष्ट्र में विपक्ष के नेता अजित पवार ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। तीनों के बीच करीब एक घंटे तक चर्चा हुई। तीनों की इस मुलाकात से महाराष्ट्र की राजनीति में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। हालांकि, तीनों नेताओं के बीच यह बैठक राज्य में पिछले दिनों हुई बेमौसम बरसात और ओलावृष्टि पर चर्चा करने के लिए हुई। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक के बाद महाराष्ट्र सरकार किसानों के लिए जल्द राहत पैकेज की घोषणा कर सकती है।

बता दें कि, इससे पहले अजित पवार ने मुख्यमंत्री शिंदे को पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने बेमौसम बारिश के लिए मुआवजे की मांग की थी। भले ही यह मुलाकात किसानों के मुद्दे पर हुई हो, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस बैठक की चर्चा जोरों पर है। मुख्यमंत्री को लिखी चिट्ठी में अजित पवार ने मांग की थी कि किसानों को फसल ऋण देने के लिए सिबिल की जो शर्त है उसे रद्द करने के संबंध में केंद्र सरकार से बात कर बैंकों के लिए एक स्पष्ट सर्कुल तैयार किया जाना चाहिए।इसके अलावा उन्होंने सरकार से पूर्वी विदर्भ में टसर रेशम के उत्पादन को बचाने के लिए वन अधिकारियों और टसर उत्पादन करने वाले किसानों के बीच समन्वय स्थापित करने का युद्ध स्तर पर प्रयास करने की भी मांग की थी ताकि इस व्यवसाय को सुरक्षित रखा जा सके।बैठक से पहले एमसीपी और शरद पवार की आलोचना करने वाले कांग्रेस नेताओं के बारे में पूछे जाने पर अजित पवार ने कहा था कि एमवीए के सहयोगियों को अपने मतभेदों को आपस में सुलझाना चाहिए और मीडिया में इसको लेकर बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि वह 16 अप्रैल को नागपुर में एक रैली में इस मुद्दे पर बोलेंगे।

गौरतलब है कि शिवसेना (शिंदे गुट) के 16 विधायकों की विधानसभा सदस्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला किसी भी दिन आ सकता है। अगर सुप्रीम कोर्ट 16 विधायकों को अपात्र घोषित कर देता है, शिंदे-फडणवीस सरकार संकट में आ जाएगी। ऐसे में सरकार बचाने की रोज नई अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में शरद पवार का सावरकर, अडाणी जैसे मुद्दों पर भाजपा के सुर में सुर मिलाना और अजित पवार का फडणवीस-शिंदे से मेल मुलाकातों से राज्य की राजनीति का पारा इन दिनों गरमाया हुआ है। खबरें आ रही हैं कि उद्धव की शिवसेना को तोड़ने के बाद भाजपा एनसीपी को तोड़ने के लिए अजित पवार पर डोरे डाल रही है। इसीलिए गुरुवार को अजित पवार की फडणवीस-शिंदे से मिलना चर्चा का विषय बना रहा ।

सवाल यह उठता है कि शिंदे- फडणवीस से क्यों बार – बार मिल रहे है अजित पवार ? बताया जाता है कि सह्याद्रि गेस्ट हाउस में हुई यह मुलाकात करीब 50 मिनट तक चली। महाराष्ट्र में इन बीजेपी-एनसीपी के बीच नजदीकी का आभास दिलाने वाली राजनीतिक हलचल के बीच अजित पवार की फडणवीस और शिंदे के साथ इस मुलाकात के टाइमिंग को लेकर दिन भर चर्चाओं का बाजार गरम रहा। चर्चाओं का बाजार इसलिए गरम रहा, क्योंकि यह मुलाकात मंगलवार की रात उद्धव ठाकरे और शरद पवार की डेढ़ घंटे चली मुलाकात के बाद हुई। वहीं, अजित पवार-शिंदे-फडणवीस की मुलाकात के पहले यह खबर भी जोरों से उड़ी कि जरंडेश्वर सहकारी शक्कर कारखाने में कथित घोटले में अजित पवार और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को क्लीन चिट मिल गई है, क्योंकि आरोप पत्र में अजित पवार और सुनेत्रा पवार दोनों के नाम नहीं होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि इन चर्चाओं से पैदा हो रही अटकलों को खुद अजित पवार ने सिरे से खारिज कर दिया। अजित पवार ने कहा कि उन्हें कोई क्लीन चिट नहीं मिली है और उन पर जो आरोप लगे हैं, उनकी जांच अभी जारी है। उन्होंने इस बारे में चल रही खबरों को तथ्यहीन बताया। अजित पवार ने दूसरी चौंकाने वाली बात यह कही कि शरद पवार और उद्धव ठाकरे के बीच हुई मुलाकात में किस विषय पर चर्चा हुई, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ इतना पता है कि उद्धव ठाकरे शरद पवार से मिले हैं। दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से मुलाकात नहीं हुई थी।

सोलहवें वित्त आयोग के गठन की तैयारी

केंद्र सरकार देश के बजट की योजना बनाने में मदद के लिए एक नए वित्त आयोग पर काम कर रही है। पिछले 15वें वित्त आयोग ने 9 नवंबर, 2020 को वित्त वर्ष 2021-22 से लेकर 2025-26 तक की अवधि के लिए अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसकी अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त होगी। लेकिन सरकार 1 अप्रैल, 2026 से अगले पांच वर्ष तक की अवधि में करों के बंटवारे से जुड़े प्रावधान तय करने के लिए 16वें वित्त आयोग का गठन करने की कवायद शुरू कर चुकी है। यह आयोग 1 अप्रैल, 2026 से अगले पांच वर्ष के लिए केंद्र एवं राज्यों के बीच करों के बंटवारे के अनुपात पर सिफारिश करेगी।इस आयोग के सदस्यों एवं उसके क्रियाकलाप के प्रावधानों को तय करने का काम चल रहा है।वित्त आयोग केंद्र एवं राज्यों के वित्तीय संबंधों के बारे में अनुशंसा करने वाली एक संवैधानिक संस्था है। संविधान के अनुछेद 280 के तहत गठित की जाने वाली वित्त आयोगराजकोषीय संघवाद की धुरी है। इसका मुख्य दायित्व संघ व राज्यों की वित्तीय स्थितियों का मूल्यांकन करना, उनके बीच करों के बटवारे की संस्तुति करना तथा राज्यों के बीच इन करों के वितरण हेतु सिद्धांतो का निर्धारण करना है।इसकी कर विभाजन संबंधी सिफारिशें पांच वर्ष की अवधि के लिए लागू रहती हैं। 9 नवंबर, 2020 को वित्त वर्ष 2021-22 से लेकर 2025-26 तक की अवधि के लिए पूर्व नौकरशाह एन के सिंह की अध्यक्षता वाले पिछले 15वें वित्त आयोग ने कर अंतरण अनुपात को 42 प्रतिशत पर रखने की सिफारिश की थी। केंद्र सरकार ने इस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था और निर्धारित अवधि में वह राज्य सरकारों को अपने विभाज्य कर पूल से 42 प्रतिशत हिस्सा दे रही है। 15वेंवित्त आयोग ने राजकोषीय घाटे को काबू में करने, केंद्र एवं राज्यों के कर्ज की स्थिति और अतिरिक्त उधारियों के बारे में सिफारिशें दी थीं।इसकी अनुशंसा के अनुरूप सरकार ने राजकोषीय घाटे को वर्ष 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा है।

उल्लेखनीय है कि वित्त आयोग का गठन मुख्य रूप से संघ और राज्यों के बीच और स्वयं राज्यों के बीच कर राजस्व के वितरण पर अपनी सिफारिशें देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत किया जाता है।आयोग के कार्यों की दो विशिष्ट विशेषताओं में क्रमशः केंद्र और राज्यों की कराधान शक्तियों और व्यय जिम्मेदारियों के बीच ऊर्ध्वाधर असंतुलन को कम करना और पूरे राज्यों में सभी सार्वजनिक सेवाओं का समानकरण करना शामिल है। राष्ट्रपति के लिए सिफारिशें करना वित्त आयोग का कर्तव्य है।इसके अन्य कार्यों में करों की निवल आय का संघ और राज्यों के बीच वितरण, जो हो, या हो सकता है, उनके बीच और इस तरह के आय के संबंधित शेयरों का राज्यों के बीच आवंटन, वे सिद्धांत जिन्हें भारत के समेकित कोष से राज्यों के राजस्व के अनुदान में सहायता करनी चाहिए, राज्य के वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर राज्य में पंचायतों और नगर पालिकाओं के संसाधनों के पूरक के लिए एक राज्य की समेकित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय, ध्वनि वित्त के हितों में राष्ट्रपति द्वारा आयोग को संदर्भित कोई अन्य मामला शामिल हैं।आयोग अपनी प्रक्रिया निर्धारित करता है और उनके कार्यों के प्रदर्शन में उनके ऐसे शक्तियां प्राप्त होती हैं, जैसा कि संसद उन पर कानून द्वारा लागू कर सकती है।वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत किया जाता है। वित्त आयोग (विविध प्रावधान) अधिनियम, 1951 और वित्त आयोग (वेतन और भत्ते) नियम, 1951, में निहित प्रावधानों के अनुसार आयोग के अध्यक्ष को उन लोगों में से चुना जाता है, जिन्हें सार्वजनिक मामलों में अनुभव है, और चार अन्य सदस्यों को उन व्यक्तियों में से चुना जाता है जो, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त है या होने के योग्य हैं, यासरकार के वित्त और खातों का विशेष ज्ञान है,यावित्तीय मामलों में और प्रशासन में व्यापक अनुभव रहा है,या अर्थशास्त्र का विशेष ज्ञान है। वित्त आयोग की सिफारिशें राष्ट्रपति के एक आदेश द्वारा लागू किया जाता है। केंद्रीय कर और शुल्क तथा अनुदान सहायता वितरण से संबंधित सिफारिशें इस श्रेणी में आती हैं। जिन्हें कार्यकारी आदेशों द्वारा लागू किया जाना है। वित्त आयोग द्वारा इसके संदर्भ की शर्तों के अनुसार अन्य सिफारिशें की जानी हैं। प्रथम वित्त आयोग का गठन श्री के.सी. नियोगी की अध्यक्षता में दिनांक 22 नवंबर1951 के राष्ट्रपति आदेश के आधार पर 6 अप्रैल 1952 किया गया था। हर पांच वर्ष के अंतराल पर अब तक पंद्रह वित्त आयोग का गठन किया जा चुका है। और 16वें की चल रही है।भारतीय संघीय प्रणाली केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति और जिम्मेदारियों के विभाजन की अनुमति देती है। इसके विपरीतकराधान की शक्तियां भी व्यापक रूप से केंद्र और राज्यों के बीच विभाजित हैं। राज्य विधानसभाएं अपनी कराधान शक्तियों में से कुछ को स्थानीय निकायों को सौंप सकती हैं।केंद्रीय करों में हिस्सेदारी एक फार्मूले के आधार पर राज्यों के बीच वितरित की जाती है।

-अशोक "प्रवृद्ध"

प्रदूषण की माया

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

प्रदूषण की माया ने आसमान के तारों को रंग-बिरंगे कागजों में झिलमिलाने के लिए मजबूर कर दिया है। एक समय था जब आंगन के डार पर टंगी सादी साड़ी के इस पार से उस पार के तारों को देखने पर ऐसा लगता मानो किसी ने आकर साड़ी पर सितारे टांक दिए हैं। जब जिंदगी खुद धुआँ-धुआँ सा लगने लगे तब आसमान के तारों की बात करना बेईमानी होती है। पहले देशभक्ति रगों में दौड़ती थी। अब खादी के कपड़ों और चौराहे से खरीदे प्लास्टिक के झंडों में सिमटी बैठी है। था एक समय जब मतवालों की तरह जयहिंद-वंदेमातरम-इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाते हुए निकल पड़ते थे किला फतेह करने। अब गालों पर तिरंगा रंग लगाए, चंद नाखून और बाल कटवाकर खूद को देश के लिए होम होने वाला बड़ा देशभक्त घोषित कर लेते हैं। गलों के पावन मंदिर से निकलने वाले देशभक्ति गीतों के स्थान पर बेतूके गानों की धूम मची है। न स्वतंत्रता दिवस का ज्ञान न गणतंत्र का। बस इतना पता है कि दोनों दिन झंडा फहराते हैं और छुट्टी होती है। न जाने हमारे देश में कैलेंडर कौन बनाता है जो इन दिवसों को राष्ट्रीय पर्व के रूप में दिखाता है। वह तो भला हो हमारी नवपीढ़ी का जो उसे सुधारकर छुट्टी के रूप में मनाने का कोई अवसर नहीं गंवाते। यादों की दुनिया में विचरना भ्रम ही तो है। रुपए-पैसे और नाम कमाने के खेल में हम इतने रम गए कि खुद के आगे देश को बौना समझने लगे। देश को मिट्टी का टुकड़ा समझकर खुद को बेशकीमती समझने लगे। अपनी कल्पनाओं की दुनिया में विचरते हुए ऐंठन में कॉलर का उठाना, जात-पात, धर्म के नारे लगाने वाले शायद यही कुछ जमापूँजी के रूप में बचा रहे हैं। वालपोस्टरों में चेहरे दिख जाने से पेट थोड़े न भरेंगे। भूख बनाम देशभक्ति के खेल में हम किस तरफ हैं, इसका निर्णय समय रहते लेना होंगा। संकीर्ण खिड़कियों से झाँकना बंद करना होगा। लाखों सूर्य की रोशनी के लिए अपने भीतर के दरवाजें खोलने होंगे। तभी शायद हम इंसान कहलाने लायक बनेंगे।

जिनके नाम पर पड़ा मुंबई नाम कीजिए माता मुंबा देवी के दर्शन

वैष्णों देवी मंदिर (जम्मू) में देवी के इस त्रिविध रूप के दर्शन होते ही हैं, लेकिन इसके अलावा ऐसे कई मंदिर हैं, जहां माता अम्बा को उनकी महाशक्तियों के रूप में पूजा जाता है।

देवी महालक्ष्मी का है स्वरूप

इन्हीं में सबसे प्रमुख देवी मंदिर है, माता मुंबा का मंदिर, जो महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में स्थित है। समुद्र किनारे स्थित देवी के परमधाम में भक्तों की बड़ी आस्था है। माना जाता है कि मुंबा देवी समुद्र से नगरी की रक्षा करती हैं। वह समुद्र सुता के रूप में पूजित हैं। समुद्र पुत्री देवी लक्ष्मी हैं, इसलिए माता का मुंबा स्वरूप देवी लक्ष्मी के तौर पर पूजा जाता है।

ऐसे बना है मुंबई नाम

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में कई ऐतिहासिक व दर्शनीय पर्यटन स्थल हैं, जिनमें से एक मुंबा देवी मंदिर का प्रमुख स्थान है। मुंबा देवी और मंदिर की महिमा अपरंपार बताई गई है। मुंबई नाम ही मराठी के शब्द- 'मुंबा' 'आई' यानी मुंबा माता के नाम से निकला है।

मुंबा देवी को समर्पित मंदिर चौपाटी की रेतीले तटों के निकट बाबुलनाथ में स्थित है। मुंबा देवी मंदिर का गौरवशाली इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है।

मछुआरे करते थे पूजा

पूरे महाराष्ट्र में इस मंदिर की बहुत मान्यता है। इतिहास से हमें जानकारी मिलती है कि मुंबई आरंभ में मछुआरों की बस्ती थी। इन लोगों को यहां कोली कहा जाता था। कोली लोगों ने बोरीबंदर में तब मुंबा देवी के मंदिर की स्थापना की। कहा जाता है कि इन देवी की कृपा से मछुआरों को कभी समुद्र ने नुकसान नहीं पहुंचाया।

हर दिन बदलता है वाहन

मंदिर में मुंबादेवी का वाहन प्रतिदिन बदला जाता है। हर दिन देवी का वाहन अलग होता है। सोमवार को नंदी, मंगलवार को हाथी, बुधवार को मुर्गा, गुरूवार को गरुड़, शुक्रवार को हंस, शनिवार को हाथी, रविवार को सिंह वाहनों पर मां की प्रतिभा सुशोभित होती है।

ये सभी वाहन चांदी के बने हैं। मुंबा देवी मंदिर में रोज़ 6 बार आरती की जाती है। यहां मंगलवार को खासतौर पर भक्तों की भीड़ होती है। यहां मन्नत मांगने के लिए लकड़ी पर सिक्कों को कीलों से ठोका जाता है।

इन्होंने दान की थी जमीन

यह मंदिर अपने मूल रूप में उस जगह बना था, जहां आज विक्टोरिया टर्मिनस बिल्डिंग है। इसका निर्माण साल 1737 में हुआ था। बाद में अंग्रेजों के शासन के दौरान मंदिर को मैरीन लाइन्स-पूर्व क्षेत्र में बाजार के बीच में स्थापित किया। उस मंदिर के तीन ओर एक बड़ा तालाब था, जो अब पाट कर बराबर कर दिया गया है। इस मंदिर की भूमि पांडु सेठ ने दान की थी। शुरू में मंदिर की देखरेख भी उन्हीं का परिवार करता था।

वैशाख के महीने में करें राशि अनुसार मंत्र का जाप, चमक उठेगी किस्मत

7 अप्रैल से हिंदू कैलेंडर का दूसरा माह वैशाख आरम्भ हो चुका है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, इसके चलते का नारायण का पूजन शुभ फल प्रदान करता है। तो आइए आपको बताते हैं इस के चलते किए मंत्र और उपाय साथ ही आपको बताएंगे राशि अनुसार आपको किस मंत्र का जाप करना चाहिए।

ध्यान मंत्र-

ॐ विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः।
भूतकृभ्दूतभृभ्दावों भूतात्मा भूतभावनः।।

वैशाख में पूरे माह शालिग्राम, चांदी के बिल्वपत्र, चांदी की तुलसी,

राशिनुसार इन मंत्र का जाप करना चाहिएः-

मेष : 'ॐ नारायणाय नमः'
वृषभ : 'ॐ षट्कारो नमः'
मिथुन : 'ॐ मित्राय नमः'
कर्क : 'ॐ हरिहर नमः'
सिंह : 'ॐ परमात्मने नमः'
कन्या : 'ॐ विश्वं नमः'
तुला : 'ॐ विश्वरूपाय नमः'
वृश्चिक : 'ॐ मोक्षदाय नमः'
धनु : 'ॐ बलभाय नमः'
मकर : 'ॐ वामनदेवाय नमः'
कुंभ : 'ॐ अनंताय नमः'
मीन : 'ॐ भक्तवत्सलाय नमः'।

दक्षिणमुखी शंख और गोमती चक्र को लाल कपड़े में रखकर 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' का जप करें। इसे अतिरिक्त अपनी राशि अनुसार श्री नारायण का ध्यान करते हुए पूजन करें, सभी इच्छाएं पूरी होंगी।

पंचक को क्यों माना जाता है बुरा?

हिन्दू पंचांग अनुसार प्रत्येक माह में पांच ऐसे दिन आते हैं जिनका अलग ही महत्व होता है। इसे पंचक कहा जाता है।
मुजफ्फरनगर के ज्योतिष पंडित मुकेश भारद्वाज ने बताया कि प्रत्येक माह का पंचक अलग-अलग होता है। किसी माह में पंचक के दौरान शुभ कार्य नहीं किया जाता है, तो किसी माह में शुभ कार्य हो सकते हैं।
ज्योतिष पंडित मुकेश भारद्वाज के अनुसार, चन्द्र ग्रह का धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण और शतभिषा, पूर्वा भाद्रपद, उत्तरा भाद्रपद और रेवती नक्षत्र के चारों चरणों में भ्रमण काल पंचक कहलाता है। इस तरह चन्द्र ग्रह का कुम्भ और मीन राशि में भ्रमण पंचकों को जन्म देता है। अर्थात पंचक के अंतर्गत धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तरा भाद्रपद, पूर्वा भाद्रपद व रेवती नक्षत्र आते हैं। इन्हीं नक्षत्रों के मेल से बनने वाले विशेष योग को 'पंचक' कहा जाता है।

पंचक के नक्षत्रों का प्रभाव

'अग्नि-चौरभयम रोग राज पीड़ा क्षतिः।
संग्रह तृण-काष्ठानां कृते वस्वादि-पंचके।।'-मुहूर्त-चिंतामणि

अर्थात- पंचक में तिनकों और काष्ठों के संग्रह से अग्निभय, चोरभय, रोगभय, राजभय एवं धनहानि संभव है।
1. धनिष्ठा नक्षत्र में अग्नि का भय रहता है।
2. शतभिषा नक्षत्र में कलह होने की संभावना रहती है।
3. पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में रोग बढ़ने की संभावना रहती है।
4. उतरा भाद्रपद में धन के रूप में दंड होता है।
5. रेवती नक्षत्र में धन हानि की संभावना रहती है।

नहीं करते हैं ये काम

1. लकड़ी एकत्र करना या खरीदना।
2. मकान पर छत डलवाना।
3. शव जलाना।
4. पलंग या चारपाई बनवाना।
5. दक्षिण दिशा की ओर यात्रा करना।
6. अन्य कोई भी शुभ और मांगलिक कार्य।
7. मान्यतानुसार किसी नक्षत्र में किसी एक के जन्म से घर आदि में पांच बच्चों का जन्म और किसी एक व्यक्ति की मृत्यु होने पर पांच लोगों की मृत्यु होती है। पंचक में मरने वाले व्यक्ति की शांति के लिए गरुड़ पुराण में उपाय भी सुझाए गए हैं।

वैशाख में नारियल से जुड़े ये टोटके करने से खुश होंगे भगवान विष्णु-मां लक्ष्मी

नारियल से जुड़े कुछ आसान उपायों के जरिए वैशाख मास में आप भी भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त कर सकते हैं। नारियल में त्रिदेवों का वास माना जाता है। इसके अलावा माता लक्ष्मी को भी नारियल बेहद प्रिय है।

ऐसे दूर होगी धन संबंधित परेशानी

स्वामी कन्हैया महाराज के मुताबिक, यदि आप भी जीवन में मुश्किलों से परेशान हैं और धन संबंधित परेशानियां दूर नहीं हो रही है, तो शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र पहनकर आप भी मां लक्ष्मी की पूजा करें। पूजा के दौरान नारियल, सफेद कमल, दही और सफेद पेड़ा देवी को अर्पण करें। पूजन के बाद नारियल को लाल रंग के कपड़े में लपेटकर तिजोरी में रखने से धन संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।

कर्ज से मुक्ति से लिए लगाए नारियल का पौधा

स्वामी कन्हैया महाराज ने बताया कि नारियल माता लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। ऐसे में यदि वैशाख मास में आप अपने घर में नारियल का पौधा लगाएं, तो इससे भी देवी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जैसे जैसे ये पौधा बढ़ता है वैसे वैसे धन संकट दूर होते हैं।

नारियल काजल का उपाय

स्वामी कन्हैया महाराज के मुताबिक, नारियल आपके घर के नकरात्मक ऊर्जा को भी समाप्त कर सकता है। इसके लिए नारियल पर काजल का सात टीका लगाने के बाद उसे घर के सामने तीन बार घुमाकर गंगा या किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करते हैं, तो इससे नकरात्मक ऊर्जा समाप्त हो जाती है।

वैशाख के महीने में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के पूजन का विधान है। इस मास में स्नान,दान और पूजन के साथ कुछ अचूक उपायों के जरिए हर कोई भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद सहज ही प्राप्त कर सकता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, यदि किसी शख्स पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा हो जाए तो मनुष्य के धन संबंधित परेशानियों से साथ सारे कष्ट और कलेश भी दूर हो जाते हैं।

क्या मंगल दोष के कारण विवाह में आ रही है अड़चन?

सनातन धर्म के अनुसार ज्योतिष में मंगल ग्रह को ग्रहों का सेनापति कहा गया है। यह काफी उग्र ग्रह है, जोकि वृश्चिक और मेष राशि के स्वामी है। विवाह से पहले कुंडली में मंगल की स्थिति अवश्य देखनी चाहिए। अगर किसी कि कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम और द्वादश भाव में से किसी भी भाव में हो तो इसे मंगल दोष या मांगलिक दोष कहा जाता है। इसके अलावा मांगलिक दोष को तीन लग्न के चंद्र लग्न, सूर्य लग्न और शुक्र से भी देखते हैं। ऐसे लोग फिर चाहे वह लड़का हो या लड़की विवाह से पहले मंगल दोष को दूर करने के उपाय जरूर कर लेने चाहिए। वरना वैवाहिक जीवन हमेशा परेशानियों से भरा रहता है।

मंगल दोष वाले लड़के या लड़की का विवाह किसी मंगल दोष वाले लड़के या लड़की के साथ किया जाना चाहिए। ज्योतिष के अनुसार कुछ लोगों की कुंडली में केवल 28 वर्ष तक ही मंगल दोष रहता है। वहीं, मेष, कर्क, वृश्चिक राशि वाले लोगों में भी मंगल दोष जीवनभर के लिए नहीं रहता है। यदि कुंडली में पूर्ण या आंशिक मंगल दोष है, तो विवाह से पहले कुछ ज्योतिष उपायों को जरूर कर लेना चाहिए। इन उपायों को करने से वैवाहिक जीवन में आने वाली परेशानियां कम होती है।

यह उपाय करने से मिलेगा फायदा

ज्योतिषाचार्य पंडित मनोज शुक्ला ने बताया कि हमारे ज्योतिष शास्त्र में मंगल का पांच स्थान पर रहने पर मांगलिक बताया जाता है। 1, 4, 7, 8 , 12, यह जो द्वादश भाव में पांच भाव होते हैं। यह मांगलिक की श्रेणी में लाते हैं। यदि कोई लड़का या लड़की इन पांचो स्थानों में मंगल से ग्रसित हो तो उसे मांगलिक कहते हैं, लेकिन लड़का और लड़की की कुंडली का मिलाप करते हैं। दोनों की कुंडली में ध्यान दिया जाता है कि किन्हीं के में मंगल है, तो उसका निवारण अन्य राहु केतु या शनि ग्रहों से हो रहा है या नहीं। यदि निवारण होता है तो उससे भी शादी की जा सकती है। लड़की मांगलिक है और लड़का मांगलिक नहीं है। दोनों के परिवार वाले शादी करने के लिए तैयार हैं तो ऐसी स्थिति में कुछ उपाय करने होते हैं।

युवतियां मांगलिक दोष का ऐसे करें निवारण

विवाह से पहले बरगद पेड़ या मंदार पेड़ के नीचे विष्णु विवाह होती है। इसमें कन्या की भगवान विष्णु के साथ विवाह किया जाता है। उस विवाह को करने के बाद में मांगलिक कन्या सामान्य लड़के से

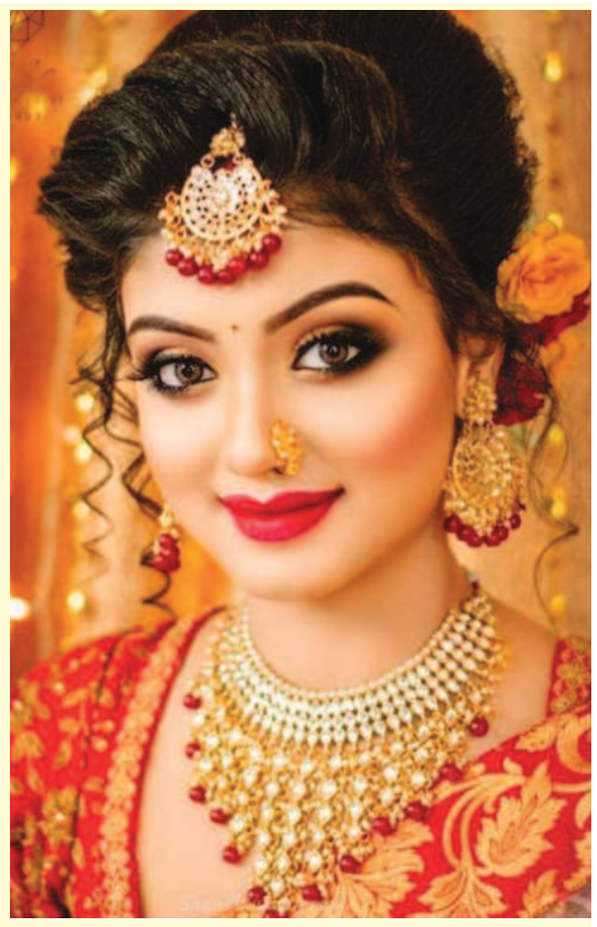

शादी कर सकती है।

युवाओं को मांगलिक दोष निवारण के यह उपाय करना चाहिए

अगर कोई लड़का मांगलिक है और लड़की सामान्य है। यदि ऐसे में दोनों के परिवार वाले शादी करना चाहते है, तो लड़के के मंगल की निवारण के लिए पूजा किसी बरगद पेड़ या मंदार पेड़ के नीचे घट विवाह करते हैं। एक घड़े को दुल्हन बनाकर विधि विधान के साथ शादी की जाती है।

बेटी की लव लाइफ से जुड़ी अफवाहों पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं श्वेता तिवारी ?

टीवी की दुनिया की रानी अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी खूब लाइमलाइट में रहती हैं। पलक अपने बॉलीवुड डेब्यू को बिल्कुल तैयार हैं। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उनकी बोहनी सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के जरिए हो रही है। पलक की अभिनय काबिलियत का पता तो फिल्म की रिलीज के बाद ही लग पाएगा, मगर वह अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर खूब चर्चा में रहती हैं। आए दिन पलक के अफेयर की खबरें मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। इन पर श्वेता की क्या प्रतिक्रिया होती है, इस बारे में हाल ही में पलक ने खुलासा किया है।

बीते दिनों एक भव्य इवेंट में फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का ट्रेलर लॉन्च हुआ। ट्रेलर लॉन्च के बाद ट्रेलर से ज्यादा चर्चा पलक तिवारी की लव लाइफ की होने लगी। दरअसल, खुद सलमान खान ने इशारों-इशारों में कुछ ऐसी बात कह दी थी, जिसके बाद लोग पलक और राघव जुयाल के अफेयर के कयास लगाने लगे। सलमान ने कहा था, 'सेट पर दो लोग की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, लेकिन वे कदम आगे नहीं बढ़ा रहे हैं।'

हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान जब पलक से पूछा गया कि आए दिन वायरल होती आपकी डेटिंग की खबरों पर श्वेता तिवारी क्या प्रतिक्रिया देती हैं, तो उन्होंने कहा कि इन अफवाहों की वजह से उनकी मां उन्हें प्लेयर समझने लगी हैं।'

पलक ने आगे बताया, 'मेरी मां को लगता है कि मैं बहुत आउटगोइंग लड़की बन गई हूं। जैसे ही मेरे अफेयर से जुड़ी खबरें आती हैं, मेरी मां मुझे एक-एक मैसेज फॉर्वर्ड करती हैं। वह पूछती हैं कि अब ये कौन है? अब ये कहां से आया?' मैं कहती हूं, 'नहीं ये भी नहीं है।'

पलक से पूछा गया कि सलमान खान ने आपकी लव लाइफ पर कमेंट किया है? इस पर पलक ने कहा, 'मैं भी लव लाइफ के बारे में जानना चाहती हूं। आजकल मैं सभी की काल्पनिक गर्लफ्रेंड हो गई हूं। मेरे सात बॉयफ्रेंड हैं। पढ़कर लगता है कि अरे आप तो प्लेयर हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है।'

नागा चैतन्य की फिल्म 'तड़ाका' ने दी हिम्मत : पुलिस कॉन्स्टेबल

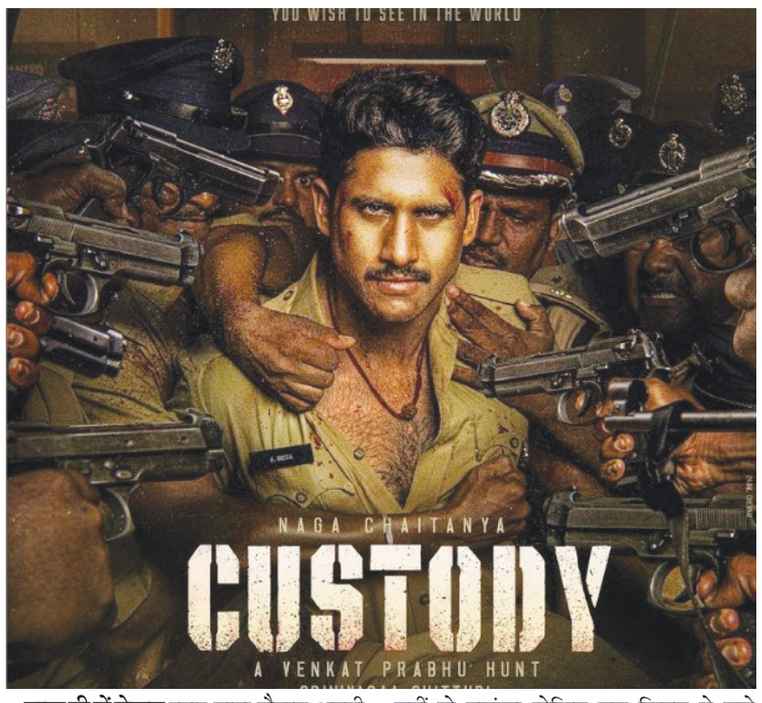

हाल ही में तेलुगु स्टार नागा चैतन्य अपनी अपकमिंग फिल्म कस्टडी के प्रमोशन के लिए हैदराबाद में पुलिस ऑफिसर्स से मिले। इस फिल्म में नागा चैतन्य पुलिस कॉन्स्टेबल के रोल में नजर आएंगे। इस दौरान उन्होंने पुलिस कॉन्स्टेबल की जिंदगी में आने वाली मुश्किलों और प्रेशर पर बात की। एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने नागा को ये भी बताया कि जब उनके दिमाग में सीरियस चोट आई थी, तब कैसे उनकी फिल्म तड़ाका ने जल्दी ठीक होने में उनकी मदद की थी।

तड़ाका फिल्म के क्लाइमैक्स ने दी ठीक होने की हिम्मत

पुलिस कॉन्स्टेबल ने बताया- मुझे तड़ाका बहुत पसंद आई थी। इस फिल्म में सुनील एक पुलिस ऑफिसर हैं जिन्हें अपने पिता की जॉब मिल जाती है। फिल्म के विलेन सुनील को काफी चैलेंज करते हैं, उसे बुरी तरह पीटते हैं। इतने चैलेंज फेस करने के बाद सुनील बिल्कुल निडर हो जाते हैं। मुझे फिल्म का ये पार्ट बहुत पसंद आया क्योंकि उस समय बाइक से मेरा एक्सीडेंट हुआ था।

यहां आज आपकी वजह से खड़ा हूं- पुलिस कॉन्स्टेबल

इस वजह से मेरे दिमाग में ब्लड क्लॉट हो गया था और मैं कुछ भी बोल नहीं सकता था। मेरे मुंह से आवाज निकलना तक बंद हो गई थी। मुझे लगता था अमीन कभी ठीक नहीं हो पाऊंगा लेकिन उस फिल्म ने मुझे काफी हिम्मत दी। फिल्म देखने के बाद मुझे ताकत मिली। अब मैं बोल पाता हूं और थोड़ा-बहुत दौड़ भी लेता हूं। आज मैं अगर यहां खड़ा हूं तो सिर्फ आपकी वजह से।

कस्टडी में कॉन्स्टेबल का रोल निभाने के लिए पुलिस-वालों ने की तारीफ

बातचीत के दौरान कॉन्स्टेबल ने फिल्म में उनके कॉन्स्टेबल के किरदार निभाने के फैसले की तारीफ की। रिपोर्ट्स के मुताबिक उस कॉन्स्टेबल को नागा चैतन्य का रोल इसलिए पसंद आया क्योंकि ज़्यादातर एक्टर्स हाई लेवल पुलिस ऑफिसर्स का किरदार निभाना पसंद करते हैं। इस पर चैतन्य ने जवाब दिया- मैं इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हूं। इस रोल के साथ कम ही फिल्मों ने एक्सपेरिमेंट किए हैं। कॉन्स्टेबल ट्रेनिंग के बाद ड्यूटी करने के लिए पूरी तरह तैयार होते हैं। इनके हाथ में हमारा फ्यूचर है। बातचीत के बाद एक कॉन्स्टेबल ने नागा चैतन्य को पुलिस की कठिन ट्रेनिंग ट्राई करने को कहा। चैतन्य ने ट्रेनिंग एक्सरसाइज भी आसानी से कर के दिखाई। चैतन्य ने बिना रुके करीब 30 पुश अप करके दिखाए। कस्टडी में नागा चैतन्य के साथ कीर्ति शेट्टी, अरविंद स्वामी, प्रियामणि, शरत कुमार और संपत राज भी दिखेंगे। फिल्म 12 मई को बिग स्क्रीन पर रिलीज होगी। ये फिल्म तमिल, हिंदी और कन्नड़ में भी रिलीज होगी।

जवान की शूटिंग के दौरान स्पॉट हुए शाहरुख खान मुंबई-वर्ली सी लिंक पर फराह, डायरेक्टर एटली के साथ दिखे, नयनतारा करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

हाल ही में शाहरुख खान को मुंबई के बांद्रा-वर्ली सी लिंक में उनकी अपकमिंग फिल्म 'जवान' की शूटिंग करते हुए दिखे। शूटिंग के दौरान शाहरुख खान, डायरेक्टर एटली और फराह खान भी नजर आए। नयनतारा 'जवान' के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'जवान' की क्रू ने मुंबई सी लिंक पर फिल्म के किसी गाने की शूटिंग की है।

इस दौरान शाहरुख खान वाइट पैंट और ब्लैक जैकेट में नजर आए। फराह 'जवान' के इस गाने की कोरियोग्राफी कर रही हैं। नयनतारा शूटिंग के सेट पर मौजूद नहीं थी। फराह खान ने सोशल मीडिया पर मुंबई-वर्ली सी लिंक पर सेट से अपनी एक फोटो शेयर की है।

मीडिया से बात करते हुए शाहरुख ने बताया था कि उन्हें नयनतारा के साथ काम करने में बहुत मजा आया। शाहरुख के मुताबिक नयनतारा कई भाषाएं जानती हैं। वहीं एक इंटरव्यू में नयनतारा ने कहा था कि वो बॉलीवुड डेब्यू इसलिए करना चाहती हैं क्योंकि इंडस्ट्री में एक चेंज आ रहा है। कई हिंदी फिल्में साउथ में बढ़िया कमाई कर रही हैं और साउथ की फिल्में हिंदी बोलने वाले एरिया में। इस पॉजिटिव चेंज ने ही उन्हें बॉलीवुड डेब्यू करना का कॉन्फिडेंस दिया है। 'जवान' में सुनील ग्रोवर और शाहरुख खान लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में नयनतारा, विजय सेतुपति, योगी बाबु, प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा भी नजर आएंगे। फिल्म रेड चिल्ली एंटरटेनमेंट के बैनर के अंडर प्रोड्यूस हो रही है।

पैन इंडिया रिलीज हो सकती है फिल्म

फिल्म के कई भाषाओं में पैन इंडिया रिलीज होने की संभावना है। 'जवान' के अलावा शाहरुख खान जल्द ही राजकुमार हिरानी की 'डंकी' में तापसी पन्नू के साथ भी नजर आएंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'टाइगर 3' में भी उनका कैमियो रोल है। ये एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है जो अक्टूबर में रिलीज हो सकती है।

वरुण धवन ने 'भेड़िया' की दूसरे पार्ट की घोषणा की

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भेड़िया' के दूसरे भाग की घोषणा की है। वरुण ने बुधवार को जियो स्टूडियोज इवेंट में यह घोषणा की। अभिनेता मंच पर आए, और फिल्म 'भेड़िया 2' के एक पोस्टर का अनावरण किया।

पिछले साल रिलीज हुई 'भेड़िया' के प्रमोशन के दौरान उन्हें भेड़िये की आवाज निकालते हुए भी देखा गया था। दूसरी किस्त के बारे में विवरण अभी गुप्त रखा गया है। वरुण धवन और कृति सैनन-स्टारर 'भेड़िया' अमर कौशिक द्वारा निर्देशित और दिनेश विजान द्वारा निर्मित थी। यह दिनेश विजान की हॉरर-कॉमेडी की तीसरी किस्त है।

फिल्म केडी की शूटिंग के दौरान हुए हादसे की खबर पर भड़के एक्टर, पोस्ट शेयर कर कही ये बात

एक्टर संजय दत्त ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक ट्वीट किया है और अपने स्वास्थ्य के बारे फैली अफवाहों की खबरों को खारिज कर दिया है। हाल ही में उनकी आगामी कन्नड़ फिल्म KD के सेट पर उनके घायल होने की अफवाहें ऑनलाइन सामने आईं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, अभिनेता ने कहा 'अफवाह।'

संजय दत्त ने अपने नए ट्वीट में लिखा है की, "मेरे चोटिल होने की खबरें आ रही हैं। मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मेरे चोट लगने की खबर झूठी है, इस पर ध्यान न दें। ईश्वर की कृपा से मैं ठीक और स्वस्थ हूं। मैं फिल्म 'केडी' की शूटिंग कर रहा हूं और मेरे एक्शन करते समय हर बात का धयान रखा जा रहा है। मेरे पोस्ट को पढ़ने के लिए और मेरी चिंता करने के लिए आप सभी का धन्यवाद।"

फैंस को मिली खुशखबरी

पोस्ट शेयर करने के तुरंत बाद, पहले से चिंतित प्रशंसकों को कुछ राहत मिली। उनमें से एक ने कमेंट सेक्शन में लिखा, सुरक्षित रहें बाबा, धिक्कार है ऐसे लोगों पर जो इस तरह की बकवास खबरें फैलाते हैं।"

संजय दत्त का नया अवतार

फिल्म KGF की सफलता के बाद संजय दत्त ध्रुव सरजा अभिनीत फिल्म 'केडी- द डेविल' में नजर आएंगे। फिल्म में संजय अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसका निर्देशन फिल्म निर्माता प्रेम ने किया है। फैंस को एक्टर संजय दत्त की फिल्म केडी का बेसब्री से इंतजार हैं, देखते है केजीएफ बाद अब संजय क्या कामल करने वाले हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, संजय ने एक कार्यक्रम में कहा था, मैंने केजीएफ में काम किया और अब मैं निर्देशक प्रेम के साथ 'केडी - द डेविल' में काम कर रहा हूं। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। वहीं संजय 'हेरा फेरी 3' में नजर आएंगे, जिसमें वह एक अंधे डॉन का रोल कर रहे हैं। इसमें वह अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, संजय दत्त के पास 'लियो' फिल्म भी है, जिसमें वह विजय थलापति के साथ काम कर रहे हैं।

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस उत्तरा बाओकर का निधन

नेशनल अवॉर्ड विनर और टेलीविजन एक्ट्रेस उत्तरा बाओकर का 79 साल की उम्र में निधन हो गया है। इस बात की जानकारी दिवंगत एक्ट्रेस के परिवार से जुड़े सूत्रों ने दी। परिवार के मुताबिक लंबी बीमारी के चलते उत्तरा ने मंगलवार को पुणे के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली और बुधवार को दिवंगत एक्ट्रेस का अंतिम संस्कार किया गया।

'एक दिन अचानक' के लिए उत्तरा को नेशनल अवॉर्ड मिला था

उत्तरा बाओकर ने मृणाल सेन की फिल्म'एक दिन अचानक' में एक प्रोफेसर की पत्नी का किरदार निभाया था। इस रोल में उन्हें काफी पसंद किया गया था। फिल्म में दमदार परफॉर्मेंस के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग रोल एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड भी मिला था। इसके अलावा उत्तरा ने तमस और रुक्मावती की हवेली में अहम किरदार निभाए थे, जिसके लिए उनकी खूब सराहना हुई। उत्तरा ने उड़ान, अंतराल, xजोन, रिश्ते, कोरा कागर, नजराना, जस्सी जैसी कोई नहीं, जब लव हुआ और कशमकश जिंदगी की जैसे टीवी शोज में काम किया। उन्होंने सरदारी बेगम, ठक्षक वास्तुपुरुष, डोर, आजा नचले, लेसन्स इन फॉरगेटिंग और संहिता जैसी फिल्मों में यादगार परफॉर्मेंस दी।

उत्तरा ने कभी शादी नहीं की, वो मानती थीं कि बतौर इंसान या एक्ट्रेस उन्हें कभी नहीं लगा कि उन्हें वैवाहिक जीवन जीने की जरूरत है।

NSD से ट्रेनिंग ली, आकाशवाणी की नाटक कलाकार रहीं

उत्तरा ने NSD में इब्राहिम अल्काजी के अंडर में ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने मारव जान जैसे नाटकों में बेहतरीन काम किया था, वो एक आकाशवाणी नाटक कलाकार भी थीं।

NSD में एक्टिंग की बारीकियों सीखने वाली उत्तरा ने प्रसिद्ध नाटक मुख्यमंत्री में पद्मावती, मीना गर्जरी में मीना, शेक्सपियर के ओथेलो में डेस्डेमोना और नाटककार गिरीश कर्नाड के नाटक तुगलक में मां का किरदार निभाया था। इसके अलावा उत्तरा ने अपने करियर में कई बेहतरीन नाटकों में भी काम किया।

उत्तरा आखिरी बार पर्दे पर एक्सिस तोपों की सलामी में नजर आईं थी, जिसमें उन्होंने एक नेता की मां का किरदार निभाया था। 1978 में उन्होंने कुसुम कुमारा के हिंदी अनुवाद में जयवंत दलवी के के नाटक संध्या छाया का डायरेक्शन भी किया। नाटक और अभिनय जगत में योगदान के लिए उत्तरा को 1984 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जियो स्टूडियो ने की 100 एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट्स की अनाउंसमेंट

बिग बजट फिल्मों में नजर आएंगे शाहरुख, शाहिद और कृति सेनन जैसे कई स्टार्स

जियो स्टूडियो ने स्थापना के पांच साल पूरे होने पर बुधवार को अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की अनाउंसमेंट की। इस मौके पर मुंबई में जियो स्टूडियोज ने एक ग्रैंड इवेंट रखा था, जिसमें तमाम बॉलीवुड सेलेब्स ने शिरकत की। खास मौके पर जियो ने 10- 15 नहीं बल्कि 100 अलग-अलग प्रोजेक्ट्स की अनाउंसमेंट की। बिग बजट प्रोजेक्ट्स में शाहिद कपूर की ब्लडी डैडी, राजकुमार राव की स्त्री 2 और वरुण धवन की भेड़िया 2 है। ब्लडी डैडी जिओसिनेमा के ओटीटी ऐप पर रिलीज होगी, वहीं स्त्री 2 अगले साल अगस्त में आएगी।

अपनी कुर्सी की पेटी बांध लें, 100 कहानियों की रोमांचक लिस्ट पेश है

जियो स्टूडियोज ने ट्वीट में लिखा- अपनी कुर्सी की पेटी बांध लें। भारत का सबसे बड़ा कंटेंट स्टूडियो, भारत का सबसे बड़े सितारों, टॉप फिल्म मेकर्स के साथ-साथ रोमांचक न्यू टैलेंट के साथ 100 कहानियों की अपनी रोमांचक कंटेंट की लिस्ट पेश करता है।

ऐसी कहानियां सुनाएं जो न केवल मनोरंजन करें, बल्कि उद्देश्य भी रखें हैं

इस मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज मीडिया और कॉन्टेंट बिजनेस की प्रेसिडेंट ज्योति देशपांडे ने कहा- 'हम भारतीय मनोरंजन के सबसे रोमांचक चरण में हैं। हमारी नजर उन कहानियों को पावरफुल बनाने की है जो भारत और भारतीयों के द्वारा और भारत के लिए हैं। ऐसी कहानियां सुनाएं जो न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि उद्देश्य भी रखती हैं।

हर भारतीय भाषा में कहानीकारों के साथ भागीदार हैं और इन कहानियों को मुख्यधारा में ले जाती हैं। यह अवसर अब तक बताई गई सबसे बड़ी कहानियों को पंख देने और अविश्वसनीय कहानीकारों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने की हमारी यात्रा में एक नया अध्याय होगा।

बेटी सुहाना को लेकर बांधे तारीफों के पुल, बोले- मेबेलिन के लिए बधाई

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। हाल ही में सुहाना न्यूयॉर्क के ब्यूटी ब्रांड मेबेलिन की नई ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। इसी इवेंट से जुड़ा सुहाना का वीडियो शेयर शाहरुख ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते हुए बेटी को बधाई दी। किंग खान ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'मेबेलिन के लिए बधाई बेटा। तुमने अच्छे कपड़े पहने... अच्छा बोली... शाबाश। तो क्या मैं इसका कुछ श्रेय ले सकता हूं! लव यू माय लिटिल लेडी इन रेड। शाहरुख के इस पोस्ट पर सुहाना ने रिएक्शन देते हुए लिखा, 'आह लव यू'। इस इवेंट में सुहाना ने रेड कलर के आउटफिट में शिरकत की थी जो काफी क्लासी लग रहा था। उनके इस लुक को फैंस ने काफी पसंद भी किया। अब वह फिल्मों में डेब्यू करने से पहले इस ब्यूटी ब्रांड के साथ जुड़ गई हैं। जिसके लिए उनके फैंस के अलावा सेलेब्स ने भी जमकर बधाई दी। बता दें, सुहाना जल्द ही जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चिज' में नजर आएंगी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

असद अहमद के एनकाउंटर पर अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया, क्या बोले सपा अध्यक्ष

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड में यूपी एसटीएफ ने झांसी में अतीक अहमद के फरार बेटे असद अहमद को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। वहीं असद के साथ शूटर गुलाम मोहम्मद को भी एसटीएफ ने मार गिराया है। इस एनकाउंटर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पहली प्रतिक्रिया आई है। अखिलेश यादव ने इसे झूठा एनकाउंटर बताया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा- झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। भाजपाई न्यायालय में विश्वास ही नहीं करते हैं। आज के व हालिया एनकाउंटरों की भी गहन जाँच-पड़ताल हो व दोषियों को छोड़ा न जाए। सही-गलत के फ़ैसलों का अधिकार सत्ता का नहीं होता है। भाजपा भाईचारे के ख़िलाफ़ है।

जीतन राम मांझी ने अमित शाह से मुलाकात के पीछे की बताई वजह

नीतीश कुमार को लेकर कह दी बड़ी बात

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 'हम' प्रमुख जीतन राम मांझी की मुलाकात के बाद कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। कयासों के सवाल पर जीतन राम मांझी ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक योग्य प्रधानमंत्री उम्मीदवार हैं। विपक्षी एकता के लिए सफल प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के साथ वो हमेशा रहेंगे। दशरथ मांझी को भारत रत्न दिए जाने के संबंध में अमित शाह से मुलाकात हुई थी।

'हमेशा नीतीश कुमार के ही साथ रहेंगे'

जीतन राम मांझी ने कहा कि दिल्ली में नीतीश कुमार से मुलाकात के लिए समय मांगा है लेकिन अभी तक समय नहीं मिला है। शाम की फ्लाइट से नीतीश कुमार पटना जा रहे हैं और उसी फ्लाइट मुझे भी पटना जाना है तो इस दौरान ही उनसे बातचीत हो सकती है। एनडीए में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राजनीति में मैंने कसम ली है कि हमेशा नीतीश कुमार के ही साथ रहेंगे।

नीतीश कुमार में हैं पीएम के लिए सभी गुण- जीतन राम मांझी

आगे 'हम' प्रमुख ने कहा कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनने के लिए सभी गुण हैं। विपक्षी एकता के लिए वो ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं, जिससे 2024 चुनाव में परिवर्तन हो सके।

मुलाकात से सियासी पारा चढ़ा

बता दें कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी की अमित शाह से मुलाकात को लेकर सियासी गलियारों में अटकलें तेज हैं। गुरुवार को जीतन राम मांझी ने अमित शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात से सियासी पारा चढ़ गया है। यह मुलाकात नीतीश कुमार को टेंशन भी दे सकती है क्योंकि जीतन राम मांझी भी पलटी मारने में कभी देरी नहीं करते हैं। कई बार ऐसा कर चुके हैं। साथ ही जीतन राम मांझी शराबबंदी कानून पर सवाल उठाते रहे हैं। बार-बार बोलते हैं कि दलित पिछड़ों को इस शराबबंदी कानून के तहत जेल में डाला गया। इससे अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

कानपुर मेयर सीट के लिए कांग्रेस के बाद सपा का ब्राह्मण कार्ड

बन्दना बाजपेयी को टिकट

कानपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कानपुर मेयर की सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी घोषित करने के बाद आज समाजवादी पार्टी ने भी ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए सपा विधायक अमिताभ बाजपेयी की पत्नी बन्दना बाजपेयी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं झांसी सीट से रघुवीर चौधरी की टिकट काटकर सतीश जतारिया को सपा की ओर से मैदान में उतारा है। अब भाजपा जल्द ही मेयर उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर सकती है। कांग्रेस ने निकाय चुनाव में महापौर पद के लिए आशनी अवस्थी को उम्मीदवार बना ब्राह्मण व युवा चेहरे पर दांव लगाया है। वह पार्टी संगठन में बुंदेलखंड जोन में महिला कांग्रेस की महासचिव हैं और समाजसेवा से जुड़ी हैं। उनके पति विकास अवस्थी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य व प्रदेश कमेटी के सचिव हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी की ओर से बुधवार रात सूची जारी की थी। प्रदेश संगठन सचिव अनिल यादव ने बताया कि कांग्रेस नेतृत्व का निकाय चुनाव में जमीनी कार्यकर्ताओं पर फोकस है। इसी क्रम में कानपुर नगर निगम में महापौर पद के लिए जमीन से संघर्ष करके कम समय में पार्टी के विश्वासपात्र बने विकास की पत्नी आशनी को टिकट दी गई है।

पांच सितंबर, 1990 को जन्मीं आशनी ने थोड़े ही दिन में कांग्रेस में अपना कद बढ़ाया। सामान्य कार्यकर्ता पर भरोसा जताने से पार्टी के प्रति संघर्ष करने वालों में विश्वास और बढ़ेगा कि मेहनत करने वालों को मौका मिलेगा। बताया कि छात्र राजनीति से आए विकास युवा इंटक के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इनके पिता स्वर्गीय अजय अवस्थी कल्याणपुर क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य रहे।

पुराने फार्मूले से नए चुनाव जीतने की आस में बसपा

मुस्लिम-दलित गठजोड़ बनेगा आधार

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बसपा पुराने फार्मूले के सहारे नये चुनाव जीतने की आस में है। वह निकाय चुनाव में अपनी सोशल इंजीनियरिंग का भरपूर प्रयोग कर लोकसभा चुनाव की राह आसान करना चाहती है। इसी फार्मूले को हिट करने के लिए वह फिर दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर फोकस कर रही है। दरअसल, थिंक टैंक का मानना है कि किसी भी तरह से मुस्लिमों को पार्टी में पुन लाया जाए। दलित-मुस्लिम समीकरण बनेगा तो पार्टी मजबूत होगी। क्षेत्रीय वर्चस्व वाली जातियों को टिकट दिया जाए। इसी सोशल इंजीनियरिंग के सहारे पार्टी प्रदेश में चार बार सरकार बना चुकी है। पिछले निकाय चुनाव में भी इसी समीकरण के सहारे मेरठ में सुनीता वर्मा ने महापौर पद भाजपा से छीन लिया था। वहीं, दलित-मुस्लिम समीकरण बनने से अलीगढ़ में बसपा के फुरकान विजयी रहे। अन्य दो सीटों पर पार्टी दूसरे स्थान पर रही थी।

महापुरुषों की चिंता

पार्टी को यह भी चिंता है कि दूसरे दल उन महापुरुषों की जयंती मना रहे हैं जिन पर बसपा अपना दावा करती रही है। जैसे सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य की ओर से रायबरेली में पार्टी संस्थापक कांशीराम की प्रतिमा की स्थापना में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव शामिल हुए।

इसी तरह से महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी विभिन्न दलों ने मनाई। इस पर पार्टी सुप्रीमो मायावती ने तंज भी कसा कि अब ऐसे लोगों को यह महापुरुष याद आ रहे हैं जो इनका विरोध करते थे। पार्टी को यह भी चिंता है कि दूसरे दल उनके कोर वोट बैंक में सेंध लगा रहे हैं। खास तौर से दलितों में सेंध लगने से बसपा को बड़ा नुकसान हुआ है। विधानसभा चुनाव 2022 में काफी दलित पार्टी से छिटक गए। अब इन्हें किसी तरह पार्टी में वापस लाना है।

आगे का रास्ता

विधानसभा चुनाव में बसपा की सोशल इंजीनियरिंग पूरी तरह से फेल होने से उसे मात्र एक सीट मिली थी। बावजूद इसके पार्टी इसी फार्मूले को हिट मान रही है। इसीलिए वह इस प्रयोग को दोहराना चाहती है। रणनीतिकारों का मानना है कि सपा से मुस्लिमों का भरोसा टूटा है। विधानसभा चुनाव में सपा सरकार न बनने से हो सकता है कि इस बार फिर से मुस्लिम बसपा की ओर लौट आएं। यदि परिणाम अच्छे आए तो लोकसभा चुनाव 2024 में यही फार्मूला इस्तेमाल किया जाएगा।

सोनपुर के पंजाब नेशनल बैंक से बदमाशों ने लूटे 12 लाख रुपये, दो सुरक्षागार्ड को मारी गोली, एक की मौत

हाजीपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। सारण जिले के सोनपुर में गुरुवार की दोपहर दिनदहाड़े पंजाब नेशनल बैंक से बदमाशों ने 12 लाख रुपये की लूट कर ली. इस दौरान बैंक के दो सुरक्षागार्ड को गोली भी मारी जिसमें से एक की मौत हो गई. दूसरा गंभीर रूप से घायल है. घायल सुरक्षाकर्मी को इलाज के लिए पीएमसीएच भेजा गया है. घटना सोनपुर थाना क्षेत्र के डीआरएम ऑफिस के समीप की है. यह इलाका वीआईपी है. दिनदहाड़े बेखौफ लुटेरों ने गन प्वाइंट पर घटना को अंजाम दिया है.

लखनऊ एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान बांग्लादेशी गिरफ्तार

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को चेकिंग के दौरान बांग्लादेशी मोमिनुल इस्लाम को सीआइएसएफ ने पकड़ा। मोमिनुल फर्जी पासपोर्ट से दुबई से लखनऊ आया था। सीआइएसएफ ने मोमिनुल को सरोजनीनगर पुलिस के सिपुर्द कर दिया। मोमिनुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसीपी कृष्णानगर विनय द्विवेदी ने बताया कि मोमिनुल इस्लाम बांग्लादेश के फरीदपुर जनपद का रहने वाला है। वह पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश से आया था। उसके के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों और दूतावास को दे दी गई है।

सपा ने गोरखपुर से काजल निषाद को बनाया मेयर प्रत्याशी

गोरखपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने गोरखपुर के मेयर पद पर पिछड़ी जाति की प्रत्याशी पर दांव लगाया है। बुधवार को पार्टी हाईकमान ने जनपद के वरिष्ठ नेताओं के साथ गहन चर्चा के बाद मेयर प्रत्याशी के लिए अभिनेत्री काजल निषाद के नाम की घोषणा कर दी। जानकारों का कहना है कि पार्टी ने पहले से ही पिछड़ी जाति के प्रत्याशी के तौर पर उनका नाम सुनिश्चित कर लिया था। सिर्फ चर्चा के लिए गोरखपुर के वरिष्ठ नेताओं को लखनऊ बुलाया गया था। खास बात यह है कि गोरखपुर की सीट अनारक्षित होने के बाद भी पार्टी पिछड़ी जाति पर दांव लगा रही है। आरक्षण की घोषणा से पहले महिला उम्मीदवार की चर्चा थी, लेकिन जब सीट अनारक्षित हो गई तो लोग संभावना जताने लगे कि शायद पार्टी सवर्ण प्रत्याशी पर भरोसा जताए। पांच प्रस्तावित नामों में सवर्ण नाम पर ही अधिक जोर भी था, लेकिन पार्टी ने जाति विशेष को साधने के लिए पिछड़ी जाति का दांव चल दिया है।

अतीक के बेटे असद अहमद के एनकाउंटर पर बोले गिरिराज सिंह, योगी से सीखें नीतीश कुमार

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड में फरार असद अहमद और शूटर गुलाम का यूपी के झांसी में गुरुवार को एनकाउंटर हो गया। इस एनकाउंटर पर बीजेपी के कद्दावर नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रितक्रिया दी है। गिरिराज सिंह ने पटना में कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को योगी आदित्यनाथ से सीख लेनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर कानून व्यवस्था को देखना हो और सामान्य नागरिक कैसे अपने को सुरक्षित महसूस करता है यह देखना हो तो बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को योगी से सीख लेनी चाहिए। बता दें कि असद अहम का पुत्र अतीक अहमद और गुलाम पुत्र मकसूदन, दोनों प्रयागराज के उमेश पाल हत्याकांड में वांटेड थे। इन दोनों ने आरोपियों पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम था। झांसी में डीएसपी नवेंदु और डीएसपी विमल के नेतृत्व में यूपी एसटीएफ टीम के साथ मुठभेड़ में मारे गए गए। दोनों के पास से विदेशी कई हथियार बरामद किए गए हैं। बिहार बीजेपी के अलावा उधर यूपी से भी नेताओं की प्रतिक्रिया आ रही है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था पर बड़ी बैठक बुलाई है। योगी ने यूपी एसटीएफ की तारीफ की है।

जाप सुप्रीमो पप्पू यादव को एक साल की सजा

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना एमपी/एमएलए कोर्ट ने जन अधिकार पार्टी के नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को एक साल की सजा सुनाई है। उन्हें कोर्ट ने सड़क जाम कर धरना देने, यातायात बाधित करने, पुलिस बल के साथ मारपीट करने, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का दोषी पाया। इस मामले में कोर्ट ने पप्पू यादव को जमानत दे दी है। 17 जून 2003 का मामला है। पप्पू यादव के अधिवक्ता विजय आनंद ने बताया कि फतुहा थाना क्षेत्र में एक बच्चा लापता हो गया था।

उसकी बरामदगी की मांग को लेकर जन अधिकार पार्टी के नेता पप्पू यादव ने अपने समर्थकों के साथ फतुहा के एनएच 30 पर महारानी चौक के पास धरना दिया था। इस दौरान यातायात बाधित हो गया था। पप्पू यादव ने धरना नहीं हटाया तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े थे। घटना में लोगों ने पुलिस बल पर पथराव भी किया था। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। मामले में पुलिस ने पप्पू यादव सहित 22 लोगों को नामजद आरोपी बनाया था। साथ ही, पुलिस ने 150- 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अदालत ने इस मामले में पप्पू यादव को आइपीसी की धारा 353, 323 और 147 के अंतर्गत दोषी पाया। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से पांच लोगों ने गवाही दी है। जिसके बाद उन्हें एक साल की सजा सुनाई गई।

नीतीश कुमार के यूपीए संयोजक बनने की संभावना पर आरजेडी विधायक सुधाकर सिंह ने दिया बड़ा बयान

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के यूपीए संयोजक बनाए जाने की अटकलों के बीच आरजेडी विधायक सुधाकर सिंह ने कहा कि अगर यूपीए कोई नया संयोजक बनाता है, तो उसका स्वागत है। उन्होंने मीडिया से कहा कि नीतीश कुमार को अगर संयोजक बनाया जाता है, तो इससे बिहार को थोड़ा फायदा होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कोई यूपीए का नेता ही यूपीए का नेतृत्वकर्ता बनता है तो इसका ज्यादा असर होगा। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस नीतीश कुमार को यूपीए का संयोजक बनाती है, तो यह बिहार के लिए गौरव की बात होगी। हालांकि, जेडीयू को आरजेडी विधायक ने बहुत छोटी पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि ये राज्य स्तरीय बहुत ही छोटी पार्टी है। इससे देश को बहुत फर्क नहीं पड़ेगा। मैं सभी नेताओं को कहूंगा कि मिलजुलकर विपक्ष की लड़ाई को आगे बढ़ाएं। सभी के अपने-अपने जनाधार हैं। सभी के अपने अस्तित्व हैं, इसलिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

सीएम योगी के करीबी इन मंत्रियों की साख दांव पर

शाहजहांपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में स्थानीय नगर निकाय चुनाव काफी रोचक होते जा रहा है। शाहजहांपुर नगर निगम चुनाव में बीजेपी के तीन मंत्रियों की साख दांव पर है। सीएम योगी आदित्यनाथ के करीबी वित्त मंत्री सुरेश खन्ना पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर जितिन प्रसाद और सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौर की साख दांव पर है। शाहजहांपुर में पहली बार मेयर और पार्षद पद के लिए चुनाव हो रहा है। शाहजहांपुर नगर पालिका परिषद में बीते चार बार से लगातार सपा का कब्जा है। यहां 2017 में भी सपा की जहांआरा नगर

पालिका अध्यक्ष बनी थी। हालांकि चुनाव के पांच महीने के बाद ही नगर निगम का गठन होने से पालिका बोर्ड को भंग कर दिया गया था। लेकिन जहांआरा से पहले तीन बार सपा नेता तनवीर खान यहां नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके हैं। शाहजहांपुर में मेयर का पद ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है। लेकिन सपा और बीजेपी के पास अभी तक मेयर पर ओबीसी का कोई बड़ा चेहरा सामने नहीं आया है। दूसरी ओर शाहजहांपुर नगर निगम चुनाव में 3.26 लाख मतदाता इस बार वोट डालेंगे। यहां सबसे ज्यादा एक लाख मतदाता मुस्लिम वर्ग से हैं। दूसरा सबसे बड़ा वोट बैंक 70 हजार से अधिक अनुसूचित जाति का है। इसके बाद तीसरे नंबर पर 7000 के आसपास वैश्य मतदाता हैं। यहां ब्राह्मण, ठाकुर, यादव और लोधी समाज के मतदाताओं की संख्या 10 से 25 हजार के बीच है।

अतीक के बेटे असद के एनकाउंटर पर डिप्टी सीएम केशव बोले

हत्यारों को यही हश्र होना था

लखनऊ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी एसटीएफ की टीम ने झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और साथी गुलाम को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। इस दौरान अतीक अहमद और उसका भाई प्रयागराज कोर्ट में मौजूद थे। बेटे की मौत की खबर सुनकर अतीक फूट-फूटकर रोया। वहीं बीजेपी नेताओं के ने ट्वीट कर असद और गुलाम के एनकाउंटर पर यूपी एसटीएफ की टीम को शाबाशी दी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा कि असद और उसके शूटर साथी गुलाम का एनकाउंटर होने के बाद कहा कि यूपी एसटीएफ को बधाई देता हूं, उमेश पाल एडवोकेट और पुलिस के जवानों के हत्यारों को यही हश्र होना था! डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारा संकल्प है कि हम उत्तर प्रदेश से गुंडे माफिया और अपराधियों को खत्म करेंगे। कोई भी ऐसा अपराधी जो अपराध करेगा वो प्रदेश में खुला नहीं घूमेगा। उत्तर प्रदेश कानून के माध्यम से सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर है। उत्तर प्रदेश में कोई भी अपराधी अपराध करके बच नहीं पाएगा यूपी सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने भी ट्वीट कर कहा कि मिट्टी में मिला दिया... एसटीएफ टीम को बधाई! दूसरों के परिवार उजाड़ने वाले को आज अपने परिवार की चिंता सता रही है... योगी सरकार में किसी प्रकार का माफियावाद नहीं चलेगा, कानून का राज है, कानून का राज रहेगा। बता दें कि सीएम योगी ने बजट सत्र के दौरान सपा पर हमलावर होते हुए कहा था कि आप अपराधियों को पालेंगे। इसपर अखिलेश ने बसपा का नाम लिया। सीएम योगी ने कहा जिस पार्टी का भी रहा हो क्या वो अपराधी नहीं है। सपा की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सारे अपराधियों को पालेंगे। उनका माल्यार्पण करेंगे और उसके बाद तमाशा बनाते हैं आप लोग। एक तरफ अपराधियों को संरक्षण देंगे। उन्हें हार पहनाएंगे और दूसरी तरफ दोषारोपण भी करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि किस गफलत में हो। ये भाजपा की सरकार है।

पटना में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के पहाड़पुर इलाके में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि 11 अप्रैल को छह माह के बच्चे की मां की आरोपी पति समेत अन्य लोगों ने मिलकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम करा पीड़ित परिजनों को सौंप दिया है। वहीं परिजनों के बयान पर पुलिस ने तीन लोगों पर मामला भी दर्ज कर लिया है, जहां छापेमारी के दौरान मृतका का पति और मामी मौके से फरार हो गया, लेकिन 60 वर्षीय सास को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि पहाड़पुर इलाके के रहने वाले राजकिशोर की शादी मसौढ़ी की रहने वाली टुन्नी के साथ दो वर्ष पूर्व बड़े धूमधाम से हुई थी, जहां शादी के कुछ दिनों बाद तक सबकुछ सही तरीके से चल रहा था, लेकिन दहेज की रकम को लेकर महिला को प्रताड़ित करने का सिलसिला लगातार चल रहा था। वहीं परिजनों का आरोप है कि मौका देखकर उसकी हत्या कर दी गई। वहीं घटना की जानकारी पर पहुंचे पीड़ित परिजनों में चीख पुकार मच गया। मौत की खबर पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की। घटना स्थल पर पहुचे पीड़ित परिजनों ने बताया कि दो वर्ष पूर्व राजकिशोर की शादी हुई थी। एक वर्ष से लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहा था। एक लाख रुपए भी ले चुका था और चार चक्का गाड़ी के लिए आठ लाख रुपया मांग रहा था। बावजूद इसके प्रताड़ित किया करता था। घर के अंदर दो-दो ताला बंद कर रखता था। खाना भी नहीं देता था। वही घटना के बाद मौके पर मौजूद दरोगा राजीव ने बताया कि पीड़ित परिजनों के द्वारा सूचना दी गई कि बेटी को मार दिया गया है। तीन महिलाओं को पूछताछ के लिए थाने लाया गया है, जहां पुलिस जांच कर रही है। पीड़ित परिजनों को बयान के आधार पर सास,पति और मामी पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं छापेमारी के दौरान आरोपी पति फरार हो गया। मौके से नामजद मृतका के सास को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया और लोगों कि गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। फिलहाल पुलिस मृतका टुन्नी कुमारी के पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट हो जाएगा हत्या है या कुछ और।

केंद्रमंत्री गिरिराज सिंह बोले- नीतीश कुमार पीएम पद के प्रबल दावेदार, लेकिन 2024 में पद खाली नहीं है

पटना, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कांग्रेस के अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से मुलाकात पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि हर कोई प्रधानमंत्री बनना चाहता है, लेकिन उन्हें ये भी तो पता होना चाहिए कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री का पद खाली नहीं है। दिल्ली में हुई विपक्ष की बैठक पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने कहा कि हर कोई प्रधानमंत्री बनना चाहता है। उनमें से नीतीश कुमार मजबूत हैं। इसलिए वह मल्लिकार्जुन खड़गे को खुश कर रहे हैं। राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा, बड़ी मुश्किल से राहुल गांधी ने मिलने

का समय दिया है। गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को पता होना चाहिए कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री का पद खाली नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अभी उनकी राजनीतिक दुर्गति होना बाकी रह गया है। बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पहुंचे, जहां उनकी मल्लिकार्जुन और राहुल गांधी से भी मुलाकात हुई। इस मुलाकात के बाद नीतीश और राहुल ने मीडिया से बातचीत की। नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी विपक्षी एकता पर बात हुई है। ज्यादा से ज्यादा पार्टियों को एक साथ लाने की कोशिश है। हमारी सकारात्मक बातचीत हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि नीतीश जी की पहल बहुत अच्छी है। विपक्ष को एक करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। देश पर आक्रमण के खिलाफ लड़ेंगे। इस दौरान, प्रेस कॉन्फ्रेंस में मल्लिकार्जुन खड़गे, तेजस्वी यादव और कांग्रेस बिहार अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह मौजूद रहे। साल 2024 आम चुनाव से पहले हो रही इस मुलाकात के बाद कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार यूपीए के संयोजक बनाए जा सकते हैं।

सपा ने भी महिला प्रत्याशी पर खेला दांव, मेरठ से विधायक की पत्नी को मेयर का टिकट

मेरठ, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में मेयर की सीट इस बार पिछड़ा वर्ग आरक्षित है। जिसको देखते पहले आम आदमी पार्टी ने तो अब समाजवादी पार्टी ने भी महिला प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया है। अब तक सपा और आम आदमी पार्टी ने ही अपने कैंडिडेट की घोषणा की है। आम आदमी पार्टी ने रिचा सिंह को मैदान में उतारा है तो वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी ने भी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रही विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान को मेयर पद का उम्मीदवार बनाया है। सीमा प्रधान को करीब 10 साल का राजनीतिक अनुभव है। नगर निकाय चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद सही सभी पार्टियों में हलचल शुरू हो चुकी है। समाजवादी पार्टी की ओर से भी कई नेताओं ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय में डेरा डाला हुआ था। मेरठ की तरफ से मुख्य दावेदारी शहर विधायक रफीक अंसारी अपनी पत्नी खुर्शीद अंसारी के लिए टिकट मांग रहे थे और अतुल प्रधान वर्तमान विधायक सरधना भी अपनी पत्नी सीमा प्रधान के लिए टिकट मांग रहे थे। इस रेस में अतुल प्रधान ने बाजी मारी और देर रात सपा प्रदेश अध्यक्ष ने पूरे प्रदेश भर में 8 नामों की घोषणा की। जिसमें मेरठ जिले में सीमा प्रधान को प्रत्याशी घोषित किया गया।

सरकार के गोदामों में गेहूं का स्टॉक 6 साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनावी साल है लेकिन इस सब के बीच गेहूं के घटते सरकारी स्टॉक ने चिंता बढ़ा दी है।फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया एफसीआई के डाटा के मुताबिक गेहूं का ओपनिंग स्टॉक 6 साल के निचले स्तर पर आ गया है।एक अप्रैल 2023 को एफसीआई के गोदामों में गेहूं का ओपनिंग स्टॉक घटकर 83.45 लाख मीट्रिक टन रह गया है।जबकि ठीक एक साल पहले एक अप्रैल 2022 को देशभर के गोदामों में गेहूं का ओपनिंग स्टॉक 189.9 लाख मीट्रिक टन था।

गेहूं का स्टॉक 57 फीसदी कम!

एफसीआई के डाटा से साफ है कि गेहूं का ओपनिंग स्टॉक 2022 बीते साल के मुकाबले इस वर्ष 57 फीसदी से कम है।2021 में एक अप्रैल 2021 को गेहूं का स्टॉक 273 मीट्रिक लाख टन था तो 2020 में 247 लाख टन था।10 वर्ष में ये दूसरा मौका है जब गेहूं का ओपनिंग स्टॉक 85 लाख मीट्रिक टन से कम रहा है।इससे पहले 2017 में ये हालात देखने को मिला था। बीते वर्ष 2021-22 सीजन में सरकार ने 444 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य रखा था।हालांकि बीते साल तापमान में बढ़ोतरी के चलते गेहूं के फसल पर असर पड़ा और सरकार केवल 187.92 लाख मीट्रिक टन की गेहूं खरीद पाई थी जो कि 15 सालों में सबसे कम सरकारी खरीद थी।

341.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का सरकारी लक्ष्य

इस वर्ष भी फरवरी में तापमान में बढ़ोतरी और मार्च में बेमैसम बारिश के चलते गेहूं के फसल के खराब होने की आशंका जताई जा रही थी हालांकि बारिश से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है।सरकार ने इस रबी सीजन में 341.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा का लक्ष्य रखा है।सरकार का अनुमान है कि मौजूदा रबी सीजन में 112.18 मिलिटन गेहूं का उत्पादन हो सकता है। देशभर में गेहूं की सरकारी खरीद जारी है।हालांकि ये भी माना जा रहा कि सरकार अपने लक्ष्य के मुताबिक खरीद नहीं कर पाती है तो इससे सरकार के लिए गेहूं के दामों पर नकेल कसने की कवायद को झटका लग सकता है।सरकार के सामने दिक्कत ये भी है कि गेहूं के एमएसपी से ज्यादा खुले बाजार में किसानों को गेहूं के दाम मिल रहे हैं। बीते वर्ष रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही गेहूं की कीमतों में बड़ा उछाल आया है।एक तो प्रोडक्शन में कमी उसपर से युद्ध के चलते कीमतें बढ़ गई।महंगे गेहूं के चलते आटा भी महंगा हो गया है।जिसके बाद सरकार ने गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दिया था।इस वर्ष फरवरी मार्च के दौरान सरकार ने ओपेन मार्केट सेल स्कीम के तहत 50 लाख टन गेहूं बेचा है।जिसके बाद कीमतों में थोड़ी नरमी आई है। लेकिन उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक अभी भी गेहूं का औसत मुल्य 29.08 रुपये प्रति किलो है जो एक फरवरी 2023 को 33.34 रुपये प्रति किलो हुआ करता था।12 अप्रैल को आटा 34.33 रुपये किलो में मिल रहा है जो एक फरवरी को 38.05 रुपये प्रति किलो के भाव में मिल रहा था।हालांकि इसके बावजूद एक साल में आटा 35 से 40 फीसदी तक महंगा हुआ है।

गेहूं आटे की कीमतें नीचे लाने की कवायद

बहरहाल एक वर्ष के बाद लोकसभा चुनाव है ऐसे में सरकार की कोशिश होगी हर हाल में ज्यादा गेहूं खरीदने की जिससे बाजार में गेहूं आटे की कीमतों में कमी लाई जा सके।और इस वर्ष प्रोडक्शन को लेकर स्पष्टता नहीं है ऐसे में सरकार गेहूं के निर्यात की फिर से इजाजत भी नहीं देने वाली है।

इंडियन ऑयल और अमेरिका की कंपनी भारत में लगाएगी पहली ग्रीन एविएशन फ्यूल प्लांट

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन ऑयल कार्पोरेशन अमेरिका की क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी लांजाजेट के साथ मिलकर भारत की पहली ग्रीन फ्यूल एविएशन फर्म खोलने की प्लानिंग कर रही है।है।रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडियन ऑयल कंपनी अमेरिका फर्म और मल्टीपल डोमेस्टिक एयरलाइन्स के साथ एविएशन फ्यूल की बड़े स्तर पर प्रोडक्शन करेगी।इंडियन ऑयल संयुक्त कारोबार में हरियाणा के पानीपत में रिफाइनरी में अल्कोहल-टू-जेट तकनीक के साथ एसएएफ बनाने के लिए एक प्लांट लगाएगा।ईटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि नई कंपनी की तैयार संरचना के अनुसार, आईओसीएल की 50 फीसदी हिस्सेदारी होगी जबकि लांजाजेट इंक की 25 फीसदी हिस्सेदारी होगी।बाकी 25 परसेंट हिस्सेदारी एयरलाइन कंपनियों के एक समूह को दी जाएगी.

किसकी कितनी होगी हिस्सेदारी

अधिकारिक बयान में कहा गया है कि डोमेस्टिक एयरलाइन कंपनियों ने इसे लेकर रुचि दिखा रही है।इसमें आईओसीएल की 25 फीसदी हिस्सेदारी एयलाइन्स कंपनियों के लिए होगी, जहां कई कंपनियां 2 से 5 फीसदी के हिस्सेदारी के लिए पेशकश कर सकती हैं।इस प्रोजेक्ट के तहत आईओसीएल 1,500 करोड़ रुपये और लांजाजेट 750 करोड़ रुपये का निवेश करने वाला है।वहीं अन्य एयरलाइंस के निवेश के लिए भी विकल्प दिया गया है।

एयलाइंस कंपनियां कितना करेंगी निवेश

टाटा ग्रुप का एयर इंडिया और विस्तारा, इंडिगो, गोफर्स्ट और ब्लू डार्ट ने इस प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिए अप्रोच किया है।

977 दिन बाद चांदी फिर 75 हजार के पार

पहली बार 75,365 रु. किलो तक पहुंचा भाव, फिर 74,940 रु. पर बंद हुई

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। चांदी की फिर चांदी हो गई है। बुधवार को पहली बार इसका भाव 75,365 रु./किलो तक पहुंचा। हालांकि, यह 74,940 रु. पर बंद हुई। इससे पहले 7 अगस्त 20 को कीमतें 75,013 रु. तक पहुंची थीं, यानी 977 दिन बाद चांदी फिर 75 हजारी हुई थी। इससे पहले 5 अप्रैल 23 को सोना भी 60,781 रु./दस ग्राम का रिकॉर्ड स्तर छू चुका है।

इस साल अब तक चांदी 6,591 रु./किलो और सोना 5,450 रु./दस ग्राम तक महंगा हो चुका है। अप्रैल के पिछले 10 दिनों (3-12 अप्रैल) में चांदी 3,240 रु./किलो और सोना 898 रु./दस ग्राम तक उछला है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, बुधवार को सोना 60,613 रु. पर बंद हुआ। देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करंट रेट लेकर उसके औसत के आधार पर भाव निकाले गए हैं।

इस साल 90 हजार तक पहुंच सकती है चांदी

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का अनुमान है कि इस साल चांदी 90 हजार रु./किलो तक जा सकती है। इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने और सोने की कीमतें ज्यादा होने से भी चांदी की कीमतों में उछाल आ रहा है। सिल्वर ईटीएफ आने से चांदी में निवेश के विकल्प बढ़ने का भी असर।

मार्च में खुदरा महंगाई 5.66% पर लुढ़की, जो 15 महीने में सबसे कम

खाने-पीने की चीजों के दाम घटने से मार्च में खुदरा महंगाई दर 5.66% पर आ गई। फरवरी में 6.44% थी। इससे पहले दिसंबर 2021 में खुदरा महंगाई 5.66% पर थी यानी यह 15 माह के निचले स्तर पर है। मार्च 23 में खाद्य महंगाई दर 4.79% रही, जो फरवरी में 5.95% थी। खुदरा महंगाई में करीब आधी हिस्सेदारी खाद्य पदार्थों की होती है। बिजली व ईंधन की महंगाई 9.9% से 8.91% पर आ गई।

दूध के दाम से बिगड़ा घर का बजट! सरकार का भी बढ़ा सिरदर्द, जानिए क्यों बढ़ रही कीमतें

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर में दूध की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी के घर के बजट को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है।पिछले कुछ महीनों में देश की बड़ी डेयरी कंपनियां जैसे अमूल, मदर डेयरी ने कई बार दूध की कीमतों में इजाफा किया है।दूध के दाम में हो रही लगातार बढ़ोतरी ने सरकार के सिरदर्द को भी बढ़ा दिया है।दूध की औसत खुदरा कीमतों में पिछले एक साल के दौरान 12 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह 57.15 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है।मार्च के महंगाई के आंकड़े ने जहां राहत दी है, वहीं दूध की कीमतें अभी भी आसमान छू रही हैं। लगातार दूसरे महीने खुदरा महंगाई दर के आंकड़े में गिरावट आई है।मार्च 2023 में खुदरा महंगाई दर 5.66 फीसदी रही है, जो फरवरी में 6.44 फीसदी रही थी।इस दौरान खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर में भी गिरावट आई है।मार्केट में खाद्य महंगाई दर घटकर 4.79 फीसदी हो गई, जो फरवरी में 5.95 फीसदी थी।मार्च में भले ही खाने-पीने की चीजों की महंगाई में कमी देखी गई है, लेकिन दूध की महंगाई दर अभी भी 9.31 फीसदी बनी हुई है.गौरतलब है कि भारत में खाने-पीने की चीजों में दूध दूसरा सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला प्रोडक्ट है।

तेजस एक्सप्रेस में जुड़ेगा एक और ओवन, फ्रिज कॉफी मेकर और वाटर कूलर वाला कोच

5 स्टार होटल जैसी देगा फीलिंग

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई और गोवा के मडगांव के बीच चलने वाली तेजस एक्सप्रेस में कल यानी 14 अप्रैल से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है. इस ट्रेन में कल से एक और विस्टाडोम कोच जुड़ जाएगा. दो विस्टाडोम कोच वाली यह देश की पहली ट्रेन होगी. विस्टाडोम कोच में कांच की खिड़कियां और पारदर्शी छत होती है. मुंबई से गोवा के बीच के सफर को विस्टाडोम कोच और भी आनंददायक बनाएगा. इसमें बैठे यात्री झरनों, नदियों, घाटियों, सुरंगों, हरे-भरे मैदानों और अन्य प्राकृतिक दृश्यों को चारों तरफ से देख पाएंगे. पिछले साल सितंबर में मुंबई-मडगांव तेजस एक्सप्रेस में पहला विस्टाडोम कोच लगाया गया था. रेलवे ने दूसरा विस्टाडोम कोच लगाने की घोषणा के साथ ही तेजस एक्सप्रेस में सफर करने के इच्छुक उन यात्रियों से अपना टिकट चेक करके ही ट्रेन में चढ़ने का अनुरोध किया है, जिनकी टिकट वेटिंग लिस्ट में है. अतिरिक्त विस्टाडोम कोच लगने के बाद ट्रेन में अब दो विस्टाडोम कोच, 11 एसी चेयर कार, एक एसी एक्जीक्यूटिव चेयर कार और दो लगेज व जनरेटर ब्रेक वेन्स हो गए हैं. मुंबई-मडगांव तेजस एक्सप्रेस सप्ताह में पांच दिन चलती है. सोमवार और गुरुवार को यह बंद रहती है. मुंबई से मडगांव की दूरी 765 किलोमीटर है. इसे पूरा करने में इसे 8 घंटे और 50 मिनट लगते हैं. यह रूट प्राकृतिक सौंदर्य से भरा हुआ है. यही कारण है कि तेजस एक्सप्रेस के विस्टाडोम में यात्रा करने वालों की तादात अच्छी खासी है. इसी को देखते हुए अब एक और विस्टोडोम कोच लगाया गया है.

टाइम टेबल : 22119 मुंबई-मडगांव तेजस एक्सप्रेस मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से सुबह 5:50 बजे चलती है और मडगांव दोपहर बाद 2:40 बजे पहुंचती है. रास्ते में यह ट्रेन दादर, ठाणे, पनवेल, चिपलून, रत्नागिरी, कुंडल और करमली में रुकती है. मडगांव से 22120 मडगांव-मुंबई तेजस एक्सप्रेस दोपहर बाद 3 बजकर 15 मिनट पर से चलती है और 11 बजकर 55 मिनट पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर पहुंचती है. विस्टाडोम कोच में कई खासियतें हैं. इसमें 180 डिग्री तक घूमने वाली सीट लगी होती हैं।

बैंकिंग संकट पर दिग्गज इन्वेस्टर वारेन बफे ने किया सचेत, बोले- अभी खत्म नहीं हुआ है मामला!

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के दिग्गज निवेशक और अरबपतियों की लिस्ट में शामिल वॉरेन बफे ने अमेरिका में शुरू हुए बैंकिंग संकट पर अपनी बात रखी है।उन्होंने बैंकिंग संकट के बारे में कहा कि यह पहली बार नहीं है जब कोई बैंक डूब गया है।भविष्य में भी ऐसे और भी बैंकिंग संकट आ सकते हैं, मगर इसके लिए ज्यादातर लोगों को परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके पैसे फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के पास सुरक्षित हैं

नहीं खत्म हुआ बैंकिंग संकट

वॉरेन बफे कहा कि बैंकिंग संकट का यह दौर अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन इसके लिए ज्यादातर ग्राहकों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।बैंक भले ही डूब जाए, लेकिन ज्यादातर निवेशकों के पैसे अमेरिका के फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के पास सुरक्षित रहते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें ये पैसे मिल जाते हैं. अमेरिका के एफडीआईसी के नियमों के अनुसार अगर देश में कोई भी बैंक डूबता है तो ग्राहकों का 2.5 लाख डॉलर यानी लगभग 2 करोड़ रुपये का क्लेम मिल सकता है।इसके ऊपर की राशि पर क्लेम केवल सरकार के दखल के बाद ही मिल सकती है।वहीं भारत की बात करें तो अमेरिका की तरह यहां भी बैंक में जमा पैसों पर इंश्योरेंस कवर का लाभ मिलता है।यह कवर आरबीआइ के डीआईसीजीसी द्वारा दिया जाता है।

नुकसान रिकवर कर नौवें दिन हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 38 अंक चढ़ा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को उतार-चढ़ाव का दौर दिखा। इस दौरान सेंसेक्स 38.23 (0.06%) अंकों की बढ़त के साथ 60,431.00 अंकों के लेवल पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 15.60 (0.09%) अंकों की बढ़त के साथ 17,828.00 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स अपने 350 अंकों का नुकसान पाटने में सफल रहा और लगातार नौवें दिन हरे निशान पर बंद हुआ। गुरुवार के दिन बाजार में बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त तेजी दिखी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर 17 प्रतिशत तक उछले जबकि आईडीबीआई बैंक के शेयरों में भी 12 प्रतिशत तक की मजबूती आई।

भारत का निर्यात छह प्रतिशत बढ़कर 447 अरब डॉलर हुआ

आयात में 16.5 प्रतिशत इजाफा

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पेट्रोलियम, फार्मा और रसायन तथा मरीन्स जैसे क्षेत्रों के निर्यात में अच्छी वृद्धि के कारण 2022-23 के दौरान देश का निर्यात करीब 6 प्रतिशत बढ़कर 447 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में निर्यात 422 अरब डॉलर था। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार यह जानकारी दी। देश का आयात भी 2022-23 में 16.5 प्रतिशत बढ़कर 714 अरब डॉलर हो गया जो 2021-22 में 613 अरब डॉलर था।गोयल ने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात नई ऊंचाई पर पहुंचा है और 2022-23 में 14 प्रतिशत बढ़कर 770 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 676 अरब डॉलर था। मंत्री ने रोम में संवाददाताओं से कहा, ''...भारत के निर्यात का प्रदर्शन शानदार रहा है। देश से कुल निर्यात 2022-23 में 770 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह 14 प्रतिशत अधिक है। 2020 में यह 500 अरब डॉलर तथा 2021-22 में 676 अरब डॉलर था।''देश का सेवा निर्यात भी 2022-23 में 27.16 प्रतिशत बढ़कर 323 अरब डॉलर रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 254 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में भारत के अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार का संकेत है।''

अगले महीने से बदल रहे हैं जीएसटी के ये नियम, जानें कैसे टैक्सपेयर्स पर होगा असर

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था माल एवं सेवा कर में अगले महीने से कुछ बदलाव होने जा रहे हैं।कर कानूनों को प्रभावी बनाने, अनुपालन को आसान बनाने और अंततः कर चोरी को रोकने के लिए समय-समय पर जीएसटी में निश्चित बदलाव होते रहते हैं।इसी कड़ी में ताजा बदलाव भी हुआ है।जीएसटी नेटवर्क ने इसकी जानकारी दी है.जीएसटी नेटवर्क ने बताया है कि अब कुछ कंपनियों को इलेक्ट्रॉनिक इनवॉयस जारी होने के 7 दिनों के भीतर उन्हें इनवॉयस रजिस्ट्रेशन पोर्टल यानी आईआरपी पर अपलोड करना होगा।यह नियम एक मई से अमल में आ जाएगा।यह बदलाव उन कंपनियों के लिए है, जिनका टर्नओवर 100 करोड़ रुपये है या इससे ज्यादा है।अभी ऐसे मामलों में कंपनियों को करंट डेट पर इलेक्ट्रॉनिक इनवॉयस को आईआरपी पर अपलोड करना होता है।इसका मतलब हुआ कि इनवॉयस कभी भी जेनरेट हुआ हो, उससे रिपोर्ट करने की तारीख पर कोई फर्क नहीं पड़ता है।जीएसटी नेटवर्क ने ताजा बदलाव को लेकर टैक्सपेयर्स के लिए एक एडवाइजरी जारी की है।एडवाइजरी में जीएसटी नेटवर्क ने कहा, सरकार ने 100 करोड़ रुपये के बराबर या इससे ज्यादा के सालाना टर्नओवर वाले व्यवसायों के लिए पुराने इनवॉयसेज की रिपोर्टिंग को चुस्त बनाने का निर्णय लिया है।इसी कारण पुराने इनवॉयसेज को आईआरपी पर रिपोर्ट करने के लिए टाइम लिमिट लगाई जा रही है.जीएसटी नेटवर्क ने साथ ही यह भी साफ किया है कि पाबंदी सिर्फ इनवॉयसेज पर लागू है. डेबिट या क्रेडिट नोट की रिपोर्टिंग के मामले में समय की कोई पाबंदी नहीं है. जीएसटी नेटवर्क ने उदाहरण देते हुए समझाया कि अगर कोई इनवॉयस 1 अप्रैल 2023 की तारीख की है, तो उसे 8 अप्रैल 2023 के बाद रिपोर्ट नहीं किया जा सकेगा. इनवॉयस रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर इसके लिए वैलिडेशन सिस्टम तैयार किया गया है, जो सात दिन से पुराने इनवॉयस को खुद ही रिजेक्ट कर देता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	मीन	में	मीन...	04-30	बजे
चंद्र-	मकर	में	मेष--	06-07	बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	07-53	बजे
बुध-	मेष	में	मिथुन..	09-53	बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	12-04	बजे
शुक्र-	वृष	में	सिंह...	14-16	बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	16-25	बजे
राहु-	मेष	में	तुला	18-28	बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक.	20-38	बजे
			धनु.....	22-52	बजे
			मकर..	00-56	बजे
			कुंभ...	02-49	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
सूर्योदय.- 06-04
सूर्य अस्त- 18-28
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकल
तिथि- नवमी - **23 -13** तक उपरान्त दशमी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **April 14**
नक्षत्र - उ.षाढा - **09 -14** - तक उपरान्त श्रवण
योग - सिद्ध - **09 - 36** - तक उप - साध्य
करण- तैतिल - **12 - 25** - तक उप- गर
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध योग **-09-14** से
व्रत -त्योहार - मेष मे सूर्य- **14 -59** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:43 से 12:17 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:04 - 07:36	शुभ	रोग.	18:28 - 19:57	अशुभ
लाभ	07:36 - 09:09	शुभ	काल.	19:57 - 21:23	अशुभ
अमृत	09:09 - 10:43	शुभ	लाभ.	21:23 - 22:50	शुभ
काल	10:43 - 12:17	अशुभ	उत्पात	22:50 - 00:16	अशुभ
शुभ	12:17 - 13:50	शुभ	शुभ	00:16 - 01:43	शुभ
रोग	13:50 - 15:24	अशुभ	अमृत.	01:43 - 03:09	शुभ
उत्पात	15:24 - 16:57	अशुभ	चंचल.	03:09 - 04:35	शुभ
चंचल	16:57 - 18:28	शुभ	रोग.	04:35 - 06:04	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
पारिवारिक समस्याओं को अपनी पत्नी से साझा करें। एक-दूसरे को फिर से खोजने और एक प्यार करने वाले पोषण करने वाले जोड़े के रूप में पुनः पुष्टि करने के लिए कुछ समय व्यतीत करें। आपके बच्चे भी घर में खुशी और शांति सद्भाव के स्पंदनों को महसूस करेंगे। यह आपको एक दूसरे के साथ बातचीत में अधिक सहजता और स्वतंत्रता देगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
भावनाओं का पारा चढ़ेगा- आपका बर्ताव आस-पास के लोगों को भ्रमित करेगा- आप तत्काल परिणाम की तलाश में हैं, इसलिए निराशा आपको जकड़ सकती है। धन की आमद पूरे दिन बनी रहेगी, लेकिन दिन के अंत में आप महसूस कर सकते हैं कि बहुत अधिक खर्चा हो गया है। आने वाले मेहमान आपकी शाम को व्यस्त रखेंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,
आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त समय होगा। पैसों के निवेश और बचत के संबंध में आज आपको अपने परिवार के सदस्यों से बात करने की ज़रूरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार साबित होगी।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
लंबी यात्रा से बचने की कोशिश करें क्योंकि आप यात्रा करने के लिए बहुत कमजोर हैं। जिन लोगों ने कर्ज लिया था, उन्हें आज चुकाने में परेशानी हो सकती है। कोई पुराना मित्र शाम को आपसे मुलाकात कर पुरानी यादों को ताजा कर सकता है। चंद्रमा की स्थिति के कारण आपके प्रेम जीवन में कुछ परेशानियां आ सकती हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
बाहरी गतिविधियां आज थकाने वाली और तनावपूर्ण रहेंगी। अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसों की बचत शुरू कर देनी होगी। दोस्त और क़रीबी आप पर मदद का हाथ बढ़ाएंगे। रोमांस कार्ड पर है लेकिन कामुक भावनाएं फूट सकती हैं

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
पत्नी आपको प्रफुल्लित कर सकती है। हालांकि आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, लेकिन आपको ध्यान रखना होगा कि फिजूलखर्ची या अनावश्यक चीजों पर खर्च न करें। अनावश्यक वाद-विवाद परिवार में तनाव पैदा कर सकता है। याद रखें तर्क-वितर्क से मिली जीत असल मायने में जीत नहीं होती।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
खुद को बेहतर बनाने के प्रोजेक्ट कई तरह से रंग लाएंगे- आप अपने बारे में बेहतर और आत्मविश्वासी महसूस करेंगे। आज आपको यह बात समझ में आएगी कि कई बार निवेश करना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है, क्योंकि आपके द्वारा किया गया कोई पुराना निवेश लाभदायक रिटर्न देने वाला होता है।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए आपको अस्पताल जाना पड़ सकता है। आपके माता-पिता आपसे किसी महत्वपूर्ण चीज के लिए भुगतान करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन इससे आपकी आर्थिक स्थिति खराब होने की संभावना है। अपने सामाजिक जीवन की उपेक्षा न करें।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे
आपके लिए सरासर खुशी और आनंद - जैसा कि आप जीवन का पूरा आनंद लेने के लिए तैयार हैं। जिन लोगों को अभी तक वेतन नहीं मिला है, वे पैसों को लेकर चिंतित हो सकते हैं और अपने किसी दोस्त से उधार मांग सकते हैं। किसी दोस्त की समस्या आपको ख़राब और चिंतित कर सकती है।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
आध्यात्मिक के साथ-साथ शारीरिक लाभ के लिए भी ध्यान और योग फायदेमंद साबित होगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन कोशिश करें कि इसे हाथ से फिसलने न दें। जीवन और कार्य के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक प्रकाशमान और पूर्णतावादी बनें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आज अतीत के ग़लत फ़ैसले हताशा और मानसिक उथल-पुथल की ओर ले जाएंगे- आप फंसे रह सकते हैं और यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आगे क्या करना है-दूसरों की मदद लें। महत्वपूर्ण लोग किसी भी चीज को वित्त करने के लिए तैयार होंगे जिसमें इसका एक विशेष वर्ग होगा।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज ख़ुद पर ज़्यादा ज़ोर न डालें- आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम नज़र आ रही है और आपको ज़रूर आराम की ज़रूरत है। निवास स्थान के संबंध में किया गया निवेश लाभदायक रहेगा। माता का रोग कुछ चिंता दे सकता है। आपको उसका ध्यान बीमारी से हटाकर कुछ अन्य चीजों की ओर मोड़ने और उसकी बीमारी को कम करने की जरूरत है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

नेशनल पार्टी नहीं रही, खतरे में तृणमूल की कमाई!

पिछले साल चुनावी बॉन्ड से कमाए 528 करोड़, अब नियम पड़ सकते हैं भारी

कोलकत्ता, 13 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। तृणमूल कांग्रेस का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिन गया है। इस खबर से आप सभी वाकिफ होंगे।

अब इसी बात को जरा दूसरे तरीके से कहते हैं, कमाई के मामले में देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी अब राष्ट्रीय पार्टी नहीं रह गई।

जी हां, कमाई के मामले में तृणमूल कांग्रेस देश में भारतीय जनता पार्टी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। और इस पार्टी का सबसे बड़ा जरिया हैं- इलेक्टोरल बॉन्ड।

तकनीकी रूप से देखें तो राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिनने से तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक सेहत पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए।

इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये दान लेने की उसकी एलिजिबिलिटी पर भी फिलहाल तो कोई सवाल नहीं है, मगर इन नियमों में ऐसी तकनीकी बारीकियां जरूर हैं जो उसके इलेक्टोरल बॉन्ड भुनाने पर सवाल खड़े कर सकती हैं।

2021-22 में तृणमूल कांग्रेस को इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये 528 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि 2020-21 में ये कमाई महज 42 करोड़ के आस-पास थी।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम की शुरुआत 2018 में हुई थी। तब से अब तक भाजपा के अलावा अगर दूसरी कोई पार्टी इस योजना से बड़ा फायदा ले पाई है तो वो तृणमूल कांग्रेस ही है। अब 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उसकी पहचान पर उठे सवाल इस कमाई को भी डेंट पहुंचा सकते हैं।

राष्ट्रीय पार्टी के दर्जे के लिए चुनाव आयोग की तीन शर्तें होती हैं-

लोकसभा की कुल सीटों में से 2% सीटें कम से कम तीन राज्यों जीतना जरूरी है।

4 या ज्यादा राज्यों के विधानसभा चुनाव में कम से-कम 6% वोट हासिल हुआ हो।

4 या इससे ज्यादा राज्यों में क्षेत्रीय पार्टी की मान्यता मिली हो।

तृणमूल को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा तीसरी शर्त पूरी करने पर मिला था। पार्टी को पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और त्रिपुरा में स्टेट पार्टी का दर्जा मिला हुआ था।

मगर अब चुनाव आयोग ने मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश में तृणमूल कांग्रेस का स्टेट पार्टी का दर्जा छीन लिया है। इसकी वजह से पार्टी अब सिर्फ दो ही राज्यों में स्टेट पार्टी रह गई है और राष्ट्रीय पार्टी बनने की शर्त अब पूरी नहीं करती है।

अरुणाचल प्रदेश में आखिरी विधानसभा चुनाव 2019 में हुआ था। इसमें तृणमूल कांग्रेस ने कोई उम्मीदवार ही नहीं उतारा था।

मणिपुर में आखिरी विधानसभा चुनाव 2017 में हुआ था। इसमें तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर सिर्फ 1.41% ही था। पार्टी ने 60 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 1 जीती थी।

तृणमूल की कमाई का 96% इलेक्टोरल बॉन्ड्स से, इसके लिए लेटेस्ट चुनाव में 1% वोट शेयर जरूरी

तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग को जो वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट सौंपी है, उसके मुताबिक 2021-22 में उसने 545 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई की है।

इसमें से 528 करोड़ से ज्यादा की कमाई इलेक्टोरल बॉन्ड्स से हुई है। यानी कुल कमाई का 96% से ज्यादा हिस्सा इलेक्टोरल बॉन्ड से ही आया है।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स की स्कीम 2018 में लॉन्च की गई थी। इलेक्टोरल बॉन्ड कौन खरीद सकता है और कौन सी पार्टी इनके जरिये दान ले सकती है, इसके लिए नियम तय हैं।

इलेक्टोरल बॉन्ड हर साल जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में बेचे जाते हैं। बिक्री 10 दिन के लिए खुलती है, यानी साल में 40 दिन बिक्री होती है। अगर लोकसभा चुनाव हो तो बिक्री 30 दिन के लिए बढ़ती है और विधानसभा चुनाव हो तो 15 दिन के लिए।

इलेक्टोरल बॉन्ड हर साल जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में बेचे जाते हैं। बिक्री 10 दिन के लिए खुलती है, यानी साल में 40 दिन बिक्री होती है। अगर लोकसभा चुनाव का साल हो तो बिक्री 30 दिन के लिए बढ़ती है और विधानसभा चुनाव हो तो 15 दिन के लिए।

नियम के मुताबिक जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 के सेक्शन 29ए के तहत रजिस्टर्ड कोई भी पार्टी इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये दान ले सकती है, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि उसने पिछले लोकसभा चुनाव या पिछले किसी विधानसभा चुनाव में कम से कम 1% वोट शेयर हासिल किया हो।

अब ये नियम ही तृणमूल कांग्रेस के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है।

2023 में तृणमूल कांग्रेस ने दो राज्यों में चुनाव लड़ा, जहां स्टेट पार्टी का दर्जा, वहीं वोट शेयर 1% से भी कम

इलेक्टोरल बॉन्ड भुनाने के लिए तृणमूल कांग्रेस की एलिजिबिलिटी सबसे लेटेस्ट चुनावों में उसके परफॉर्मेंस के आधार पर ही देखी जाएगी।

2023 में तृणमूल कांग्रेस ने अब तक दो राज्यों मेघालय और त्रिपुरा के विधानसभा चुनावों में उम्मीदवार उतारे हैं।

मेघालय में पार्टी का वोट शेयर 13.78% है। उसने 59 सीटों में से 5 पर जीत भी हासिल की है, लेकिन दिक्कत ये है कि मेघालय में तृणमूल कांग्रेस को स्टेट पार्टी का दर्जा नहीं हासिल है।

त्रिपुरा में तृणमूल कांग्रेस स्टेट पार्टी है, लेकिन यहां पार्टी का वोट शेयर महज 0.88% ही रहा। राज्य की 60 में से एक भी सीट उसने नहीं जीती है।

कानून में ये स्पष्ट नहीं कि 1% से ज्यादा वोट शेयर कौन सा देखा जाएगा

इलेक्टोरल बॉन्ड्स को लेकर बनाए गए नियमों में ये स्पष्टता नहीं है कि इन बॉन्ड के जरिये दान लेने वाली पार्टी के किस चुनावी परफॉर्मेंस के आधार पर उसकी एलिजिबिलिटी तय होगी।

यानी पिछले लोकसभा चुनाव या किसी विधानसभा चुनाव में 1% से ज्यादा वोट शेयर होना चाहिए।

मगर ये स्पष्ट नहीं है स्टेट पार्टी का दर्जा जिन दलों को मिला हुआ है, उनका परफॉर्मेंस क्या उन्हीं राज्यों में देखा जाएगा जहां वो स्टेट पार्टी के तौर पर रजिस्टर्ड हैं।

ये भी स्पष्ट नहीं है कि अगर किसी भी हालिया विधानसभा चुनाव के मुकाबले पिछले (यानी 2019 के) लोकसभा चुनाव में वोट शेयर ज्यादा था तो किस परफॉर्मेंस को आधार माना जाएगा।

स्टेट पार्टी के दर्जे वाले राज्यों में परफॉर्मेंस देखा जाए तो तृणमूल के लिए हो सकती है मुश्किल

तृणमूल को अभी पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा दो ही राज्यों में स्टेट पार्टी का दर्जा हासिल है। इनमें सबसे हाल में विधानसभा चुनाव त्रिपुरा में हुए हैं।

इन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 0.88% ही है, यानी 1% से कम। यानी इलेक्टोरल बॉन्ड्स के लिए एलिजिबिलिटी का आधार अगर स्टेट पार्टी के दर्जे वाले राज्यों में लेटेस्ट परफॉर्मेंस को माना गया तो तृणमूल इस क्राइटेरिया से बाहर हो सकती है।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स से तृणमूल की कमाई भाजपा की आधी, मगर ग्रोथ सबसे तेज

इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये होने वाली कमाई के मामले में 2018 से ही भाजपा सबसे आगे रही है।

मगर इस मद में मिल रहे दान में सबसे तेज ग्रोथ तृणमूल कांग्रेस की है। तृणमूल कांग्रेस की इस ग्रोथ में दो बातें बहुत चौंकाने वाली हैं।

पहली, 2020-21 में कोविड के दौर में हर पार्टी को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये मिला दान घट गया।

इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस को मिला दान भाजपा से करीब दोगुना था।

दूसरी बात, 2021-22 में भाजपा को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये मिला दान फिर 1 हजार करोड़ के ऊपर पहुंच गया। लेकिन फिर भी ये 2019-20 में मिले 2555 करोड़ के मुकाबले बहुत कम था।

तृणमूल को इलेक्टोरल बॉन्ड से मिला दान सीधे 528 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। 2019-20 में उसे महज 100 करोड़ रुपए ही इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये मिले थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक हर पार्टी इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये मिलने वाले दान का ब्योरा चुनाव आयोग को सौंपता है। मगर ये ब्योरा सीलबंद लिफाफे में होता है।

राष्ट्रीय दलों और स्टेट पार्टियों को अपनी वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट भी चुनाव आयोग को देनी होती है। इस रिपोर्ट में भी इलेक्टोरल बॉन्ड्स से मिलने वाले दान का जिक्र होता है।

लेकिन रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड दलों को ऑडिट रिपोर्ट नहीं देनी होती और इलेक्टोरल बॉन्ड का ब्योरा सीलबंद लिफाफे में होता है।

2019 में चुनाव आयोग को जिन 69 रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड दलों ने अपना ब्योरा सौंपा एडीआर ने उनके नाम के आधार पर एक एनालिसिस किया।

एडीआर के मुताबिक इन 69 दलों में 43 दल तो ऐसे हैं जिनके वोट शेयर का कोई आंकड़ा ही उपलब्ध नहीं है।

जिनके वोट शेयर का आंकड़ा उपलब्ध है, उनमें से सिर्फ 1 दल ही इलेक्टोरल बॉन्ड से दान लेने के लिए एलिजिबलिटी क्राइटेरिया पूरा करता है।

यानी बाकी 68 रजिस्टर्ड अनरिकग्नाइज्ड दल अवैध रूप से इलेक्टोरल बॉन्ड भुना रहे हैं।

जगदलपुर में 'भरोसे का सम्मेलन' में प्रियंका गांधी

मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा के बाद सभा में पहुंची, कहा- भाजपा ने आपको निर्भर बनाया, आत्मनिर्भर नहीं

रायपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी बस्तर पहुंचकर सबसे पहले मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे सभा स्थल पर पहुंची। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मेरे परिवार का बस्तर से विशेष लगाव रहा है। मैं यहां पहली बार आई हूं, लेकिन मैं बचपन से बस्तर के बारे में, यहां के लोगों के संघर्ष के बारे में सुनती आई हूं।

प्रियंका ने अपने संबोधन की शुरुआत गोंडी में लोगों का अभिवादन करते हुई की। उन्होंने कहा कि आज बस्तर एक ब्रांड बन गया है। देश में ही नहीं विदेश में भी यहां के उत्पादों का उपयोग हो रहा है। मेरी दादी कहती थीं कि सबसे अच्छी संस्कृति आदिवासी होती है, क्योंकि आप लोग बिना प्रकृति का नुकसान किए जीवनयापन करते हैं।

बस्तर की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। जब हम कमाती हैं तो हमारे में आत्मविश्वास आता है कि हम भी परिवार में कुछ कमाकर लाई हैं। भारतीय जनता पार्टी की 15 साल की सरकार ने बस्तर के लोगों को सरकार पर

निर्भर बनाया। आत्मनिर्भर नहीं बनाया। कांग्रेस सरकार ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया।

कांग्रेस की सरकार ने 65 वनोपज के लिए एमएसपी दे रही है। 5 लाख लोगों को वनअधिकार पट्टे दिए। धान की सबसे ज्यादा एमएसपी 2660 रुपए यहां मिल रही है।

जब भाजपा की सरकार थी तो सिर्फ शोषण था। गौमाता सड़कों पर घूमती थीं। सरकार आई तो खेतों को चरने वाली गौमाताओं के लिए गौठान बनाई। अब यह मॉडल पूरे विश्व में चर्चित है।

मैं यूपी में बताती हूं कि देखिए छत्तीसगढ़ में इसकी कितनी अच्छी योजना बनाई। भाजपा भ्रष्टाचार आपने 15 साल भुगता है।

आपके सामने दो मिसाल हैं एक पिछली सरकार की है, जिसने आपसे सिर्फ लूटा है और दूसरी सरकार आपको सब दे रही है। अब आपको पहचानना है कि आपका भरोसा किस पर है।

बघेल जी कभी नकारात्मक बातें नहीं करते

जब भी यहां के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मुझसे मिलते हैं, कभी भी किसी की चुगली, नकारात्मक बात नहीं करते। हमेशा नयी, लोगों की कल्याणकारी योजनाओं की बात करते हैं। मैं बहुत से नेताओं से मिलती हूं, लेकिन लोगों के लिए कुछ करने, बेहतर करने का निश्चय जितना बघेल जी में देखती हूं, उतना किसी में नहीं दिखता।

जगदलपुर के लाल बाग मैदान में 'भरोसे का सम्मेलन' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा देश में बस्तर की अलग पहचान बन रही है। पहले जहां नक्सलियों के गोलियों की गूंज सुनाई देती थी, आज वहां खुशी के गीत सुनाई देती है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रियंका गांधी ने साथ मिलकर 128 करोड़ 99 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन लोकार्पण किया है। कुल 49 विकास कार्यों जिसमें 62 करोड़ 29 लाख 47 हजार के 15 विकास कार्यों का लोकार्पण और 66 करोड़ 70 लाख से अधिक राशि के 34 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

बीजेपी पर भड़के सीएम भूपेश

कहा- इनकी बेटी करे तो लव, दूसरे की करे तो जिहाद, भाजपा बोली- ये हिंदुओं का अपमान

रायपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हिंदुत्व, धर्मांतरण, लव जिहाद और सांप्रदायिक हिंसा का मामला गरमाया हुआ है। मामले में बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे पर हमलावर है। जमकर आरोप-प्रत्यारोप लग रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने विश्व हिंदू परिषद और बीजेपी समर्थित छत्तीसगढ़ बंद पर हमला बोला है। उन्होंने बेमेतरा हिंसा पर बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी ने इस केस में न जांच की और न ही रिपोर्ट बनाई। सीधा आक्रमण कर दूसरे दिन बंद का आह्वान कर दिया।

सीएम ने कहा कि ऐसा लग रहा है छत्तीसगढ़ में पता नहीं क्या हो गया। जबकी दो बच्चों के झगड़े में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मौत दुखद है, चाहे वो किसी की भी मौत हो, उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन उसकी आड़ में राजनीतिक रोटी सेकने की कोशिश की गई।

सीएम ने बीजेपी पर कसा तंज

सीएम ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं की बेटी मुसलमानों से शादी की है। क्या

वह लव जिहाद नहीं है? छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े नेता की बेटी पता नहीं कहां है? उनसे पूछे क्या क्या हुआ। इनकी बेटी करे, तो लव, दूसरे की करें तो जिहाद। वहां क्यों नहीं रोकने की कोशिश की गई?

'बीजेपी का काम केवल राजनीतिक रोटी सेकना'

सीएम ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी का काम केवल राजनीतिक रोटी सेकना है। अपने दामाद नेताओं को बड़े-बड़े मंत्री और सांसद बनाकर रखे हैं। बेमेतरा हिंसा पर कहा कि इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। इसे रोकने की सबकी जिम्मेदारी है। केवल शासन-प्रशासन से नहीं हो सकता। ये समाज की जिम्मेदारी है। मैं साहू समाज को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने बहुत संयम से काम लिया, जो सही चीजें थी उसे लाकर सामने रखा। हमें बताया और हमने उस पर कार्रवाई भी की, लेकिन भारतीय जनता पार्टी केवल राजनीति कर रही है।

बीजेपी का पलटवार, ये लव जिहाद के सबसे बड़े पैरोपकारी : ओपी चौधरी

दूसरी ओर सीएम के आरोप पर बीजेपी ने पलटवार किया है। छत्तीसगढ़ बीजेपी के महामंत्री ओपी चौधरी ने पलटवार करते हुए सीएम पर जमकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सीएम भूपेश बघेल का बयान स्पष्ट बता रहा है कि वो लव जिहाद के सबसे बड़े पैरोकार हैं।

भूपेश बघेल के बयानों से स्पष्ट झलकता है कि वो हिंदुओं से कितनी नफरत करते हैं। वे छत्तीसगढ़ में लव जिहाद को स्पष्ट रूप से समर्थन कर रहे हैं। कांग्रेस की इसी मानसिकता के कारण भारत के कई टुकड़े हो चुके हैं। ओपी चौधरी ने कहा कि भूपेश अपनी राजनीति बचाने के लिए इतना बौखलाए हुए हैं। स्तरहीन बयानबाजी करते हुए छत्तीसगढ़ की बहन-बेटियों के बारे में निजी टिप्पणी कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री समेत 41 भाजपा नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज

रांची, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास, बाबूलाल मरांडी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा समेत 41 भाजपा नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बता दें कि मंगलवार को भाजपा ने सचिवालय घेराव कार्यक्रम का आयोजन किया था। जिसके चलते झारखंड सरकार ने सचिवालय के आसपास धारा 144 लागू की थी। हालांकि इसके बावजूद भाजपा नेताओं ने सचिवालय का घेराव किया था, जिसके चलते खूब हंगामा हुआ।

पुलिस ने किया था लाठी चार्ज

भाजपा नेताओं के हंगामे के चलते पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछारें कर भीड़ को तितर-बितर किया। पुलिस को प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए लाठी चार्ज भी करना पड़ा। अब प्रशासन ने धारा 144 का उल्लंघन करने पर मामला दर्ज किया और इसमें कई भाजपा नेताओं को नामजद किया गया है। अतिरिक्त जिला अधिकारी (कानून व्यवस्था) आरएन आलोक ने बताया कि धुरवा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर होने पर अर्जुन मुंडा ने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह से लाठी चार्ज हुआ, उसके चलते बुधवार को काले दिवस के रूप में मनाया गया और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। बता दें कि प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के मुद्दे पर भाजपा ने सचिवालय के घेराव कार्यक्रम का आयोजन किया था।

लैंड स्कैम केस, तीन राज्यों में ईडी की रेड

रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित कारोबारियों के 22 ठिकानों पर छापा

रांची, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। लैंड स्कैम मामले में झारखंड के आईएएस अधिकारी और रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और उनकी पत्नी के खिलाफ ईडी झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में 22 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। जांच एजेंसी की रडार पर अंचल अधिकारी और जमीन दलाल भी हैं। जमशेदपुर के कदमा स्थित घर में ईडी की टीम नोट गिनने वाली मशीन लेकर पहुंची है। बताया जा रहा है कि छवि रंजन के मास्टर बैडरुम के फ्लैट के अंदर स्पेशल सेफ्टी का इंतजाम था यहां एक ही दरवाजे पर तीन लेयर की सुरक्षा कवच थी। दूसरी तरफ आदित्यपुर स्थित आवास पर भी ईडी की टीम रेड कर रही यहां उनके रिश्तेदार को बुलाकर फ्लैट खुलवाया गया है।

रांची के पूर्व डीसी छविरंजन के साथ- साथ जिन अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है उनमें नामकुम सीओ विनोद प्रजापति, बड़गाई अंचल के सीआई भानू प्रताप, जमीन कारोबारी अशरफ खान उर्फ चुन्नू खान, हजारीबाग में प्रज्ञा केंद्र संचालित करने वाले भरत प्रसाद सहित कई लोगों के यहां छापेमारी की गयी है।

रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन

बड़गाई अंचल के सीआई भानू प्रताप के घर से ढेर सारे कागजात बरामद किए गये हैं। सभी जमीन के कागजात हैं जिसका हेर फेर करके अवैध तरीके से जमीन की खरीद और बिक्री करवाता था। सिमडेगा में ईडी की छापेमारी खत्म हो गयी। अंचल कर्मी भानु प्रताप प्रसाद को ईडी अपने साथ ले गयी है। उन्हें हिरासत में लिया गया है बताया जा रहा है कि उन्हें सिमडेगा से रांची लाया जा रहा है।

फरवरी 2018 में कारोबारी विष्णु अग्रवाल ने महुआ मित्रा और संजय कुमार घोष से 3.75 एकड़ जमीन खरीदी। इस जमीन के बदले 24.37 करोड़ रुपये का भुगतान किया। जमीन सिरमटोली चौक के पास थी। दावा किया गया जमीन भारतीय सेना के कब्जे में है। विष्णु अग्रवाल ने जमीन की रजिस्ट्री के आधार पर जमीन पर दावा किया। रांची में भारतीय सेना का महत्वपूर्ण बेस है, जमीन दलालों ने जमीन के एक बड़े हिस्से पर कथित रूप से कब्जा कर लिया था और धोखे से जमीन बेच दी गयी। आरोप है कि जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित मामला पूर्व डीसी छवि रंजन के संज्ञान में था और उनकी सहमति से यह किया गया। इसी मामले में ईडी ने विष्णु अग्रवाल से पूछताछ भी की थी।

विष्णु अग्रवाल मूल रूप से पश्चिम बंगाल के पूर्लिया के रहने वाले है। रांची में कई बड़े मॉल और होटल विष्णु के मालिक हैं। रांची के लालपुर स्थित न्यूक्लियस माल से लेकर कांके में कई होटल और जमीन के मालिक विष्णु अग्रवाल का नेता और अधिकारियों से बेहतर संबंध हैं। रांची में अभी कई जगहों पर विष्णु अग्रवाल के मॉल बन रहे हैं।

कोरोना मरीजों की संख्या 100 के पार

14 जिलों में एक्टिव हैं कोरोना के मरीज, 24 घंटे में 27 नये मरीज मिले

रांची, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में कोरोना संक्रमण का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। बुधवार को कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा राज्य में 124 के आंकड़े तक पहुंच गया। जिस रफ्तार से संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि संक्रमण का दायरा अभी और बढ़ेगा। पिछले 24 घंटे के आंकड़े पर नजर डाले, तो राज्य में 24 नये संक्रमित मिले हैं। दो मरीज स्वस्थ भी हुए हैं जाहिर है आंकड़ों में मरीजों के ठीक होने की तुलना में संक्रमितों की तुलना हर रोज बढ़ रही है। संक्रमितों का बढ़ता आंकड़ा आने वाले खतरे का बड़ा संकेत हैं। राज्य में 197 दिनों बाद ऐसा हुआ है जब एक्टिव मरीजों की संख्या सौ के आंकड़े को पार कर रही है। 27 सितंबर को राज्य में सौ से अधिक कोरोना संक्रमित मरीज थे। फिलहाल, रांची समेत राज्य के 14 जिले कोरोना की चपेट में हैं। रांची में पॉजीटिविटी दर 0.08 फीसदी है। रांची में 10 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। इन 10 के साथ सिर्फ रांची में कोरोना संक्रमितों की संख्या अब 48 पहुंच गयी है।

देवघर एम्स में लगी भीषण आग

बी ब्लॉक बिल्डिंग के निचले हिस्से में लगी आग, मची अफरा-तफरी

देवघर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देवघर स्थित एम्स में आग लग गयी है। यह आग बी ब्लॉक बिल्डिंग के निचले हिस्से में लगी है। आग लगने से मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। हालांकि इस अगजनी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस घटना की सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड देवघर की टीम पहुंची। अब एम्स परिसर में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। एम्स परिसर स्थित बी ब्लॉक में आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं कितने रुपये का नुकसान हुआ है। इसका भी आकलन किया जाएगा। घटना के दौरान एम्स में इलाज कराने आए मरीजों और अन्य लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। प्रशासन अगजनी की जांच पड़ताल में जुट गई है। प्राथमिक जांच के बाद कहा जा रहा है कि यह घटना शॉर्ट सर्किट की वजह से हुई है। बताया जा रहा है कि एम्स के जिस हिस्से में आग लगी, वह निर्माणाधीन है। वहां बड़ी संख्या में कचरे का अंबार पड़ा हुआ था। आग इसी कचरे के अंबार में लगी। वहां प्लास्टिक सहित कई ज्वलनशील वस्तुएं थी, जिस वजह से आग काफी तेजी से भड़का। इस दौरान ओपीडी के लिए आए मरीजों के बीच अफरा-तफरी मच गयी। बताया जा रहा है कि जिस कचरे के ढ़ेर में आग लगी, उसे जेसीबी की मदद से हटाया गया। उसके बाद कर्मचारियों ने खुद ही पानी डाल कर आग पर काबू पाया। इस बीच दमकल भी पहुंच चुका था। इस अगजनी ने एम्स प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है।

एम्स सूत्रों के मुताबिक प्रबंधन इस सकते में है। अजगनी की घटना जिस लोकेशन में घटी है, वहां से थोड़ी दूर पर ही ओपीडी संचालित हो रहा है। वहीं हॉस्टल और कई विभाग भी चल रहे हैं। यहां संचालित ओपीडी में हर दिन सैकड़ों की संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। एम्स सूत्रों की माने तो यहां का भवन अभी निर्माणाधीन ही है। ऐसे में यहां फायर फाइटिंग के लिए कोई मुकम्मल व्यवस्था नहीं है। प्रबंधन की ओर से फायर फाइटिंग की व्यवस्था दुरूस्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

छंटनी के बावजूद भारतीय प्रोफेशनल्स को मिले अमेरिका में रहने की इजाजत

अमेरिकी सांसदों की यूएससीआईएस से मांग

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में कई तकनीकी कंपनियों ने हाल के दिनों में बड़ी संख्या में छंटनी की है, जिससे अमेरिका में लाखों लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। छंटनी का शिकार हुए लोगों में बड़ी संख्या में भारतीय लोग शामिल हैं। अब इसे लेकर अमेरिका के सांसदों ने यूएस सिटिजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज को एक पत्र लिखा है, जिसमें मांग की गई है कि जिन उच्च प्रशिक्षित लोगों की छंटनी में नौकरी गई है, उन्हें एक निश्चित समय तक अमेरिका में ही रहने की इजाजत दी जाए, ताकि इस दौरान वह नई नौकरी ढूंढ सकें।

प्रशिक्षित कर्मचारियों को रोकना चाहता है अमेरिका

यूएस सिटिजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज के निदेशक मेंडोजा जाडोउ को अमेरिका के सांसदों जो लोफग्रेन, रो खन्ना, जिम्मी पेनेटा और केविन मुल्लिन ने एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि 'उच्च प्रशिक्षित प्रवासी आज की ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम हैं और उन्हें जबरन अमेरिका से निकालना हमारे देश के लिए दीर्घकाल के लिए ठीक नहीं है। यह हमारे लिए बेहद अहम मुद्दा है क्योंकि टेक सेक्टर में छंटनी की वजह से हाल के महीनों में बड़ी संख्या में लोगों की नौकरियां गई हैं। साल 2022 में जितनी नौकरियां गईं, उससे ज्यादा नौकरियां 2023 के कुछ महीनों में ही जा चुकी हैं।' पत्र में अपील की गई है कि यूएससीआईसी, छंटनी में प्रभावित होने वाले प्रवासियों का आंकड़ा पेश करे। साथ ही मांग की गई है कि एच-1बी वीजा धारकों को 60 दिन का ग्रेस पीरियड मिलना चाहिए, ताकि वह अपने वीजा की कानूनी अवधि खत्म होने से पहले नई नौकरी ढूंढ सकें।

छंटनी का भारतीयों पर असर ज्यादा

बता दें कि दिग्गज टेक कंपनियों जैसे गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन आदि में बड़े पैमाने पर छंटनी हुई हैं, जिसमें करीब दो लाख आईटी कर्मचारियों की नौकरियां गई हैं। इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि जिन लोगों की नौकरियां गई हैं, उनमें से 30-40 प्रतिशत एच-1बी और एल-1 वीजाधारक भारतीय आईटी प्रोफेशनल हैं। एच-1बी वीजा, एक अप्रवासी वीजा है, जिसके तहत विदेशी कामगार अमेरिका में रहकर अमेरिकी कंपनियों में काम कर सकते हैं। इस वीजा के तहत हर साल हजारों भारतीय और चीनी नागरिक, अमेरिका में जाकर काम करते हैं।

आयरलैंड में बाइडेन की सुरक्षा में बड़ी चूक

सड़क पर मिले सिक्योरिटी स्टाफ की तैनाती के डॉक्यूमेंट्स, इनमें फोन नंबर और रूट भी लिखा था

बेलफास्ट, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नॉर्थ आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की सुरक्षा में चूक हो गई। उनकी सुरक्षा में तैनात किए गए पुलिसकर्मियों से जुड़े कुछ अहम दस्तावेज सड़क पर पड़े मिले। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस पर बयान देते हुए नॉर्थ आयरलैंड पुलिस डिपार्टमेंट ने कहा- हम देश में आने वाले लीडर्स और पब्लिक फिगर्स की सिक्योरिटी को लेकर बेहद गंभीर हैं। इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इन डॉक्यूमेंट्स में बाइडेन की आयरलैंड यात्रा के लिए उनकी सुरक्षा से जुड़ी पूरी जानकारी थी। बाइडेन के ट्रैवल रूट पर कितने पुलिसवाले तैनात होंगे, उनके साथ कितने सुरक्षाकर्मी मौजूद होंगे, इन पुलिसकर्मियों के नाम लिखे हुए थे।

अमेरिकी सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स लीक करने वाले का पता चला

यूएस मिलिट्री बेस में काम करता है 20 साल का युवक, एफबीआई तलाश में जुटी

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग को लेकर अमेरिका के सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स किसने लीक किए हैं इसका पता चल गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस काम के पीछे एक 20 साल के एक युवक का हाथ है जो अमेरिका की किसी मिलिट्री साइट में काम करता है। ये युवक वीडियो गेम्स और गन्स का शौकीन है। उसने एक सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म के चैटरूम 'ठग शेकर सेंट्रल' में ये फाइल्स शेयर की थीं। दरअसल, क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स सबसे पहले गेमर्स के बीच पॉपुलर एक सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म डिस्कॉर्ड पर लीक हुए थे। यहां एक क्लबहाउस में करीब 25 लोगों के बीच 'ओजी' (ओरिजिनल गैंगस्टर) नाम के एक यूजर ने इसे शेयर किया। ओजी ने दावा किया कि उसके पास सरकार से जुड़े ऐसे सीक्रेट्स हैं जो वो आम जनता से साझा नहीं करती है। वो ये खुफिया दस्तावेज मिलिट्री साइट से अपने घर लाया है। जानकारी सामने आने के बाद एफबीआई ने युवक की तलाश शुरू कर दी है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, चैटरूम में मौजूद एक मेंबर ने उन्हें बताया कि ग्रुप के युवा सदस्यों ओजी के मैसेज को बारिकी से पढ़ने की कोशिश करते थे। एक-एक करके ये दस्तावेज शेयर करता था। इनमें से ज्यादातर सरकारी ट्रांसक्रिप्ट्स होती थीं। ओजी ने ग्रुप पर ये भी कहा था कि वो कई दिनों तक अमेरिका की एक सिक्योर फैसिलिटी में रहा था। यहां फोन या कोई और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं थी ताकी सरकारी कंप्यूटर नेटवर्क पर मौजूद गुप्त जानकारी किसी गलत सोर्स के हाथ न लग सके। ओजी ने बताया कि उसने इन डॉक्यूमेंट्स पर लिखी जानकारी हाथ से दूसरे पेपर पर कॉपी कर ली थी जिससे वो अपने साथियों के साथ इसे साझा कर सके। इन दस्तावेजों को समझाते हुए कुछ कोड वर्ड्स और शॉर्ट फॉर्म्स का मतलब भी बताया। जैसे नोफार्न का अर्थ है दस्तावेज में मौजूद जानकारी इतनी संवेदनशील थी कि इसे किसी भी हाल में दूसरे देशों के साथ साझा नहीं किया जा सकता।

डिफॉल्ट से बचेगा पाकिस्तान

सऊदी अरब के बाद यूएई भी मदद को तैयार, आईएमएफ ने रखी है पहले दोस्तों से कर्ज लेने की शर्त

इस्लामाबाद, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान एक बार फिर दिवालिया होने से बच सकता है। बुधवार देर रात पाकिस्तान सरकार के सूत्रों ने दावा किया कि सऊदी अरब के बाद अब यूएई भी पाकिस्तान को कर्ज देने को तैयार हो गया है। यह इसलिए बेहद अहम हो जाता है, क्योंकि आईएमएफ ने शर्त रखी है कि पाकिस्तान को कोई भी नया कर्ज सिर्फ तभी दिया जा सकता है, जबकि उसके दोस्त मुल्क उसके खजाने में गारंटी डिपॉजिट करें। सऊदी अरब ने पिछले हफ्ते पाकिस्तान को 2 अरब डॉलर देने का भरोसा दिलाया था। हालांकि, सात महीने में यह दूसरी बार है, जब सऊदी ने पाकिस्तान को मदद का भरोसा दिलाया हो। दूसरी तरफ, यूएई ने भी अभी सिर्फ वादा किया है। अगर यह पैसा इस महीने के आखिर तक पाकिस्तान के सरकारी खजाने में पहुंचता है तो शाहबाज शरीफ सरकार मुल्क को डिफॉल्ट होने से बचा सकती है। यूएई ने पाकिस्तान को कर्ज देने के बारे में अब तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं दिया है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार के सूत्र दावा कर रहे हैं कि इस हफ्ते के आखिर में या अगले हफ्ते 1 अरब डॉलर पाकिस्तान को मिल जाएंगे। इतना ही नहीं, यूएई पाकिस्तान और आईएमएफ को लिखित तौर पर गारंटी भी देगा। इस बारे में फाइनेंस सेक्रेटरी हमीद याकूब शेख ने पाकिस्तान को भरोसा दिलाया है।

इसके पहले, सऊदी अरब ने भी 2 अरब डॉलर देने का भरोसा दिलाया था। हालांकि, उसने किसी तरह की लिखित गारंटी देने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान सरकार यह बताने को तैयार नहीं है कि सऊदी अरब का फंड पाकिस्तान के खजाने में पहुंचा या नहीं।

पाकिस्तान की परेशानियां इसलिए भी बढ़ चुकी हैं, क्योंकि आईएमएफ ने पाकिस्तान की ग्रोथ फोरकास्ट 2% से भी घटाकर महज 0.5% कर दी है। इसके मायने ये हुए कि पाकिस्तान को दुनिया के बाकी देश या संस्थान लोन देने से पहले कई बारे सोचेंगे। दरअसल, जिस देश का ग्रोथ प्रिडक्शन कम या बेहद कम होता है तो वहां कर्ज देने से देश और संस्थान कतराते हैं।

अमेरिका पर दिए बयान पर अड़े फ्रांस के राष्ट्रपति

कहा- साथी होने का मतलब 'जागीरदार' होना नहीं

नीदरलैंड, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल ही में ताइवान पर दिए अपने बयान का बचाव किया है। उन्होंने पिछले दिनों चीन दौरे के खत्म होने के बाद फ्रांस को अमेरिका और चीन के बीच होने वाले टकराव में फंसने से बचने की सलाह दी थी मैंक्रो के इस बयान को लेकर उनकी काफी आलोचना हुई है। लेकिन मैंक्रो अपनी बात पर कायम हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका का साथी होने का मतलब 'जागीरदार' होना नहीं है।

बता दें, मैक्रों दो दिनों के नीदरलैंड्स दौरे पर गए हुए हैं। यहां उन्होंने कहा कि सहयोगी देश होने का मतलब जागीरदार होना नहीं है। इसका मतलब यह नहीं कि हम अपने बारे में सोचना बंद कर देगें। उन्होंने एक बार फिर कहा कि ताइवान की यथास्थिति पर फ्रांस के समर्थन में कोई बदलाव नहीं हुआ है। साथ ही उनका देश वन चाइना पॉलिसी का समर्थक है मगर चाहता है कि स्थिति का शांतिपूर्ण निवारण हो।

मैक्रों के इस बयान के बाद बुधवार को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर चीन के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने कहा था कि मेरे मित्र मैक्रों आजकल चीन की चाटुकारिता में लगे हैं। लेकिन मैंक्रो का कहना है कि उन्हें इन टिप्पणियों का जवाब देने की जरूरत नहीं है।

व्हाइट हाउस ने नहीं दी तवज्जो

व्हाइट हाउस ने फ्रांस के राष्ट्रपति की तरफ से दिए गए बयान को ज्यादा तवज्जो नहीं दी है। व्हाइट हाउस का कहना है कि बाइडेन प्रशासन, फ्रांस के साथ शानदार द्विपक्षीय संबंधों में सहज है और इन संबंधों पर उसे भरोसा है। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने भी मैक्रों के बयान पर इसी तरह का रुख अपनाया है। हालांकि, ताइवान के एक सीनियर अधिकारी मैक्रों की टिप्पणी पर हैरान हैं। सोशल मीडिया पर ताइवानी संसद के स्पीकर के संसद अध्यक्ष यू सी-कुन ने फ्रांस के 'स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व' के आदर्श वाक्य का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'क्या 'लिबर्टी, एगलिट, फ्रेटरनाइट' फैशन से बाहर हैं?'

चीन ने की तारीफ

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि मैक्रों की टिप्पणियों से पता चलता है कि ताइवान और चीन के बीच बढ़ती चिंताओं के लिए अमेरिका दोषी है। साथ ही उनका बयान यूरोपियन यूनियन के लिए चीन के साथ एक कठोर रुख अपनाने में मुश्किलें पैदा करने वाला है। इस बीच चीन ने मैक्रों की टिप्पणी की तारीफ की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि कुछ देश हैं जो बाकी देशों को आजाद और आत्मनिर्भर नहीं देखना चाहते हैं। ऐसे देश बाकी देशों को उनकी इच्छा का पालन करने के लिए मजबूर करते रहते हैं।

ईरान ने 2022 में 582 लोगों को दी सजा-ए-मौत

मानवाधिकार संगठन का दावा, एक साल में 75% तक बढ़ी मौत की सजा

तेहरान, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के बीच ईरान ने साल 2022 में 582 लोगों को फांसी की सजा दी। ये खुलासा गुरुवार को दो मानवाधिकार संगठनों ने एक रिपोर्ट जारी कर किया है। जो ईरान और पेरिस के हैं। इतनी बड़ी तादाद में लोगों को सजा ए मौत देने पर ईरान को फांसी देने की मशीन कहा जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान में 2022 से पहले साल 2015 में सबसे ज्यादा 333 लोगों को मौत की सजा दी गई थी। पिछले एक साल में इस तरह से सजा देने का आंकड़ा 75% तक बढ़ा है। इसे ईरान में जारी हिजाब प्रदर्शनों से जोड़ा जा रहा है।

मानावाधिकार संगठन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान लोगों को प्रदर्शनों में हिस्सा लेने से रोकने के लिए उनमें फांसी की सजा का डर पैदा कर रहा है। 4 लोगों को केवल हिजाब विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आधार पर फांसी दे दी गई। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले एक साल में ड्रग से जुड़े अपराधों में भी काफी लोगों को फांसी दी गई है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को डर है कि कहीं ईरान ड्रग्स की आड़ में प्रदर्शनकारियों को तो सजा नहीं दे रहा है। इसकी वजह ये है कि 2022 में फांसी पर चढ़ाए गए 582 लोगों में 44% लोग ड्रग्स से जुड़े अपराधों के दोषी थे। मनावाधिकार संगठन की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान फांसी की सजा देने में वहां के अल्पसंख्यक सुन्नी और बलूच समुदाय को निशाना बना रहा है। जिनकी देश की कुल जनसंख्या में केवल 2 से 6% की ही हिस्सेदारी है। 2022 में ईरान ने एक ही दिन में 12 कैदियों को फांसी दे दी गई थी। ईरान ने जिन 12 कैदियों को फांसी दी है, उनमें 11 पुरुष और 1 महिला कैदी शामिल है। ये सभी बलूचिस्तान के रहने वाले थे और सुन्नी समुदाय से ताल्लुक रखते थे। वहीं, ईरान में सबसे ज्यादा हत्या के मामलों में 288 लोगों को फांसी दी गई है।

ट्रम्प ने अपने वकील पर किया 4000 करोड़ का केस

कहा- भरोसा तोड़ा, कोहेन ने ही पॉर्न स्टार को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे

वॉशिंगटन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पूर्व वकील माइकल कोहेन पर 4,097 करोड़ रूपए का केस किया है। उन पर अपने क्लाइंट का भरोसा तोड़ने और 'द ट्रम्प आर्गनाइजेशन' के साथ किए गए गोपनीय समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

दरअसल, माइकल कोहेन पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ बनाए गए पॉर्न स्टार से जुड़े केस के मुख्य गवाह हैं। उन्होंने जूरी के सामने कई ऐसी जानकारियां दीं, जिनके आधार पर ट्रम्प के खिलाफ न्यूयॉर्क की मैनहैटन कोर्ट में 34 आरोप तय किए गए। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लॉ एक्सपर्ट एलेन सी यरोशेफस्की का कहना है कि ट्रम्प ने कोहेन पर दबाव बनाने के लिए ये मुकदमा दायर किया है।

2018 में जेल जा चुके हैं कोहेन

इसके पहले 2018 में कोहेन को धोखाधड़ी और इलेक्शन कैंपेन में इस्तेमाल होने वाले फंड में गड़बड़ी करने के आरोप में दोषी ठहराए गया था। उन्हें तीन साल की जेल हुई थी। साथ ही जुर्माना भी देना पड़ा था। जेल से बाहर आने के बाद वो ट्रम्प के आलोचकों में गिने जाने लगे।

ट्रम्प ने खुद को बेगुनाह बताया था

ट्रम्प पर पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और इलेक्शन कैंपेन के दौरान बिजनेस रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का केस चल रहा है। कोर्ट में ट्रम्प ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था- मैंने कोई अपराध नहीं किया। मैनहैटन कोर्ट ने ट्रम्प की जमानत या गिरफ्तारी पर कोई फैसला नहीं सुनाया था। इस केस की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

ट्रम्प केस में 5 अहम तारीखें

9 मई तक आरोपों से जुड़े सबूत पेश किए जा सकते हैं

8 जून तक ट्रम्प अपने बचाव के लिए सबूत दे सकते हैं

8 अगस्त तक ट्रम्प की टीम केस खारिज करने की याचिका लगा सकती है।

19 सितंबर तक ट्रम्प की केस खारिज करने की याचिका पर विरोधी पक्ष दलील देगा।

4 दिसंबर को जज मर्चेन सभी याचिकाओं पर फैसला सुनाएंगे। ट्रम्प इस दिन कोर्ट में पेश होंगे।

ट्रम्प पर कौन से 34 आरोप लगे हैं

ट्रम्प पर गलत बिजनेस रिकॉर्ड दिखाने के मामले में 34 चार्ज लगाए गए हैं। ये सभी चार्ज 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार डॉलर करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए देने से जुड़े हैं।

ट्रम्प के वकील माइकल कोहेन ने आरोप लगाया था कि उन्होंने ट्रम्प के कहने पर अपने पास से स्टॉर्मी को पैसे दिए थे, जिससे वो 2016 के चुनाव से पहले ट्रम्प के साथ अफेयर को लेकर कुछ न बोलें।

11 चार्ज चेक साइन करने से जुड़े हैं। अन्य 11 चार्ज कोहेन के कंपनी में जमा किए गए गलत इनवॉइस से जुड़े हैं और बाकी बचे 12 चार्ज रिकॉर्ड्स में गलत जानकारी देने से जुड़े हैं।

आरोप है कि ट्रम्प ने राष्ट्रपति बनने के बाद कोहेन को पैसे वापस लौटाए। इसके लिए उन्होंने 10 महीने तक कोहेन को कई चेक दिए। उन्होंने रिकॉर्ड में इसे लीगल फीस दिखाया, जो असल में एक अपराध छिपाने के लिए किया गया पेमेंट था।

आरोपों से जुड़े दस्तावेज में कहा गया है कि ट्रम्प ने लगातार न्यूयॉर्क बिजनेस रिकॉर्ड में गलत जानकारी दी, जिससे वो अपने अपराध को छिपा सकें और उन्हें चुनाव में फायदा हो।

यूक्रेनी सैनिक का गला काटकर हत्या का वीडियो वायरल

यूक्रेन ने कहा- रूस आईएसआईएस से भी खतरनाक, इसे यूएनएससी से बाहर करो

कीव, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। यूक्रेनी सैनिक की गला रेत कर हत्या करने के वीडियो पर रूस और यूक्रेन के बीच फिर से युद्ध अपराध को लेकर विवाद शुरू हो गया है। यूक्रेन ने रूस को इस हरकत के लिए आतंकी संगठन आईएसआईएस से भी बेकार बताया है। दरअसल, बुधवार से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक रूसी सैनिक यूक्रेनी सैनिक की गला रेत कर हत्या करते हुए दिख रहा है। सैनिक के कत्ल के वीडियो को यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने खतरनाक बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, कितना अजीब है कि रूस जो आतंकी संगठन आईएसआईएस से भी बेकार है वो यूएनएससी का अध्यक्ष है। दिमित्रो कुलेबा ने दूसरे देशों से अपील करते हुए लिखा कि रूस के आतंकियों को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद से बाहर निकाल देना चाहिए। इसे यूक्रेन में किए अपराधों का जिम्मेदार भी ठहराया जाए। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर कहा, रूस की हरकत को दुनिया नजर अंदाज नहीं कर सकती है। ये जानवर कितनी आसानी से मार देते हैं। हम ये सब भूलेंगे नहीं। जेलेंस्की ने ये भी कहा कि वो रूस को इन गुनाहों के लिए कभी माफ नहीं करेंगे। रूस को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। इस आतंक की हार जरूरी है। बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए यूक्रेनी सैनिक के हत्या के वीडियो की वहां की सिक्योरिटी एजेंसी एसबीयू जांच करेगी। एजेंसी ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा, वायरल वीडियो में रूसी सैनिक क्रूरता से यूक्रेन के कैदी का सिर काटते दिख रहे हैं। इसकी जांच की जा रही है।

यूरोपियन यूनियन ने भी इस वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है। ईयू की प्रवक्ता नबिला मसराली ने कहा, हमारे पास इस मामले की ज्यादा जानकारी नहीं है, हालांकि, अगर ये सही साबित होती है तो ये रूस के अमानवीय व्यवहार का एक और नमूना होगा। यूक्रेन ने पिछले महीने भी रूस पर वॉर क्राइम यानी युद्ध अपराध करने का आरोप लगाया था। यूक्रेन ने दावा किया था कि रूसी सैनिकों ने उनके एक निहत्थे युद्धबंदी सैनिक की हत्या की। इसका एक वीडियो भी रिलीज किया गया था। वीडियो में एक सैनिक सिगरेट पीता दिख रहा था। तभी उस पर ताबड़तोड़ गोलियों चलनी शुरू हो जाती हैं। जिसमें उसकी मौत हो जाती है। उसकी हत्या का वीडियो वायरल होने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने प्रतिक्रिया दी थी। जेलेंस्की ने कहा था कि हम अपने सैनिक की मौत का बदला जरूर लेंगे। वायरल वीडियो में एक सैनिक अपने ट्रेंच में खड़े होकर सिगरेट पी रहा था और कुछ बोल भी रहा था। बीबीसी के मुताबिक वो कह रहा था-यूक्रेन की जीत हो। तभी उस पर ऑटोमेटिक वेपन से गोलियां चलने लगती हैं। बीबीसी ने यह भी कहा है कि वीडियो में रूसी सैनिक की भी आवाज है। वो कह रहा है- लो मरो। अभी तक न तो मरने वाले यूक्रेनी सैनिक और ना ही उसे मारने वाले रूसी सैनिक की पहचान हो पाई है।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी में प्रिंस की फैमिली नहीं रहेगी

पत्नी मेगन-बच्चों के बिना लंदन जाएंगे हैरी रॉयल बालकनी में नहीं मिलेगी जगह

लंदन, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन में 6 मई को किंग चार्ल्स की ताजपोशी के समारोह में उनके बेटे और ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी शामिल होंगे। हालांकि, प्रिंस के साथ उनकी पत्नी और डचेस ऑफ ससेक्स मेगन मार्केल शामिल नहीं होंगी। बकिंघम पैलेस ने बताया कि प्रिंस पत्नी और बच्चों के बिना अकेले ही समारोह में शिरकत करेंगे। हालांकि, द मिरर के मुताबिक उन्हें सेरेमनी में रॉयल बालकनी में खड़े होने के लिए नहीं चुना गया है। सिर्फ वर्किंग रॉयल्स ही किंग और क्वीन कंसोर्ट के साथ बालकनी में मौजूद रहेंगे। प्रिंस हैरी और मेगन को मार्च में रॉयल फैमिली की तरफ से मेल के जरिए ताजपोशी सेरेमनी में शामिल होने का न्योता मिला था। तब कपल ने कहा था कि वो पहले ये जानना चाहते हैं कि सेरेमनी में उनके बच्चों का क्या रोल होगा और उन्हें रॉयल बालकनी में कहां जगह मिलेगी।

ताजपोशी के दिन ही बेटे आर्ची का जन्मदिन

बकिंघम पैलेस के साथ ही हैरी और मेगन ने बयान जारी कर ताजपोशी सेरेमनी में शामिल होने को लेकर अपने प्लान की घोषणा की। हालांकि, इस दौरान उन्होंने मेगन के शामिल न होने के पीछे की वजह नहीं बताई। वहीं किंग चार्ल्स की ताजपोशी के दिन ही हैरी के बेटे प्रिंस आर्ची का चौथा जन्मदिन है। इस दौरान वो अपनी मां के साथ अमेरिका में होंगे। प्रिंस हैरी की विवादित किताब स्पेयर पब्लिश होने के बाद ये पहला मौका होगा जब वो रॉयल फैमिली के साथ नजर आएंगे।

डॉक्यूमेंट्री और किताब के बाद बिगड़े रिश्ते

प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल के 2020 में राजशाही छोड़ते ही ब्रिटेन के राजपरिवार से रिश्ते खराब हो गए थे।

मार्च में किंग चार्ल्स ने ड्यूक और डचेस से रॉयल घर भी खाली करने को कहा था। ब्रिटिश अखबार 'द सन' के मुताबिक, घर खाली करने के बाद पूरा सामान अमेरिका के कैलिफोर्निया भेज दिया गया था। दरअसल, नेटफलिक्स पर आई प्रिंस हैरी की डॉक्यूमेंट्री और उसके बाद उनकी किताब 'स्पेयर' ने दोनों पक्षों के बीच विवाद को बढ़ा दिया था।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल के राजस्थान में छिपने की आशंका

सर्च ऑपरेशन जारी, डीजीपी बोले-कुछ सफलता मिली

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में पुलिस खालिस्तान समर्थक अमृतपाल की धरपकड़ के लिए पाकिस्तान बॉर्डर से सटे 5 जिलों- श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर में बड़ा सर्च ऑपरेशन चला रही है। इसके अलावा जोधपुर, जयपुर, कोटा में भी पुलिस और एजेंसियां चौकसी बरत रही हैं।

सेंट्रल एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर ही यह आशंका जताई जा रही है कि अमृतपाल राजस्थान के सरहदी इलाकों में कहीं पर शरण लेकर छिपा हुआ है। गंगानगर और हनुमानगढ़ पंजाब और पाकिस्तान दोनों के बॉर्डर एरिया पर हैं, यहां सिख समाज के लोग भी बड़ी तादाद में रहते हैं, बोलचाल, भाषा, हुलिये और पहनावे के आधार पर अमृतपाल ऐसी जगहों में शहर के बाहरी इलाकों में छिप सकता है, इसकी भी पूरी आशंका है।

थोड़ी बहुत सफलता मिली, लेकिन अभी कुछ बताना उचित नहीं-डीजीपी

राजस्थान पुलिस के डीजीपी उमेश मिश्रा ने अमृतपाल के राजस्थान में होने के इनपुट के सवाल पर कहा- '' मीडिया को सब मालूम है तो मैं क्या कह पाऊंगा। ये एक संवेदनशील इश्यू है। इसमें जब तक हमें कोई सफलता नहीं मिलती है हम कुछ भी कहने से बचेंगे। हमारी टीमें काम कर ही हैं। कुछ इनपुट है, वो क्या इनपुट है और उसका क्या आउटपुट अभी तक है, ये अगर होगा भी तो हम चाहेंगे कि पब्लिक डोमेन में अभी ना जाए। जब हमें कुछ कॉन्क्रीट सफलता मिलेगी, तो हम बता देंगे। थोड़ी बहुत मिली भी है। लेकिन अभी कुछ बताना उचित नहीं है।

राजस्थान पुलिस के साथ सेंट्रल एजेंसियों भी चला रहीं तलाशी अभियान

राजस्थान पुलिस के साथ ही सेन्ट्रल एजेंसियां भी अमृतपाल के सम्भावित ठिकानों पर रेड मार रही हैं। टेक्नोलॉजी, मुखबिर सूचना तंत्र और अमृतपाल के पकड़े गए साथियों के इनपुट के आधार पर भी खोजबीन की जा रही है। जयपुर से राजस्थान पुलिस हेडक्वार्टर से भी एक सीनियर आईपीएस अफसर को ऑपरेशन के नेतृत्व और मॉनिटरिंग के लिए भेजा गया है। अमृतपाल के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के भी संकेत मिले हैं। विदेश से उसके संगठन को फंडिंग होने का भी शक है। माना जा रहा है कि एनआईए भी इस केस में हस्तक्षेप कर सकती है।

पाकिस्तान भाग सकता है अमृतपाल

आशंका है कि राजस्थान बॉर्डर होकर अमृतपाल पाकिस्तान भागने की फिराक में है। इसके लिए वह सीमा पार से आने वाले नशे और हथियारों के तस्करों और रूट की मदद ले सकता है। बॉर्डर पार पाकिस्तान से भी एजेंसियां उसे इस काम में सपोर्ट कर सकती हैं। क्योंकि खालिस्तानी समर्थक सीमा पार भी मौजूद हैं। राजस्थान के बॉर्डर वाले जिलों में कई संभावित ठिकानों पर राजस्थान पुलिस, एजेंसियों, एटीएस,एसओजी और स्थानीय पुलिस के सहयोग से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अमृतपाल सिंह पिछले करीब 27 दिनों से फरार है।

पंजाब पुलिस भी उसे लगातार खोज रही हैं। साये की तरह उसके साथ रहने वाला पपलप्रीत हाल ही में पुलिस के हत्थे चढ़ा है। लेकिन अब तक अमृतपाल को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस ने अमृतपाल को पकड़ने के लिए आम जनता से भी सहयोग मांगा है। पंजाब पुलिस ने तो अमृतपाल सिंह की सूचना देने वाले को उचित ईनाम देने और नाम गोपनीय रखने का भी वादा किया है। जगह जगह उसके पोस्टर भी चस्पा किए हैं।

कोटा में 15 मिनट में दो जगह फायरिंग

बीजेपी नेता पर जानलेवा हमले की कोशिश, काउंटर पर लगी गोली

कोटा, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटा में बीजेपी नेता पर फायरिंग पर जानलेवा हमले का प्रयास किया गया। बदमाशों ने शोरूम पर बैठे बीजेपी नेता पर फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली काउंटर पर जा लगी और जान बच गई। इधर, ये पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। इतना ही नहीं बदमाशों ने इसके बाद बीच बाजार में एक और फायर कर दिया।

मामला जिले के कनवास कस्बे का है। 15 मिनट में हुई दो फायरिंग से व्यापारियों और लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। इसी को लेकर बुधवार देर रात मीटिंग का आयोजन किया गया और गुरुवार सुबह पूरे कस्बे को बंद रखा गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बीजेपी नेता और व्यापारी कौशल सोनी की रिपोर्ट पर पुलिस ने बदमाश अतीक और शकील के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, इस घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है।

भाजपा नेता व व्यापारी कौशल सोनी ने बताया कनवास में उनकी ज्वेलरी व बाइक का शोरूम है। बुधवार दोपहर लगभग 2 बजे बेटे व भाई के साथ शोरूम पर बैठे थे। दोनों ही शोरूम पास-पास में है। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश अतीक और शकील आए और चलती बाइक से उन पर फायर कर दिया।

गहलोत-सचिन विवाद के बीच राजस्थान प्रभारी रंधावा ने की राहुल गांधी से मुलाकात

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के मुद्दे पर कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के आवास पहुंचकर मुलाकात की।

राहुल गांधी से मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी उनके आवास पर मुलाकात की। राजस्थान कांग्रेस में एक बार फिर गहलोत-सचिन के बीच उठे राजनीतिक विवाद के बीच इन बैठकों को बेहद अहम माना जा रहा है। हालांकि मामले में पार्टी शीर्ष नेतृत्व एक्शन लेगा या फिर होल्ड कर देगा ये अभी तक साफ नहीं हो पाया है।

इससे पहले भी राजस्थान के मुद्दे पर सुखजिंदर सिंह रंधावा की मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात हुई थी लेकिन इसका ब्योरा भी अभी सामने नहीं आया है। राजस्थान में गहलोत सरकार के खिलाफ सचिन पायलट के अनशन पर बैठने की घोषणा के तुरंत बाद पार्टी ने उनके इस फैसले को अनुशासनहीनता करार दे दिया था। पहले राजस्थान से खबरें भी आईं कि रंधावा धरने के दिन जयपुर जाकर पायलट मिलेंगे, लेकिन बाद में उसे टाल दिया गया। शीर्ष नेतृत्व को लगता है कि पूरा फोकस अब टकराव की बजाए राज्य के विधानसभा चुनावों पर होना चाहिए और शायद यही कारण है कि कांग्रेस के तमाम केंद्रीय नेता गहलोत सरकार की उपलब्धियों को तवज्जो दे रहे हैं। इसके सीधे से राजनीतिक मायने यही निकलते हैं कि आलाकमान इस माहौल में पूरी तरह गहलोत के साथ खड़ा नजर आना चाहता है।

संविदाकर्मियों का स्वास्थ्य भवन पर प्रदर्शन

आप नेता संगीता गौड़ के नेतृत्व में सीएम को भेजा ज्ञापन

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। तीन सूत्री मांगों को लेकर पिछले 20 मार्च से आंदोलनरत अखिल राजस्थान मुख्यमंत्री निशुल्क दवा वितरण योजना संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर महासंघ एकीकृत के कंम्प्यूटर ऑपरेटर्स ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन आम आदमी पार्टी की नेता संगीता गौड़ के नेतृत्व में स्वास्थ्य भवन पर किया गया।

प्रदर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ज्ञापन भेजा गया। इसमें शिष्टमंडल से वार्ता के लिए आश्वस्त किया गया। आप नेता संगीता गौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के अंतर्गत प्रदेश के समस्त राजकीय चिकित्सालयों में 4396 युवा बतौर कंम्प्यूटर ऑपरेटर संविदा पर कार्य कर रहे हैं। ये कर्मचारी मांगों को लेकर 20 मार्च-2023 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट के धरने की वजह से इन संविदा कर्मियों को गवर्नमेंट हॉस्टल के सामने से हटा दिया गया। इन कर्मचारियों ने कोविड में भी अपनी बहुमूल्य सेवाएं दीं, मगर इन्हें इसकी एवज में प्रोत्साहन राशि तक नहीं दी गई।

अजमेर की बेटी गौरी ने बढ़ाया देश में राजस्थान का गौरव

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित

अजमेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर जिले की 13 वर्षीय बालिका गौरी माहेश्वरी को प्रति वर्ष दिए जाने वाले प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जिला कलक्टर अंशदीप ने बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस पर राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से देशभर के 29 बच्चों को सम्मानित किया गया। इन बच्चों में एक अजमेर की 13 वर्षीय बेटी गौरी माहेश्वरी भी प्रधानमंत्री द्वारा वर्चुअली सम्मानित हुई।इन्हें आज कलेक्ट्रेट कक्ष में मेडल, टेबलेट, सर्टिफिकेट तथा घड़ी देकर सम्मानित किया गया।उन्होंने कहा कि गौरी माहेश्वरी ने देश में नाम रोशन किया है। गौरी माहेश्वरी को कैलीग्राफी के लिए पुरस्कृत किया गया। गौरी कैलीग्राफी की 150 शैलियों में दक्ष है साथ ही ऑनलाइन क्लासेज भी लेती हैं। उन्होंने गौरी को शुभकामनाएं दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

पहले दिन अजमेर से 94 यात्रियों को लेकर चली 'वंदे भारत' ट्रेन

सांसद भागीरथ चौधरी ने दिखाई हरी झंडी

अजमेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर-जयपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन गुरुवार सुबह अजमेर स्टेशन से रवाना हुई। ट्रेन को बीजेपी सांसद भागीरथ चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले दिन अजमेर से इस ट्रेन में कुल 94 यात्रियों ने सफर किया। जिसमें से एग्जीक्यूटिव क्लास के 16 और चेयर कार के 78 यात्री शामिल रहे। वंदे भारत ट्रेन को लेकर आमजन में भी खासा उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में लोग गुरुवार सुबह स्टेशन पर पहुंचे और ट्रेन के साथ सेल्फी लेकर अपने मोबाइल कैमरा में हमेशा के लिए इन यादों को कैद कर लिया।

पैसेंजर्स बोले वंदे भारत ट्रेन में एरोप्लेन जैसी सुविधाएं

अजमेर में वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन समारोह में भाजपा के शहर अध्यक्ष रमेश सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और नेता मौजूद रहे। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों ने कहा कि इस ट्रेन में अजमेर से पहली बार यात्रा करके उन्हें खुशी है और बेहद सुखद अनुभूति हो रही है। ट्रेन में एरोप्लेन जैसी सुविधाएं हैं। इस ट्रेन से अब अजमेर से जयपुर और दिल्ली की दूरी और कम हो गई है। राजधानी एक्सप्रेस से भी एक घंटे पहले इस ट्रेन के जरिए दिल्ली पहुंचा जा सकता है। इस सेमी हाईस्पीड ट्रेन के उद्घाटन समारोह के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी के नारों से स्टेशन गूंज उठा। यात्रियों से लेकर बीजेपी नेताओं तक सभी ने इस ट्रेन की सौगात के लिए पीएम मोदी का आभार जताया।

वंदे भारत में यात्रियों के लिए ये सुविधाएं

भारत में 14 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चल रही हैं। लेकिन, राजस्थान को मिलने वाली यह 15वीं वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अपने आप में खास है। यह देश में बनी पहली सेमी हाईस्पीड ट्रेन है। इसके साथ ही इस ट्रेन में कई खूबियां हैं। वन्दे भारत में यात्रियों को कई प्रकार की सुविधाएं मिल रही हैं। ट्रेन में ऑटोमेटिक स्लाइड डोर हैं, जो ट्रेन के पूरी तरह रुकने पर ही खुलते हैं। पैसेंजर को अपना मैसेज पायलट तक पहुंचाने की भी फैसिलिटी दी गई है, एक स्विच ऑन करते ही उसकी आवाज पायलट रूम तक पहुंच जाएगी।

ट्रेन के सभी कोच सीसीटीवी कैमरा से लैस हैं। इसके साथ ही फायर एक्सटिंग्विशर, फर्स्ट एड किट और इमरजेंसी बटन भी बोगी में दिया गया है। ट्रेन के कोच के लिए लग्जरी बाथरूम तैयार किए गए हैं। इसका गेट भी ऑटोमेटिक है। टच करने पर बाथरूम का गेट खुलता है। हर कोच में डिस्प्ले बोर्ड हैं। जैसे ही अगला स्टेशन आता है, इसमें अनाउंसमेंट होता है। डिस्प्ले बोर्ड पर इमरजेंसी नंबर और जरूरी इन्फॉर्मेशन भी डिस्प्ले होती है।

2370 युवाओं को दिए गये सरकारी नियुक्ति पत्र

अजमेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर के साथ ही अजमेर में गुरुवार को रोजगार मेले के तहत युवाओं को सरकारी नियुक्ति पत्र दिए गए। अजमेर में युवाओं को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के द्वारा 2370 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2047 में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, तो उसके अंदर युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका होगी। इस कल्पना को लेकर उनकी गवर्नमेंट काम कर रही है। साथ ही आर्थिक दृष्टि से भारत 5वें स्थान पर पहुंचा है, हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में भारत दूसरे या तीसरे स्थान पर पहुंचे इस दिशा में काम किया जा रहा है।

कृषि केंद्रीय राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने रोजगार मेले में युवाओं को नियुक्ति पत्र देने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की कल्पना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। गुरुवार को रोजगार मेले के माध्यम से देशभर में 71 हजार युवाओं को रोजगार के लिए सरकारी नियुक्ति पत्र प्रधानमंत्री के कर कमलों द्वारा दिए गए। अजमेर में 2370 युवाओं को रोजगार के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। निश्चित रूप से आने वाला कल जो भारत का भविष्य है कि हम भारत को विकसित राष्ट्रीय बनाएं। जब 2047 में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा तो उसके अंदर युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका होगी। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में स्टार्टअप योजना, स्किल डेवलपमेंट सहित विभिन्न योजनाएं प्रारंभ की है।

मेघवाल ने बताया कि निश्चित रूप से देश अब आगे बढ़ चुका है और भारत आने वाले समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत बनेगा।

भरतपुर मूर्ति विवाद : विश्वेंद्र सिंह और बेटा अनिरुद्ध आमने-सामने

मंत्री बोले-आज सूरजमल जी होते तो यही करते

भरतपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराजा सूरजमल जाट की मूर्ति बैराना मोड़ पर नहीं लगाने के पिता विश्वेन्द्र सिंह के फैसले के बाद उन्हीं के बेटे अनिरुद्ध सिंह विरोध में उतर आए हैं। अनिरुद्ध सिंह ने ट्वीट कर लिखा है आज जिस तरह से महाराजा सूरजमल जी और जाट सरदारी का अपमान हुआ है, वह शर्मनाक है। मैं किसी पार्टी या राजनीति में नहीं हूं। मैं सदैव अपने समाज के साथ था, हूं और रहूंगा। दोपहर एक बजे नदबई आप सभी के पास पहुंच रहा हूं। जय महाराजा सूरजमल जी।

दूसरी ओर तनाव के हालातों के बीच मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने सार्वजनिक अपील जारी की है, जिसमें जाट समाज से बड़ा दिल रखने को कहा गया है। मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने अपने लेटरहेड पर जारी अपील में लिखा है कि मैं बैलारा और आसपास के सभी गांवों की सरदारी को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने महाराजा सूरजमल जी के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और उनकी मूर्ति यहां लगाने की मांग प्रस्तुत की। आज मैं एक प्रश्न अपने आप से और आप सभी से पूछना चाहता हूं कि आज अगर महाराजा सूरजमल जी जीवित होते, यह निर्णय उन्हें लेना होता कि इस स्थान पर महाराजा के पूर्वज की मूर्ति लगे या एक कमजोर वर्ग से आने वाले महापुरुष की, तो निश्चित रूप से महाराजा सूरजमल जी अपने पूर्वज के बजाय कमजोर वर्ग के महापुरुष को प्राथमिकता देते।

विश्वेंद्र सिंह की अपील-जाट समाज बड़ा दिल रखे

विश्वेन्द्र सिंह ने आगे लिखा-मैं सभी जाट सरदारी से आह्वान करता हूं कि वह बड़ा दिल रखें। जो भी आपको और आपके समाज को जातीय भेदभाव के लिए आरोपित करना चाहते हैं, उनके प्लान फेल कर दीजिए। जाट स्वाभिमानी हैं, लेकिन बलिदान उनका परम धर्म है। आपकी जनभावनाओं को देखते हुए मैं घोषणा करता हूं कि महाराजा सूरजमल जी की मूर्ति नेशनल हाईवे पर स्थित डहरा मोड़ पर लगवाऊंगा। सूरज पूर्व में हो या पश्चिम में, वह सूरज ही रहता है। उसका तेज, उसका उजाला, उसकी ऊर्जा, उसका प्रताप कोई स्थान या दिशा पर निर्भर नहीं करता। महाराजा सूरजमल जी की मूर्ति जिस स्थान पर लगेगी, उस स्थान का ही गौरव बढ़ेगा। मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने आगे लिखा कि विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने आग्रह किया है कि आप महाराज हैं, आप ही रास्ता निकालिए।

एसपी को कहा था-मुझे मार देंगे, अब मिली लाश

बेटियों के सामने पिता की लाठियों से पीट-पीट कर हत्या

बाड़मेर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर में व्यक्ति की लाठियों से पीट-पीट कर हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। आक्रोशित परिजन और समाज के लोग मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठे गए है। आरोप है कि जमीन विवाद को लेकर महिला समेत 17 लोगों ने बेटियों के सामने व्यक्ति की हत्या कर दी।

इतना ही नहीं जान बचाने आए लोगों को धमकाया भी कि यदि कोई बचाने आया तो उसे जान से मार देंगे। परिजनों का आरोप है कि मृतक कोजाराम ने 15 मार्च को ही बाड़मेर एसपी को शिकायत देकर बता दिया था कि उसकी जान को खतरा है लेकिन इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई और अब हत्या कर दी गई है। दरअसल, बाड़मेर जिले के गिराब थाना क्षेत्र के असाड़ी गांव में बुधवार सुबह करीब 10 बजे असाड़ी निवासी कोजाराम (40) की हत्या कर दी गई थी।

बच्चे को लेकर ट्रेन से कटने आई महिला, 5 सेकेंड में गेटमैन ने बचाया

सास ने डांटा तो सुसाइड करना चाहती थी

अलवर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर में महिला अपने तीन साल के बच्चे को ट्रैक पर सुसाइड करने जा पहुंच गई। चंद सेकेंड में वहां से ट्रेन गुजरने वाली थी तभी गेटमैन ने दौड़कर पहुंचा और बच्चे सहित महिला खींचकर पटरी से हटाया। मां और बेटे की जान बच गई। इसके महज 5 सेकेंड बाद ही ट्रेन वहां से धड़धड़ाती हुई गुजर गई।

बताया जा रहा है कि महिला को उसकी दादी सास ने किसी बात पर डांटा था, उसी से नाराज होकर महिला अपने बच्चे को लेकर सुसाइड करने चल पड़ी थी। मामला रामगढ़ अलवर-मथुरा रेलमार्ग का है। घटना मंगलवार की बताई जा रही है, लेकिन इसका वीडियो अब सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद महिला सपना को थाने लाया गया, यहां उसे पाबंद कर घर भेज दिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि बेटे का ध्यान रखने को लेकर दादी सास ने डांट लगाई थी।

पीड़ित परिवारों के साथ दिल्ली पहुंचे राजेंद्र राठौड़

सुप्रीम कोर्ट में दायर करेंगे एसएलपी

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर बम ब्लास्ट मामले में राजस्थान सरकार पर विपक्ष लगातार दबाव बनाए हुए है। 15 दिन से ज्यादा होने के बाद भी राजस्थान सरकार ने अब तक बम ब्लास्ट के आरोपियों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) दायर नहीं की है। बीजेपी इस मामले में सरकार पर लगातार हमलावर है।

इसी क्रम में बीजेपी अब बम ब्लास्ट पीड़ितों के साथ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करने जा रही है। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ बुधवार रात जयपुर ब्लास्ट के पीड़ित परिवारों के साथ दिल्ली पहुंच गए। बता दें कि राजेंद्र राठौड़ की ओर से एसएलपी दायर करके हाईकोर्ट की ओर से जयपुर ब्लास्ट के आरोपियों को बरी किए जाने के आदेश को चुनौती दी जाएगी। बीजेपी राजस्थान सरकार पर इस मसले पर कमजोर पैरवी का आरोप लगा रही है। 8 बम धमाकों में 71 लोगों की मौत हो गई थी और 185 से अधिक घायल हुए थे। इस ब्लास्ट मामले के चार आरोपियों को विशेष न्यायालय ने फांसी की सजा सुनाई थी। बाद में उसी आदेश को 30 मार्च राजस्थान हाईकोर्ट ने रद्द करते हुए सभी आरोपी मोहम्मद सैफ, सलमान, सैफुर्रहमान और सरवर आजमी को बरी कर दिया था।

वहीं, इस मामले में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने रतनगढ़ विधायक अभिनेष महर्षि के लिए डीजीपी से सुरक्षा मांग की है। जोशी ने अपने पत्र में लिखा कि विधायक अभिनेष महर्षि और उनके परिवार को फोन पर असामाजिक, गुंडा तत्वों की तरफ से जान से मारने की धमकी दी गई है, जिसके बाद से उनके परिजनों और विधायक अभिनेष महर्षि को अनहोनी का भय और जान माल का खतरा बना हुआ है।

गहने-कैश लूटकर भागी दुल्हन, 7 दिन बाद घर छोड़कर भागी

जयपुर, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में नई नवेली दुल्हन के गहने-कैश लूटकर भागने का मामला सामने आया है। शादी के 7 दिन बाद ही वह घर छोड़कर भाग गई। शादी के लिए दुल्हे ने 9 लाख रुपए खर्च किए थे। कोतवाली थाने में पीड़ित ने लुटेरी दुल्हन सहित गैंग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि हरिचंद्र मार्ग निवासी 36 साल के दूल्हे ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया कि उसकी उम्र बढ़ने के साथ शादी की टेंशन बढ़ रही थी। साल 2022 में उसकी मुलाकात राजेन्द्र यादव निवासी चौमूं से हुई। शादी को लेकर बातचीत होने पर उसे कहा कि मैं तुम्हारी शादी करवा सकता हूं। 8-10 लाख रुपए खर्चा करना पड़ेगा। शादी के लिए हामी भरने पर उसने अपने रिश्तेदारों से मिलवाया। बिहार निवासी लड़की का फोटो और आधार कार्ड दिखाया। लड़की पसंद आने पर कहा कि बिहार में शादी करनी पड़ेगी।

डेटा चोरी को रोकने के लिए चोरी के मोबाइल फोन को ब्लॉक करेगी तेलंगाना पुलिस

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिसकर्मियों को अब चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि डेटा का दुरुपयोग न हो। प्रशिक्षण दूरसंचार विभाग द्वारा प्रदान किया जा रहा है जिसने हाल ही में सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल पेश किया है, जिसमें स्टेशन स्तर पर पुलिस डेटा चोरी को रोकने के लिए चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन को ब्लॉक कर सकती है। सीईआईआर दूरसंचार विभाग की एक पहल है।

पुलिस महानिदेशक, अंजनी कुमार ने गुरुवार को परियोजना पर प्रशिक्षण ले रहे पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत की। राज्य के सभी 746 थानों के पुलिसकर्मियों को सीईआईआर के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जाएगा और प्रशिक्षण के बाद परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा।

हर पुलिस स्टेशन को एक यूजर आईडी और पासवर्ड प्रदान किया जाएगा। पुलिस स्टेशन में संबंधित व्यक्ति सीईआईआर में लॉग इन करने के बाद नंबर को ब्लॉक करने में सक्षम होगा, अगर गैजेट बरामद हो जाता है तो इसे सॉफ्टवेयर का उपयोग करके आसानी से अनब्लॉक किया जा सकता है। डकैती जैसे गंभीर अपराधों से लेकर गैजेट्स से जुड़े अपराध तक अपराध की प्रकृति एक समय में बदल गई है।

आजकल सभी अपराध गैजेट्स से जुड़े हुए हैं। पहचान की चोरी आज सबसे बड़ा अपराध है। एक व्यक्ति चोरी किए गए डेटा के साथ समान पहचान वाला दूसरा व्यक्ति बना सकता है।

अतिरिक्त महानिदेशक सीआईडी महेश मुरलीधर भागवत ने कहा कि कॉन्स्टेबल से लेकर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) तक विभिन्न रैंक के 60 अधिकारियों ने गुरुवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी अपनी इकाइयों में लौट आएंगे और थाना स्तर के नोडल अधिकारियों को उक्त प्रशिक्षण देंगे।

निम्स में 12 साल के बच्चे का किडनी ट्रांसप्लांट किया गया

स्वास्थ्य मंत्री ने सर्जरी करने वाली टीम की सराहना की

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) की यूरोलॉजी टीम ने एक 12 साल के लड़के को बाल चिकित्सा से संबंधित गुर्दा प्रत्यारोपण सर्जरी के साथ नया जीवन दिया है। गुर्दे की बीमारी के अंतिम चरण से पीड़ित था। महबूबनगर का रहने वाला यह बच्चा एक गरीब पृष्ठभूमि से है, जहां उसके पिता दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करते हैं। किडनी दान करने वाली मां एक गृहिणी है। लड़का एक जन्मजात समस्या से पीड़ित था जिसे बाइलेटरल वेसिकोयूरेटिक रिफ्लक्स एसोसिएटेड यूरोपैथी कहा जाता था और किडनी फेल होने का पता चला था और तब से वह डायलिसिस पर था। चरणबद्ध प्रक्रियाओं की योजना बनाते हुए, यूरोलॉजी टीम ने पहले चरण में लैप्रोस्कोपिक बायां नेफ्रोरेक्टेक्टॉमी, बायीं किडनी और उसके मूत्रवाहिनी को हटाने के लिए एक सर्जरी की, जिसके बाद आगे अनुकूलन और दाएं नेफ्रोएंटेरेक्टोमी और दूसरे चरण के रूप में एक ही सिटिंग में लाइव संबंधित रीनल ट्रांसप्लांट किया गया। सर्जरी का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर और यूरोलॉजी के प्रमुख डॉ. राहुल देवराज ने कहा कि लड़का एक सरकारी अस्पताल में प्रत्यारोपण सर्जरी कराने वाले सबसे कम उम्र के लोगों में से एक है। तेलंगाना आरोग्यश्री योजना के तहत प्रत्यारोपण सर्जरी मुफ्त में की गई। प्रत्यारोपण के बाद, लड़का अच्छी तरह से ठीक हो गया है और गुर्दे के कार्य सामान्य हो गए हैं, सीरम क्रिएटिनिन 7 से 0.4 तक गिर गया है, डॉ. देवराज ने कहा, जिस मां ने किडनी दान की है, वह भी अच्छा कर रही है। डॉक्टरों की टीम में प्रोफेसर डॉ. राम रेड्डी, डॉ. विद्यासागर, डॉ. रामचंद्रैया, डॉ. चरण, डॉ. धीरज, डॉ. विनय, डॉ. सुनील, डॉ. अरुण, डॉ. विष्णु, डॉ. हर्ष, डॉ. जानकी , डॉ. पवन, डॉ. सूरज, डॉ. पूवरासन, डॉ. अनंत, डॉ. शाहरुख़, डॉ. निर्मला, डॉ. इंदिरा, डॉ. किरण, डॉ. शिबानी डॉ. स्वर्णलता, डॉ. गंगाधर और डॉ. भूषण राजू आदि शामिल रहे। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव और निम्स के निदेशक डॉ भिरप्पा ने सर्जरी करने के लिए टीम को बधाई दी।

टीएसडब्लूआर सीओई बेलमपल्ली के छात्र सैनिक स्कूल में चयनित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (टीएसडब्लूआर सीओई बेलमपल्ली) के छात्रों ने सैनिक स्कूलों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बुधवार को प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया।

टीएसडब्लूआर सीओई बेलमपल्ली के प्रिंसिपल सैदुलु इनाला ने कहा कि संस्थान के तीन छात्रों ने प्रवेश परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करके सैनिक स्कूलों में दाखिला लिया। छात्र दुर्गम संजय, एस्किला ऋषिक और कंपेली जसवंत है, जो केंद्र में दसवीं कक्षा में पढ़ रहे है।

रामनवमी व हनुमान जयंती के सफल आयोजन के बाद चारमीनार के पुलिस इंस्पेक्टर गुु नायुडू का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सेन व बंटी खंडेलवाल।

वरिष्ठ अधिवक्ता एम. पापारेड्डी नहीं रहे

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च न्यायालय एवं सिविल न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एम. पापा रेड्डी का बुधवार को आकस्मिक निधन हो गया। समाजसेवी बी.पी. सिंघल ने जानकारी देते हुए बताया कि एम.पापा रेड्डी के साथ उनका लंबे समय से जुड़ाव रहा। भारी दुख व्यक्त करते हुए श्री सिंघल ने बताया कि स्व. एम. पापा रेड्डी हैदराबाद के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता, भू-राजस्व के मामलों के विशेषज्ञ के अलावा वे कई सामाजिक संगठनों से जुड़े थे। उनका निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

स्वास्थ्य सबसे बड़ा वरदान : गज्जला योगानंद

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सेरिलिंगमपल्ली डिवीजन के तत्वावधान में केयर हॉस्पिटल्स के सहयोग से स्थानीय सेरिलिंगमपल्ली डिवीजन, पपिरेड्डी कालोनी में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने भाग लिया। गज्जला ने चिकित्सा शिविर में भाग लेने वालों का हालचाल जाना। चिकित्सीय जांच के बाद योगानंद के हाथों दवाइयां बांटी गईं। इस अवसर पर बोलते हुए योगानंद ने कहा कि स्वास्थ्य एक बड़ा वरदान है। उन्होंने बताया कि सभी लोग विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें बीपी, शुगर, जनरल फिजिशियन सहित अन्य सभी प्रकार की चिकित्सा सेवाएं निःशुल्क प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि हर साल लोगों के लिए निःशुल्क शिविर की व्यवस्था कर निरोगी बनाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने वाले केयर अस्पतालों के चिकित्सकों, स्टाफ व डिवीजन लीडर्स को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

राजू शेट्टी कुरुमा, कंचना कृष्णा, वेंकट मारम, शांति भूषण रेड्डी, राधा मूर्ति, बिमानी विजया लक्ष्मी, विनीता सिंह, सत्य कुरुमा, टप्पा रघु, बलराजू, वनमा श्रीनिवास, पी. श्रीनिवास, कौशल्या, बी. स्वाति, श्रीनिवास, मारम प्रसाद, कल्याण, मुरली, शिवा, भाजपा नेता, कार्यकर्ता व स्थानीय लोग

नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर 16 से, तैयारी जारी

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी खेल संघ के मुख्य संरक्षक एवं मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप ने बताया कि इस माह की 16 तारीख से छावनी खेल संघ के तत्वावधान में नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर जम्पना ने छावनी के खेल सदस्यों के साथ बोईनपल्ली खेल मैदान का निरीक्षण किया। तत्पश्चात छावनी खेल महामंत्री प्रभु कुमार गौड़ ने मीडिया कांफ्रेंस में बोलते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों से समर कैंप आयोजित होते रहे हैं, लेकिन कोरोना के कारण हम दो वर्ष तक नहीं कर सके। हालांकि अभी तक सरकार की तरफ से कोई मदद और सहयोग नहीं मिला है, लेकिन जम्पन्ना प्रताप के सहयोग से हम इसे आगे बढ़ा रहे हैं। समर कैंप के अलावा दानदाताओं के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर की खेलकूद, राज्य स्तरीय व जिलास्तरीय प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया है। इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कैंटोनमेंट बोर्ड के सीईओ मधुकर नाइक ने किया है। कार्यक्रम में छावनी खेल प्रतिनिधि सत्यनारायण, जयराज, जगदीश, सुधीर, संतोष सहित अन्य ने भाग लिया।

बिहार एसोसिएशन ने अर्पित किया श्रद्धा सुमन

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्यों में प्रमुख सदस्य स्व. राजू झा का असामयिक स्वर्गवास हो गया। उनके चित्र पर बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के अध्यक्ष हरेराम सिंह के नेतृत्व में सदस्यों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य द्वारा संयुक्त रूप से उनके आकस्मिक निधन को बिहारी वेलफेयर ट्रस्ट एवं बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के लिए अपूरणीय क्षति बताया जिसकी भरपाई करना असंभव है। प्रार्थना सभा में उपस्थित बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह, उपाध्यक्ष अशोक प्रसाद सिंह, बिरेंद्र प्रसाद सिंह, आनंद ओझा, मनोज यादव एवं अन्य सम्मिलित हुए।

शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच गड्डीमैसमा एवं मारवाड़ी समाज के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रकल्प अमृतधारा के तहेत गंडीमैसमा चौरस्ता पर शीतल जल की प्याऊ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित शाखा अध्यक्ष मंगल मुलेवा मंत्री कैलाश सोलंकी कोषाध्यक्ष मुरली मनोहर के साथ ही समाज के बहुत सारे समाजसेवियों एवं गणमान्य जनों की उपस्थिति रही। आज यहाँ प्रेस वज्ञप्ति में शाखा के अध्यक्ष मंगल मुलेवा ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए शाखा की और से राहगीरों के लिए आज शीतल जल प्याऊ लगाया गया। जिसका विधिवत शुभारंभ. समाजसेवी मूलाराम पवार बुधाराम कुमावत सुरेशजी बर्फा नरेशजी सीरवी के द्वारा रिबन काटकर उद्घाटन किया गया, इस कार्यक्रम के लिए समाज के गणमान्य बंधुओं ने युवा मंच के सदस्यों की ख़ूब सराहना की एवं उनको इस सेवा कार्य के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष मंगल मुलेवा, मंत्री कैलाश सोलंकी, कोषाध्यक्ष मुरली मनोहर, उपाध्यक्ष पर्वत विश्नोई, धर्माराम सीरवी, किशोर बर्फा, अशोक गहलोत, सुनील कच्छावा, दिनेश अकोदिया, पूराराम सीरवी, पूर्व अध्यक्ष राजूराम कुमावत, के साथ ही और भी मारवाड़ी समाज के बन्धु शामिल हुए।

अग्र महिला मंच व अग्र महिला समिति ने पिलाई छाछ व किया अन्नदान

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच व अग्र महिला समिति के संयुक्त तत्वावधान में अन्न, जल और छांछ वितरण सेवा कार्य, गगनमहल रोड दोमलगुड़ा पर बड़े ही सफलता से संपन्न हुआ। प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के चलते सभी ने ठंडी छांछ, जल, खट्टे चांवल का लाभ लिया प्रेमलता अग्रवाल द्वारा भी बच्चों को बिस्किट्स वितरित किए गए। अग्र महिला मंच की सहायता कोष की संयोजिका मंजू केजरीवाल ने बताया कि 1000 ग्लास छांछ का राहगीरों व अन्यों ने लाभ उठाया। अग्र महिला समिति की संयोजिकाएं सरला अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, (केएस सदस्या) पूजा गुप्ता, रश्मि अग्रवाल ने भी भरपुर सहयोग दिया। इस सेवा कार्य के लिए आर्थिक सहयोग सीमा पंसारी, कीर्ति अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, कुसुम अग्रवाल, सरला जिंदल, मंजू केजरीवाल, माया गुप्ता, वनिता अग्रवाल, सरला अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, मधु अग्रवाल, रूपलता केडिया, सुधा दादू, दीप्ति अग्रवाल, सरोज देवी अग्रवाल, पुष्पा गुप्ता, आशा अग्रवाल का रहा। इस अवसर पर अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल, मधु गोयल, सीमा गर्ग, सुनीता गुप्ता,केडिया भाभी,आशा अग्रवाल, सुमन अग्रवाल व अन्यों ने समय पर शामिल हो कर सहयोग दिया खट्टे चांवल व छांछ की व्यवस्था करने में विजय कुंचल जी एवम् कला का सहयोग रहा।

गुरुवार को अग्निशमन सप्ताह समारोह के वॉल पोस्टर का अनावरण करते हुए मदनूर के तहसीलदार अनिल, दमकल अधिकारी, स्थानीय सरपंच व अन्य। अग्निशमक सप्ताह 14 से लेकर 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

अदिति सिंह

माता : सरिता सिंह
पिता : मुकेश सिंह

शिव शक्ति महिला शाखा मोतीनगर द्वारा हनुमान चालीसा पाठ संपन्न

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना शिव शक्ति महिला शाखा मोतीनगर द्वारा श्री हनुमान चालीसा का पाठ एवं कीर्तन श्री हनुमान मंदिर, पांडुरंगा नगर मोतीनगर पर किया गया। वेणुगोपाल द्वारा भजन कीर्तन करवाए गया तथा लगभग 60 हनुमान भक्तों ने हनुमान चालीसा पाठ व भजन का संपूर्ण आनंद लिया। सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था रखीं गई। इस अवसर पर शाखा से अध्यक्ष सुमन अग्रवाल, उपाध्यक्ष गौरी अग्रवाल, मानद मन्त्री संध्या अग्रवाल, सहमन्त्री किरण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पायल अग्रवाल, केन्द्रीय समिति सदस्य दीपा अग्रवाल तथा मोती नगर शाखा के अध्यक्ष राजेश केडिया, नागेश अग्रवाल, एसआर नगर शाखा के अध्यक्ष हेमचंद गुप्ता, बीजेपी महिला मोर्चा से श्रीमती शोभा राजन, चांदनी अग्रवाल,आरती अग्रवाल, अंगूरी अग्रवाल, हेतल व सुनीता व अन्य भक्त उपस्थित थे। दीपा अग्रवाल ने धन्यवाद दिया।

निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद ने दमरे जीएम अरुण कुमार जैन से सिकंदराबाद रेल निलयम में मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र में जारी रेल परियोजनाओं के बारे में विचार-विमर्श किया।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता बडेर सभा भवन में स्व. श्रीमती अणसीबाई वरपा की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए डूंगाराम वरपा, सीए जस्साराम वरपा, हंसाराम वरपा, सीरवी समाज अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, पुखराज आगलेचा, महेन्द्र देवड़ा, रामलाल वरपा, सोहनसिंह राजपुरोहित व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुना है 2024 ...

पहले दिल्ली में धरना करने वाली थीं ममता :

ममता का ये धरना पहले दिल्ली में अंबेडकर की मूर्ति के सामने होने वाला था, लेकिन बाद में उन्होंने कोलकाता में ही धरने पर बैठने का फैसला किया। भुवनेश्वर जाने के दौरान ममता ने बताया था कि वह 29 और 30 मार्च को केंद्र सरकार के खिलाफ धरना देंगी।

उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार आम आदमी के पैसे को रोककर रख रही है। बंगाल में लोगों के रोजगार के पैसे केंद्र को लौटाने ही होंगे। ममता ने कहा था कि गैस की कीमतें बढ़ रही हैं। इसलिए मैं दो दिन के धरने पर बैठने जा रही हूं।

केंद्र के पास बंगाल का 7 हजार करोड़ रुपये बकाया :

ममता ने बताया कि केंद्र सरकार के पास राज्य का 7 हजार करोड़ रुपया बकाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले बकाए भी नहीं दिए। 55 लाख घरों के निर्माण के लिए आवास योजना का पैसा अभी तक नहीं दिया गया है। हम 12 हजार गांवों में खराब सड़कों की मरम्मत करवा रहे हैं। यह सब मैं अपने पैसे से कर रही हूं। मुझे 100 दिनों के काम, सड़क, आवास के लिए केंद्र से 1 लाख 15 हजार करोड़ रुपये मिलते हैं।

बंगाल सीएम ने बीजेपी को पाखंडी कहा था :

ममता ने बीजेपी को पाखंडी बताया था। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में केंद्रीय एजेंसियों के जरिए विपक्ष को लगातार परेशान किया जाता है, लेकिन जैसे ही कोई विपक्षी नेता भाजपा जॉइन करता है, वह निर्दोष हो जाता है। ये है बीजेपी वाशिंग मशीन का जादू।

कर्नाटक में भाजपा ...

ठेकेदार संतोष पाटिल ने उन पर आरोप लगाकर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद उन्हें अप्रैल 2022 में मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि जांच के बाद उन्हें क्लीन चीट दे दी गई थी।

केजीएफ सीट से अश्विनी संपांगी चुनाव लड़ेंगे :

कोलार गोल्ड फील्ड (केजीएफ) से भाजपा ने अनुसूचित जाति के उम्मीदवार अश्विनी संपांगी को मैदान में उतारा है। दावणगेरे उत्तर से मौजूदा विधायक रवींद्रनाथ का टिकट काट दिया गया है। उनकी जगह लोकीकेरे नागराज को उम्मीदवार बनाया गया है।

बिंदूर के मौजूदा विधायक सुकुमार शेट्टी का नाम भी दूसरी लिस्ट में नहीं है। उनकी सीट से गुरुराज गुंटूर को टिकट दिया गया है। हावेरी से नेहरू ओलेकर की जगह गवीसिद्दप्पा को मैदान में उतारा गया है। चामुंडेश्वरी से जेडीएस विधायक जीटी देवेगौड़ा के दामाद रामचंद्र गौड़ा को टिकट दिया गया है।

भाजपा ने पहली लिस्ट में 189 कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी की थी :

भाजपा ने मंगलवार रात कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 189 कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी की थी। इसमें सिर्फ 8 महिलाएं थीं। सीएम बसवराज बोम्मई शिगगांव से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र अपने पिता के शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। अब सिर्फ 35 नामों का ऐलान होना बाकी है।

वहीं, टिकट न मिलने पर कर्नाटक के पूर्व डिप्टी सीएम लक्ष्मण सवादी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने बुधवार को कहा था कि मैं गुरुवार को और कड़ा फैसला लूंगा और शुक्रवार को अपना काम शुरू कर दूंगा। उनके इस्तीफे को लेकर राज्य के कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार ने कहा है कि वे उनके संपर्क में नहीं हैं।

कर्नाटक कांग्रेस के प्रमुख डी शिवकुमार के खिलाफ लड़ेंगे मंत्री आर अशोक :

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि अपनी परंपरागत चिकमंगलूर सीट से चुनाव लड़ेंगे। मंत्री आर अशोक को दो सीटों से मैदान में उतारा जा रहा है। वे राज्य के कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार के खिलाफ कनकपुरा से और इसके अलावा पद्मनाभनगर सीट से भी चुनाव लड़ेंगे।

मंत्री वी सोमन्ना भी दो सीटों पर अपनी किस्मत आजमाएंगे। वरुणा सीट से उनका मुकाबला कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से होगा। पार्टी ने उन्हें चामराजनगर से भी टिकट दिया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सुधाकर के. चिक्कबल्लापुर सीट तो मंत्री डॉ. अश्वथनारायण सीएन मल्लेश्वरम सीट से किस्मत आजमा रहे हैं।

भाजपा ने ओबीसी से 32, एससी से 30, एसटी से 16 और 5 वकीलों को टिकट दिया है। केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने नई दिल्ली स्थित पार्टी हेडक्वार्टर पर ये लिस्ट जारी की।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2023

फिर छाईं हरियाणवीं रेसलर ; देश की झोली में डाले 7 पदक, अंतिम पंघाल ने जीता सिल्वर

पानीपत, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2023 में एक बार फिर हरियाणवियों ने अपना लोहा मनवाया है। देश की महिला खिलाड़ियों ने भारत की झोली में फिर से पदक डाले हैं। अपने दांव-पेच के बल पर अंतिम पंघाल ने सिल्वर जीता है। जबकि अंशु मलिक (57 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), मनीषा (65 किग्रा), रीतिका हुड्डा (72 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते हैं।

इस चैंपियनशिप में भारत को कुल 7 पदक मिले हैं। साई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने 2 सिल्वर और 5 कांस्य पदक जीते हैं।

तकनीकी कारणों से फाइनल में हारीं अंतिम पंघाल

इस साल अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे भारत के उभरते एथलीटों

अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा भारत

में से एक अंतिम पंघाल ने बुधवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीता। 18 साल की पंघाल ने 53 किग्रा के फाइनल तक पहुंचने के अपने सफर में सिर्फ एक अंक गंवाया।

फाइनल में उसकी प्रतिद्वंद्वी जापान की 2021 विश्व चैंपियन अकारी फुजिनामी थीं, जिसने तकनीकी श्रेष्ठता के माध्यम से अंतिम पंघाल को 10-0 से हराया।

तकनीकी श्रेष्ठता से कांस्य जीती अंशु मलिक

2021 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता अंशु मलिक ने तकनीकी श्रेष्ठता के माध्यम से मंगोलिया की एर्डेनेसुवद बैट एर्डीन के खिलाफ 10-0 से कांस्य पदक जीता। इससे पहले, पूर्व एशियाई चैंपियन और अंतिम स्वर्ण पदक विजेता जापान की साए नानजो ने चीन की क्यू झांग और सिंगापुर की डेनिएल सु चिंग लिम पर जीत हासिल करने के बाद सेमीफाइनल में 5-1 से हराया था।

टोक्यो 2020 ओलंपियन सोनम मलिक 2017 के विश्व चैंपियन मंगोलिया की ओरखोन प्योरवदोर्ज के खिलाफ अपना क्वार्टर फाइनल मैच हार गईं, लेकिन प्योरवदोर्ज के फाइनल में पहुंचने के साथ, सोनम मलिक ने रेपेचेज के माध्यम से कांस्य पदक हासिल किया। कांस्य पदक के मुकाबले में सोनम मलिक ने 2019 एशियाई चैंपियन और मौजूदा विश्व नंबर 2 चीन की जिआओजुआन लुओ को 5-1 से हराया।

शूटिंग फिर पुराने फॉर्मेट में, आईएसएसएफ ने नियम वापस लिए

2020 ओलिंपिक के बाद बदले थे नियम, टॉप-2 शूटर्स के बीच होता था फाइनल्स

नई दिल्ली, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। शूटिंग की सबसे बड़ी संस्था इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन ने नए नियमों को वापस ले लिया है। अब पेरिस ओलिंपिक-2024 पुराने नियमों के तहत खेला जाएगा। इन्हीं नियमों के तहत 2021 में टोक्यो ओलिंपिक खेला गया था।

दरअसल, टोक्यो ओलिंपिक के बाद आईएसएसएफ ने नियमों में बदलाव किए थे। आईएसएसएफ ने 2020 टोक्यो ओलंपिक खेलों के बाद पिस्टल और राइफल निशानेबाजी में विजेता का फैसला करने के लिए फाइनल में अतिरिक्त चरण की शुरुआत की थी।

इसमें टॉप-2 शूटर्स के बीच मुकाबला होता था। ब्रॉन्ज के लिए अलग मुकाबला होता था। बदले हुए नियम 8 से 15 मई के बीच आयोजित होने जा रहे बाकू वर्ल्ड कप से लागू होंगे।

नए नियम के तहत निशानेबाजों को पांच शॉट की दो सीरीज मिलेंगी

नए नियम के अनुसार फाइनल

में सभी आठ निशानेबाजों को पांच शॉट की दो सीरीज मिलेंगी।

इसके बाद 14 एकल मैच शॉट होंगे जहां आठ फाइनलिस्टों में सबसे कम अंक प्राप्त करने वाला निशानेबाज 12वें शॉट के बाद बाहर हो जाएगा और यह प्रक्रिया हर दो शॉट पर तब तक जारी रहेगी जब तक कि पदक विजेताओं का फैसला नहीं हो जाता। विजेता का फैसला करने के लिए फाइनल में कुल 24 शॉट दागे जाएंगे।

क्या था पुराना फॉर्मेट ?

शूटिंग के पुराने नियम के अनुसार सभी निशानेबाजों के बीच क्वालिफिकेशन राउंड होता था। इस राउंड के टॉप-8 निशानेबाज फाइनल राउंड में हिस्सा लेते थे। इस राउंड में निर्धारित शॉट के बाद खिलाड़ी एलिमिनेट होते थे। आखिरी में टॉप-3 में रहने वाले वाले को ब्रॉन्ज और दूसरे नंबर के निशानेबाज को सिल्वर और पहले स्थान वाले को गोल्ड दिया जाता था।

क्या बदलाव हुए थे

खेल को दर्शकों के लिए आसान बनाने के लिए फाइनल में एक अलग स्टेज जोड़ी गई थी। जहां पहले की एलिमिनेशन प्रोसिस की जगह टॉप-2 शूटर के बीच गोल्ड मेडल मैच होता था।

पहले 16 अंक तक पहुंचने वाला खिलाड़ी गोल्ड जीतता था। जबकि इस मुकाबले के दूसरे खिलाड़ी को सिल्वर से संतोष करना पड़ता था। यह नियम भोपाल वर्ल्ड कप तक लागू रहा।

धोनी-जडेजा की विस्फोटक साझेदारी के बावजूद घर में हारी सीएसके

राजस्थान ने 3 रन से हराया, चेपॉक में 15 साल बाद जीते रॉयल्स

चेन्नई, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। धोनी-जडेजा की विस्फोटक पारियों के बाद भी चेन्नई को इंडियन प्रीमियर लीग-16 में हार झेलनी पड़ी। उसे राजस्थान ने 3 रन से हराया। सीएसके को आखिरी ओवर में 21 रन की जरूरत थी। इस ओवर में संदीप शर्मा ने महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा के सामने 17 रन ही खर्च किए। धोनी-जडेजा ने आखिरी 12 बॉल में 4 छक्के और एक चौका जमाए, लेकिन टीम को जिता नहीं सके।

सीएसके अपने घर में 16वां मुकाबला हारी है। साथ ही राजस्थान ने 15 साल बाद चेन्नई को उसी के होम ग्राउंड में हराया है। टीम ने आखिरी बार 2008 जीत हासिल की थी। यह चेन्नई की सीजन की दूसरी हार है, टीम पॉइंट्स टेबल के 5वें नंबर पर है।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी RR ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में सीएसके की टीम 20 ओवर में 172 रन ही बना सकी।

मैच के टर्निंग पॉइंट

बटलर-पड्डीकल की पार्टनरशिप पहली पारी के पावरप्ले में यशस्वी जायसवाल का विकेट गंवाने के बाद जोस बटलर और देवदत्त पड्डीकल ने 77 रन की पार्टनरशिप की। पड्डीकल ने सीएसके के मिस्ट्री स्पिनर महीश तीक्षणा को अटैक किया और टीम के बॉलिंग लाइन-अप को लगातार बैकफुट पर धकेले रखा।

जडेजा का ओवर पड्डीकल के अटैकिंग अप्रोच के बाद सीएसके को रवींद्र जडेजा ने ब्रेकथ्रू दिलाया। उन्होंने देवदत्त पड्डीकल को कैच आउट कराने के बाद संजू सैमसन को शून्य के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। यहां से राजस्थान का स्कोरिंग रेट धीरे हो गया।

हेटमायर-अश्विन की पारी

राजस्थान रॉयल्स की टीम एक समय 160 रन ही बनाते नजर आ रही थी। लेकिन रविचंद्रन अश्विन ने 22 गेंद पर 30 और शिमरोन हेटमायर ने 18 गेंद पर 30 रन की पारी खेल टीम का स्कोर 175 तक पहुंचा दिया।

कॉन्वे-रहाणे की पार्टनरशिप

176 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी सीएसके ने पावरप्ले में ही ऋतुराज गायकवाड का विकेट गंवा दिया। फिर उतरे अजिंक्य रहाणे ने डेवोन कॉन्वे के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर सीएसके को गेम में वापस ला दिया।

अश्विन-चहल की गेंदबाजी

रविचंद्रन अश्विन ने अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे को लगातार ओवरों में आउट किया। वहीं युजवेंद्र चहल ने डेवोन कॉन्वे और अंबाती रायुडु को एक ही ओवर में चलता कर दिया।

धोनी-जडेजा की पार्टनरशिप

15वें ओवर में 6 विकेट गंवाने के बाद महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा ने बड़े-बड़े हिट्स लगाकर सीएसके को मैच में वापस ला दिया। दोनों ने 30 गेंदों पर 59 रन की नॉटआउट पार्टनरशिप की।

संदीप शर्मा का ओवर आखिरी

ओवर में सीएसके को 21 रन चाहिए थे। राजस्थान के संदीप शर्मा ने शुरुआत में 2 वाइड फेंकीं। अगली गेंद डॉट कराई, लेकिन फिर 2 लगातार छक्के लग गए। आखिरी 3 गेंदों पर 7 रन की जरूरत थी, यहां संदीप ने लगातार 3 यॉर्कर फेंक कर 3 ही रन दिए।

दोनों ने जल्दी गंवाया पहला विकेट, बीच में धीमे रन रेट के कारण हारी चेन्नई

टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी राजस्थान ने 11 रन पर पहला विकेट गंवाया। उसके बाद जोस बटलर (52 रन) और देवदत्त पड्डीकल (38 रन) ने 77 रनों की साझेदारी की। मिडिल ऑर्डर पर अश्विन और हेटमायर ने 30-30 रन बनाते हुए टीम का स्कोर 150 पार पहुंचाया। चेन्नई के लिए आकाश सिंह, तुषार देशपांडे और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में चेन्नई ने भी 10 रन के टीम स्कोर पर ऋतुराज गायकवाड का विकेट गंवाया। ऐसे

में डेवेन कॉन्वे (50 रन) और अजिंक्य रहाणे (31 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। मिडिल ऑर्डर में शिवम दुबे, मोइन अली और अंबाती रायडु खास योगदान नहीं दे पाए। स्लॉग ओवर्स में लोअर मिडिल ऑर्डर पर खेलने आए धोनी और जडेजा ने आतिशी साझेदारी की।

ऐसे गिरे चेन्नई के विकेट...

पहला: तीसरे ओवर की दूसरी बॉल पर संदीप ने गायकवाड को जायसवाल के हाथों कैच कराया।

दूसरा : 10वें ओवर की तीसरी बॉल पर अश्विन ने रहाणे को एलबीडब्ल्यू किया।

तीसरा : 12वें ओवर की चौथी बॉल पर अश्विन ने शिवम दुबे को एलबीडब्ल्यू कर दिया।

चौथा : 14वें ओवर की 5वीं बॉल पर जंपा ने मोइन अली को संदीप शर्मा के हाथों कैच कराया।

पांचवां : 15वें ओवर की पहली बॉल पर चहल ने रायडु को हेटमेयर के हाथों कैच कराया।

छठा : 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर चहल ने कॉन्वे को जायसवाल के हाथों कैच कराया।

ऐसे गिरे राजस्थान के विकेट...

पहला: दूसरे ओवर की चौथी बॉल पर तुषार देशपांडे ने यशस्वी जायसवाल को शिवम दुबे के हाथों मिडऑफ पर कैच कराया।

दूसरा: नौवें ओवर की तीसरी बॉल पर जडेजा ने पड्डीकल को कॉन्वे के हाथों कैच कराया।

तीसरा : 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर आकाश सिंह ने अश्विन को मगाला के हाथों कैच कराया।

चौथा : 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर आकाश सिंह ने रविचंद्रन अश्विन को मगाला के हाथों कैच कराया।

पांचवां : 17वें ओवर की दूसरी बॉल पर विकेटकीपर धोनी ने बटलर को स्टंप कर दिया। यह विकेट मोइन अली ने दिलाया।

छठा : 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर आकाश सिंह ने जुरेल को शिवम दुबे के हाथों कैच कराया।

सातवां : 20वें ओवर की 5वीं बॉल पर तुषार देशपांडे ने होल्डर को कॉन्वे के हाथों कैच कराया।

आठवां : एडम जंपा 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर रनआउट हो गए।

कॉन्वे-रहाणे में 68 रन की पार्टनरशिप

176 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में ही ऋतुराज गायकवाड का विकेट गंवा दिया। फिर बैटिंग करने आए अजिंक्य रहाणे ने डेवोन कॉन्वे के साथ 43 बॉल में 68 रन की पार्टनरशिप की। रहाणे 31 रन बनाकर आउट हुए और ये साझेदारी टूटी।

सस्ते लौटे गायकवाड

176 का टारगेट का चेज करते हुए चेन्नई की शुरुआत औसत रही। टीम ने पावरप्ले में 45 बनाने में एक विकेट गंवा दिया। ऋतुराज गायकवाड 8 रन बनाकर आउट हुए।

यहां से राजस्थान की पारी...

राजस्थान ने बनाए 175 रन, बटलर का 18वां अर्धशतक

चेपॉक स्टेडियम में सीएसके के लिए 200वें मैच की कप्तानी कर रहे महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीता है और फील्डिंग करने का फैसला लिया है। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए।

जोस बटलर ने 36 गेंद पर 52 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। यह बटलर का लीग में 18वां अर्धशतक है। बटलर के अलावा देवदत्त पड्डीकल ने 26 बॉल पर 38 रन बनाए। दोनों के बीच 77 रन की अर्धशतकीय साझेदारी हुई।

दोनों ही टीमों ने अब तक 3-3 मैच खेले हैं और 2 में जीत हासिल की है, जबकि एक में हार मिली है।

टलर के 3 हजार रन पूरे

राजस्थान के टॉप ऑर्डर बैट्समैन जोस बटलर ने भारतीय लीग में 3 हजार रन पूरे कर लिए हैं। जोस ने 85 पारियों के यह उपलब्धि हासिल की। सबसे तेज 3 हजार रन बनाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। उन्होंने 36 बॉल पर 144.44 के स्ट्राइक रेट से 52 रन बनाए।

राजस्थान ने पावरप्ले में विकेट गंवाया, लेकिन रन रेट अच्छा

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने दूसरे ही ओवर में यशस्वी जायसवाल का विकेट गंवा दिया। जायसवाल 10 रन ही बना सके। फिर बैटिंग करने आए देवदत्त पड्डीकल ने जोस बटलर के साथ पावरप्ले में टीम का स्कोर 57 रन तक पहुंचा दिया।

सीएसके के लिए 200वें मैच की कप्तानी कर रहे धोनी

महेंद्र सिंह धोनी 200वें आईपीएल मैच में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। आईपीएल में बतौर कप्तान एक टीम के लिए सबसे ज्यादा खेलने के मामले में रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। रोहित ने मुंबई के लिए 146 मैचों में कप्तानी की है। बेंगलुरु के लिए 140 मैचों में कप्तानी करने के साथ विराट कोहली इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

सीएसके में 3 बदलाव

चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी टीम में 3 बदलाव किए हैं। दीपक चाहर की जगह आकाश सिंह, मिचेल सैंचनर की जगह महीश तीक्षणा और ड्वेन प्रीटोरियस की जगह मोइन अली को मौका मिला है। अंबाती रायुडु बतौर इम्पैक्ट प्लेयर दूसरी पारी में टीम का हिस्सा होंगे। राजस्थान रॉयल्स ने अपनी टीम में 2 बदलाव किए हैं। रियान पराग की जगह देवदत्त पड्डीकल और केएम आसिफ की जगह कुलदीप सेन को मौका मिला है। ट्रेंट बोल्ट दूसरी पारी में टीम का हिस्सा होंगे।

सिसांडा मगाला दो सप्ताह के लिए बाहर : राजस्थान के खिलाफ फील्डिंग के दौरान लगी चोट

खेल डेस्क, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के 17वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। सीएसके के तेज गेंदबाज सिसांडा मगाला चोटिल हो गए हैं। वह कम से कम दो सप्ताह के लिए बाहर हो गए हैं। वहीं टीम के कप्तान एमएस धोनी भी इस दिनों घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। यह जानकारी सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने दी। फ्लेमिंग ने कहा, धोनी घुटने की चोट से जूझ रहे हैं जो कि आप उनके कुछ मूवमेंट में देख सकते हो। इससे उन्हें थोड़ा परेशानी हो रही है।

वहीं मगाला बुधवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में फील्डिंग के दौरान चोटिल हुए। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लेमिंग ने कहा, मगाला अब दो सप्ताह तक टीम में चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। साउथ अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने केवल दो ओवर की गेंदबाजी की और बिना कोई विकेट लिए 14 रन दिए। कोच ने आगे कहा कि बेन स्टोक्स पर रोजाना अपडेट ली जा रही है और वह जल्द ही खेलने के लिए फिट हो जाएंगे।

सीएसके का पीछा नहीं छोड़ रही चोट

मगाला को सीएसके ने न्यूजीलैंड के काइल जैमिसन के रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किया था। जैमिसन भी चोट के चलते लीग के पूरे सीजन से बाहर हो चुके हैं। वहीं बाएं हाथ के पेसर मुकेश चौधरी भी लीग शुरू होने से पहले ही पूरे सीजन से बाहर हैं।

मगाला से पहले तेज गेंदबाज दीपक चाहर और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स पहले से ही बाहर चल रहे हैं। दीपक चाहर को हैमस्ट्रिंग में

CSK का 5वां खिलाड़ी चोटिल

चोट लगी थी। वह मुंबई इंडियंस के खिलाफ सिर्फ एक ओवर फेंकने के बाद मैदान से बाहर चले गए थे। फ्लेमिंग के मुताबिक उन्हें मैदान पर लौटने में दो-तीन सप्ताह का समय लगेगा।

आईपीएल में थम नहीं रहा चोट का सिलसिला

आईपीएल 2023 को शुरू हुए अभी कुछ समय ही हुआ है, लेकिन खिलाड़ियों का चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। कुछ खिलाड़ी मुकाबले के दौरान ही इंजरी का शिकार हो गए। वहीं कुछ खिलाड़ियों को लीग शुरू होने के पहले ही चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर होना पड़ गया।

चेन्नई को राजस्थान ने 3 रन से हराया

इंडियन प्रीमियर लीग-16 में चेन्नई सुपरकिंग्स को बुधवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। उसे राजस्थान ने 3 रन से हराया। सीएसके को आखिरी ओवर में 21 रन की जरूरत थी। इस ओवर में संदीप शर्मा ने महेंद्र सिंह धोनी और रवींद्र जडेजा के सामने 17 रन ही खर्च किए। धोनी-जडेजा ने आखिरी 12 बॉल में 4 छक्के और एक चौका लगाए, लेकिन टीम को जिता नहीं सके। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी आरआर ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 175 रन बनाए।

मोंटे कार्लो मास्टर्स: कैस्पर रुड ने तीसरे दौर में जगह बनाई, क्ले कोर्ट पर लगातार नौवां मैच जीता

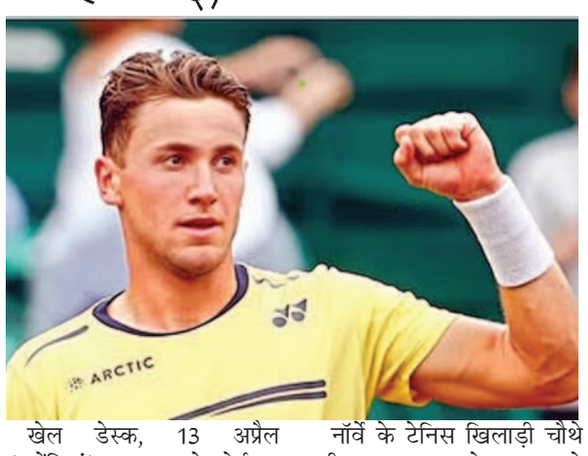

खेल डेस्क, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। नॉर्वे के टेनिस खिलाड़ी चौथे वरीय कास्पर रुड ने बुधवार को क्ले कोर्ट पर लगातार नौवां मैच जीतकर मोंटे कार्लो मास्टर्स के तीसरे दौर में जगह बनाई। पिछले साल के फ्रेंच ओपन के उप विजेता रुड ने बोटिक वैन को 7-5, 7-6 (1) से सीधे सेटों में हरा दिया। रुड का क्ले कोर्ट पर प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने पिछले साल जुलाई में गस्टाड और पिछले सप्ताह एस्टोरिल में खिताब जीता था।

रुड ने कहा कि कभी भी नए टूर्नामेंट में शुरुआत मुश्किल रहती है। मैच जीतकर खुश हूं और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा।

रुड ने दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट बचाया और अब उनका अगले दौर में मुकाबला जॉन लेनार्ड के खिलाफ होगा जिन्होंने 14वें वरीय एलेक्स डि मिनौर को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी।

संजू सैमसन पर स्लो ओवररेट की वजह से लगा जुर्माना

मैच फीस में से 12 लाख कटेंगे, फिर दोहराई गलती तो लगेगा बैन

खेल डेस्क, 13 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। उन पर यह फाइन निर्धारित समय में 20 ओवर पूरा नहीं करने की वजह से लगा है। बुधवार को चेन्नई की होम ग्राउंड चेपॉक में खेले गए मैच में राजस्थान ने 15 साल बाद चेन्नई के उसके घर में हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 8

विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाए। जवाब में सीएसके की टीम 172 रन ही बना सकी।

आखिरी ओवर में चेन्नई को 21 रन बनाने थे। क्रीच पर धोनी और जडेजा थे। वहीं राजस्थान की ओर से तेज गेंदबाज संदीप शर्मा गेंदबाजी कर रहे थे। संदीप ने इस ओवर में 17 रन ही दिए और चेन्नई को 3 रन से हार का सामना करना पड़ा।

आईसीसी के नियम के अनुसार 20 ओवर के मैच में 19 ओवर 85 मिनट के अंदर पूरा हो और 20वां ओवर शुरू हो जाना चाहिए। अगर 85 मिनट के अंदर 20वां फील्डिंग टीम शुरू नहीं कर पाती है तो इसे स्लो ओवर रेट का दोषी माना जाएगा। वहीं आखिरी ओवर में पांच की जगह केवल चार फील्डर को ही 30 यार्ड के सर्कल के बाहर रखने की इजाजत है। स्लो रेट के दोषी पाए जाने पर मैच फीस की कटौती का प्रावधान है। वहीं दोबारा ऐसी गलती करने पर एक मैच का बैन भी किया जा सकता है।

डीसी के डायरेक्टर ने टीम का किया बचाव

गांगुली बोले- टीम में ज्यादा खिलाड़ी युवा, हमें एक अच्छी टीम बनने में समय लगेगा

डीसी के डायरेक्टर ने टीम का किया बचाव:गांगुली बोले- टीम में ज्यादा खिलाड़ी युवा, हमें एक अच्छी टीम बनने में समय लगेगा

दिल्ली कैपिटल्स के डायरेक्टर सौरव गांगुली ने खराब प्रदर्शन पर टीम का बचाव किया है। आईपीएल के 16वें सीजन में दिल्ली को अब तक जीत नहीं मिली है। दिल्ली को लीग में खेले अब तक चारों मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसमें अपने होमग्राउंड में खेले दो मैच भी

है। गांगुली ने खराब प्रदर्शन के बाद भी खिलाड़ियों का बचाव किया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में ज्यादा खिलाड़ी युवा हैं।

उनके पास इंटरनेशनल मैच का अनुभव नहीं है। ऐसे में हमें एक अच्छी टीम बनने में समय लगेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें खिलाड़ियों पर भरोसा जताना होगा और उन्हें आगे भी मौका देना होगा।

इसके साथ ही उन्होंने खिलाड़ियों को भी सलाह दी। और कहा कि खिलाड़ियों को भी अपने खेल की समीक्षा करने की जरूरत है। उन्हें सोचना होगा कि उन्होंने ग्राउंड पर क्या गलती की और उसमें उन्हें क्या सुधार करने की जरूरत है। हमें और बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। दिल्ली में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अक्षर पटेल ने शानदार बल्लेबाजी की। इसलिए हम 170 प्लस का स्कोर कर पाए। एक छोर वह जमे रहे हैं तो दूसरे छोर पर हम विकेट गंवाते रहे। हमें एकजुट होकर खेलना होगा।

युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए पीएम हमेशा प्रयासरत : किशन रेड्डी

रेल कलारंग में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ने अभ्यर्थियों में बांटा नियुक्ति पत्र

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिकंदराबाद सहित 45 स्थानों पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर 71,000 से अधिक नवनियुक्त भर्तियों को वस्तुतः नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसी के तहत सिकंदराबाद में केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज रेल कलारंग, भोईगुड़ा में आयोजित एक समारोह में रोजगार मेले के चौथे चरण के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्ती का चयन करने के लिए शारीरिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर दमरे के जीएम अरुण कुमार जैन, दमरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयलू, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल ए.के. गुप्ता और विभिन्न सरकारी मंत्रालयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राष्ट्र की सेवा करने का अवसर दिए जाने पर केंद्र सरकार के नए रंगरूटों और उनके परिवारों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार मुहैया कराने के लिए हमेशा पीएम प्रयासरत हैं। उन्होंने देश के युवाओं के उत्थान और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने युवाओं को 12 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य रखा है और पारदर्शी तरीके से भर्ती की जा रही है। इसके अलावा, जी. किशन रेड्डी ने कहा कि हमारे गतिशील प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, सरकार शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति प्राप्त करने की दिशा में देश भर में बड़े पैमाने पर विभिन्न पहल कर रही है। इस संबंध में, उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए कड़ी मेहनत करने और वर्ष 2047 तक भारत के पूर्ण विकसित राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले नौ वर्षों में, माननीय प्रधान मंत्री ने ढांचागत विकास पर जोर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप रेल संपर्क, सड़क संपर्क, हवाई संपर्क और बंदरगाह संपर्क में वृद्धि हुई है और जिससे पूरे देश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इससे पूर्व, अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने नए पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन में उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह एक खुशी का अवसर है जहां रोजगार मेला के चौथे चरण के तहत 71,000 से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 252 नवनियुक्त भर्ती को आज सिकंदराबाद में जी. किशन रेड्डी के हाथों नियुक्ति पत्र प्राप्त हुआ। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि लगभग 200 उम्मीदवारों को रेलवे में नियुक्त किया गया है, जबकि बाकी को अन्य क्षेत्रों में नियुक्त किया गया है।

महेश्वर रेड्डी के इस्तीफे से कांग्रेस को झटका, बीजेपी में शामिल

निर्मल, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य ए. महेश्वर रेड्डी एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेजकर कांग्रेस छोड़ देने के बाद नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। रेड्डी नौ साल तक जिले में कांग्रेस की रीढ़ रहे। हालांकि कांग्रेस ने सत्ता खो दी, लेकिन वह नेताओं और कार्यकर्ताओं को विपक्षी दलों द्वारा शिकार किए जाने से रोक रहे थे। हालाँकि, जिले में कांग्रेस को एक गंभीर झटका देते हुए, उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के तेलंगाना प्रभारी तरुण चुघ से मुलाकात की, जहाँ उनका पार्टी में स्वागत किया गया। उनके साथ हुजूराबाद के विधायक इटेला राजेंदर और जे. संगप्पा भी थे।

संयोग से, रेड्डी ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के शुक्रवार को मनचेरियल में एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेने से एक दिन पहले इस्तीफा दे दिया। बुधवार को महेश्वर रेड्डी के खिलाफ पार्टी के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

अम्बेडकर एक सार्वभौमिक व्यक्ति : केसीआर

सीएम आज करेंगे अम्बेडकर प्रतिमा का अनावरण

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि यदि हम कठिनाइयों से भरी एक लंबी यात्रा की खोज में ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ जारी रखें तो मंजिल तक पहुंचना निश्चित है। सीएम केसीआर ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. डीआर अंबेडकर का जीवन बाधाओं का सामना आत्मविश्वास से करने के दर्शन का प्रमाण है। रंग और जाति के नाम पर भेदभाव और अस्पृश्यता की सामाजिक बुराई को बचपन से झेलने के बावजूद मुख्यमंत्री ने अम्बेडकर को एक बहादुर और महान व्यक्ति के रूप में प्रशंसा की। सीएम ने कहा कि अम्बेडकर एक सार्वभौमिक व्यक्ति हैं जो आत्म-निंदा और भेद्यता में फंसने के बिना अपनी व्यापक सोच के साथ सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचे। सीएम केसीआर ने कहा कि अंबेडकर एक विश्व बुद्धिजीवी हैं जिन्होंने अज्ञानता के अंधकार से दुनिया को ज्ञान का वरदान दिया। सीएम केसीआर ने डॉ. बीआर अंबेडकर को भारतीय संविधान के जनक के रूप में उनकी 132वीं जयंती, देश की दिशा बदलने में उनकी भूमिका और राष्ट्र के लिए उनकी सेवाओं को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र, जाति उन्मूलन, छुआछूत, धर्मांतरण, महिला अधिकार, धर्म, आर्थिक सुधार, इतिहास और अर्थव्यवस्था सहित कई विषयों पर अंबेडकर के लेखन, भाषणों और आलोचनाओं ने पूरे विश्व को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सीएम केसीआर ने कहा कि अंबेडकर एक रोल मॉडल हैं, जिन्होंने बिना असमानता के आधुनिक भारत बनाने के लिए सभी व्यवस्थाओं में समान अधिकारों के लिए अपना पूरा जीवन कुर्बान कर दिया। सीएम केसीआर ने कहा कि अंबेडकर की जयंती पर हैदराबाद के बीचोबीच उनकी 125 फीट ऊंची प्रतिमा लगाना न केवल तेलंगाना राज्य के लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना समाज अंबेडकर को बड़ी श्रद्धांजलि दे रहा है, जिन्होंने संविधान में अनुच्छेद 3 को शामिल किया जिससे तेलंगाना राज्य के गठन में मदद मिली। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए तेलंगाना राज्य सचिवालय भवन का नाम महान नेता की आकांक्षा को जारी रखने के हिस्से के रूप में 'डॉ. बी.आर. अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय रखा गया है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार गुरुकुल स्कूलों के माध्यम से दलितों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए विशेष विकास कोष, अंबेडकर विदेशी छात्रवृत्ति के माध्यम से 20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता, अनुसूचित जाति के लिए कौशल प्रशिक्षण, अनुसूचित जाति के उद्यमियों के लिए रियायतें सहित कई योजनाओं को लागू कर रही है।

सीएम ने साफ किया कि तेलंगाना का दलित समुदाय अपनी उपलब्धियों से भारत के लिए मिसाल बनकर खड़ा होने वाला है। सीएम केसीआर ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में सभी वर्गों, महिलाओं और गरीब समुदायों को हर तरह का सहयोग देकर अंबेडकर की आकांक्षाओं को जारी रखे हुए है।

यातायात में प्रतिबंध

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेकलेस रोड रोटरी में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा 14 अप्रैल को डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण के मद्देनजर ट्रैफिक पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की। नेकलेस रोड और न्यू सचिवालय रोड पर नियमित यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी और शुक्रवार को दोपहर 1 से 8 रात बजे के बीच नेकलेस रोड और टैंक बंड के आसपास के विभिन्न बिंदुओं पर डायवर्ट किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों से वीवी स्टैच्यू (खैरताबाद) जंक्शन, ओल्ड सैफाबाद पीएस जंक्शन, रवींद्र भरत जंक्शन, मिंट कंपाउंड रोड, नेकलेस रोटरी, नल्लागुट्टा जंक्शन, कट्टा मैसम्मा (लोअर टैंक बंड), टैंक बंड और लिबर्टी जंक्शन से बचने की अपील की। अफजलगंज से सिकंदराबाद की ओर आने वाली आरटीसी बसें टैंकबंड रोड से बचेंगी और इसके बजाय तेलुगु थल्ली फ्लाईओवर, कट्टा मैसम्मा, लोअर टैंक बंड, डीबीआर मिल्स और कवाडीगुडा रूट लेंगी। पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे डायवर्जन पर ध्यान दें और अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाएं और पुलिस के साथ सहयोग करें।

देश को विकास की राह दिखा रहा तेलंगाना : केटीआर

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना राज्य विकास के पथ के लिए कई अभिनव कार्यक्रम शुरू कर रहा है और पूरे देश को सबसे युवा राज्य का पालन करने के लिए मजबूर किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नकल की है बीआरएस सरकार के प्रमुख कार्यक्रम जैसे रैतू बंधु, मिशन भागीरथ और मिशन काकतीय आदि इन योजनाओं को देश भर में अन्य नामों से लागू कर रहा है। गुरुवार को यहां डॉ. बी आर अंबेडकर की जयंती समारोह के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि सामान्य तौर पर, दलित समुदाय के उद्यमियों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की कोशिश करते समय कई अपमानों का सामना करना पड़ेगा और हालांकि, उन्हें अपना काम जारी रखना चाहिए। दलित समुदाय के जीवन को बदलने वाली दलित बंधु योजना शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की सराहना करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि दलित बंधु की मदद से समुदाय के कई लोग तेलंगाना में सफल उद्योगपति के रूप में उभर रहे हैं। तेलंगाना राज्य की स्थापना के बाद से इसकी प्रगति को सूचीबद्ध करते हुए, मंत्री ने कहा कि सभी वर्ग के लोग अब मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में लाभ उठा रहे हैं और कहा कि राज्य में कृषि उत्पादकता में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना का निर्माण इस तथ्य के बावजूद चार साल के भीतर पूरा किया था कि विपक्षी दलों ने परियोजना को बाधित करने की साजिश रची थी। कार्यक्रम में मंत्री कोप्पुला ईश्वर और सत्यवती राठौड़ भी उपस्थित थे।

महिला वित्तीय समावेशन पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीईएसएस, बेगमपेट में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास हैदराबाद, युगांतर और सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज द्वारा महिलाओं के वित्तीय समावेशन पर एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सत्र में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, माप के बारे में चर्चा की गई। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, बैंकरों और कमजोर समुदायों के साथ काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, हैदराबाद में सार्वजनिक मामलों के अधिकारी डेविड मॉयर ने महिला सशक्तिकरण के महत्व के बारे में बात की और क्यों वाणिज्य दूतावास को विशेष रूप से महिलाओं के वित्तीय समावेशन में निवेश किया गया। उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं को प्रमुख वित्तीय मुद्दों का ज्ञान और संसाधन नहीं है, तो उन्हें रोक दिया जाएगा। यह संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में भी होता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की दुनिया में वित्तीय साक्षरता डिजिटल साक्षरता का पर्याय है। नविका हर्षे ने वित्तीय समावेशन कार्यक्रम, बजट रानी कार्यक्रम के तहत युगांतर द्वारा किए गए कार्यों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी, जिसने हैदराबाद में 240 महिलाओं को प्रशिक्षित किया है। वित्तीय समावेशन पर सेस की निदेशक प्रो. रेवती ने कहा कि महिलाओं की एजेंसी है। लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग और निर्णय लेने की शक्ति में वृद्धि की ओर ले जाता है। घरों और बच्चों की भलाई के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। एसबीआई के डॉ बिबेकानंद पांडा ने एसबीआई के प्रयासों के बारे में बात की और दोहराया कि महिला ग्राहक सबसे भरोसेमंद ग्राहक आधार हैं, खासकर जन धन खातों में और बैंक महिलाओं के वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के इच्छुक हैं।

साइबराबाद सीपी ने ग्रीष्मकालीन अपराध पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र ने आज साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में ग्रीष्मकालीन अपराध की रोकथाम पर समीक्षा बैठक की। इस मौके पर सीपी ने कहा कि गर्मियों में होने वाले अपराध, खासकर ऑटोमोबाइल चोरी, घर में चोरी और संपत्ति की चोरी अधिक होना आम बात हैं। उन्होंने कहा कि साइबराबाद कमिश्नरेट में पिछले पांच वर्षों से हो रहे ग्रीष्मकालीन अपराधों का विश्लेषण करने के बाद प्रमुख हॉट स्पॉट की पहचान की गई है। बीते दस अप्रैल को ग्रीष्मकालीन अपराध निवारण रणनीतियों के संबंध में कार्ययोजना हेतु परिपत्र ज्ञापन भी जारी किया गया है। गर्मी के मौसम में सबसे अधिक चोरी होती है। साइबराबाद आयुक्तालय में सभी कर्मचारी अपराध की रोकथाम और अपराध की रोकथाम के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इसका उदाहरण बालानगर पुलिस द्वारा पकड़े गए अंतरराज्यीय लुटेरों के एक गिरोह की गिरफ्तारी है। पुलिस कर्मियों को अगले दो माह तक गर्मी में होने वाली चोरी पर अधिक ध्यान देना चाहिए। सीपी ने पूछा कि ग्रीष्मकालीन अपराध रोकथाम रणनीतियों पर कर्मचारियों की कार्य योजना क्या है। जोनवार थाना क्षेत्र के महत्वपूर्ण हॉट स्पॉट की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। वे उच्च स्तर के अधिकारी से लेकर आरक्षक स्तर तक अपराध की रोकथाम और अपराध निरोध के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं। लोगों का पुलिस में विश्वास बढ़ाने के लिए काम करने की सलाह दी है। सीपी ने कहा कि वह दिन और रात की धड़कनों की जोनली निगरानी करेंगे। वह पूरी पुलिस फोर्स का इस्तेमाल बीट और पेट्रोलिंग पर करना चाहता था।

दूसरे राज्यों से आने वाले अंतरराज्यीय गिरोहों पर लगाम लगाई जाए। गेटेड समुदायों और अपार्टमेंट में जागरूकता सेमिनार आयोजित किए जाने चाहिए। गेटेड कम्युनिटी अपार्टमेंट्स के विला में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए। पुलिस को गेटेड समुदायों और अपार्टमेंट में काम करने वाले सुरक्षा कर्मियों के साथ जागरूकता बैठकें करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जेल से छूटे पुराने अपराधियों पर नजर रखनी चाहिए। साथ ही मैदानी स्तर के पुलिस कर्मी होटलों और लॉज पर नजर रखें।

वाहनों की जांच समय-समय पर की जाए। खासकर दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों की चेकिंग की जाए। बैठक में साइबराबाद डीसीपी अपराध सिंगेनवर कलमेश्वर, कानून व्यवस्था डीसीपी मदापुर डीसीपी श्रीमती शिल्पावल्ली, शमशाबाद डीसीपी नारायण रेड्डी, राजेंद्रनगर डीसीपी जगदीश्वर रेड्डी, बालानगर डीसीपी श्रीनिवास राव, मेडिकल डीसीपी संदीप, एडीसीपी राजेंद्रनगर रेशमी पेरुमल, एडीसीपी क्राइम नरसिम्हा रेड्डी, अन्य एडीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर और अन्य कर्मचारियों ने ऑनलाइन भाग लिया।

सप्ताहांत नगर में चिलचिलाती तापमान के साथ बिजली गिरने की संभावना

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में चिलचिलाती गर्मी ने गुरुवार शाम को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने से थोड़ी राहत ली। हालांकि, राहत अल्पकालिक हो सकती है क्योंकि मौसम विज्ञानियों ने शुक्रवार और शनिवार को तापमान में तेज वृद्धि की भविष्यवाणी की है, औसत अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद ने हैदराबाद सहित तेलंगाना के कई हिस्सों में अगले दो दिनों के लिए लू की चेतावनी जारी की है। बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं के कारण लोगों के लिए दिन असहनीय हो सकते हैं।

आईएमडी-एच ने शनिवार को आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की भी भविष्यवाणी की है, जिसमें बिजली चमकने की संभावना है। यह चिलचिलाती गर्मी से भले ही थोड़े समय के लिए कुछ जरूरी राहत दिला सकता है। तेलंगाना स्टेट डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी के अनुसार, आदिलाबाद, मनचेरियल, पेद्दापल्ली, जगतियाल और विकाराबाद जैसे कुछ जिलों में शनिवार को छिटपुट बारिश हो सकती है। हालांकि, इससे तापमान में कमी आने की संभावना नहीं है, जो इन क्षेत्रों में 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की उम्मीद है।

राजेंद्रनगर में बिजली गिरने से नारियल का पेड़ जला

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में, राजेंद्रनगर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय के परिसर में गुरुवार शाम बिजली गिरने से एक नारियल का पेड़ जल गया। यह घटना गुरुवार शाम शहर के कुछ हिस्सों में आई आंधी के दौरान हुई, जिसके साथ बारिश भी हुई। चश्मदीदों ने बताया कि बिजली की तेज चमक के बाद गगनभेदी गर्जना हुई। बिजली नारियल के पेड़ से टकराई, जिससे उसमें तुरंत आग लग गई।

कृषि कुएं में डूबने से छात्र की मौत

करीमनगर, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को तिम्मापुर मंडल की रामकृष्ण कॉलोनी के पास एक कृषि कुएं में डूबने से एक पॉलिटेक्निक छात्र नीलापु बलराजू (18) की मौत हो गई। पेद्दापल्ली जिले के रहने वाले, बलराजू थिम्मापुर के ज्योतिशमथी इंजीनियरिंग कॉलेज में पॉलिटेक्निक द्वितीय वर्ष के छात्र थे।

गुरुवार को बलराजू 20 अन्य छात्रों के साथ तैरने के लिए रामकृष्ण कॉलोनी के समीप सम्मक्का-सरक्का जतारा स्थल के पास एक कृषि कुएं पर गया था। बलराजू, जो पहले कुएँ में कूदा, हालाँकि वह तैरना नहीं जानता था और डूब गया। अन्य छात्रों ने एलएमडी पुलिस को सूचना दी, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से निकाला। एक मामला दर्ज किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक होना चाहिए : डीएस चौहान

सीपी ने साइबर अपराध के अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 13 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी डीएस चौहान ने अधिकारियों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। आयुक्त डीएस चौहान ने आयुक्त कार्यालय नेरडमेट में रचाकोंडा आयुक्तालय साइबर अपराध एवं अपराध शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस कार्यक्रम में आयुक्त ने कहा कि तकनीक के आधुनिक युग में नई तकनीक और उपलब्ध उपकरणों के कारण साइबर अपराधों का प्रतिशत बढ़ रहा है। इसमें कहा गया है कि विभिन्न प्रकार की जरूरतों के हिसाब से तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जागरूक होना चाहिए। अधिकारियों को सलाह दी गई है कि साइबर अपराधों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए कॉलेजों और अन्य स्थानों पर युवाओं की भागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित करें। आयुक्त ने चेतावनी दी कि फर्जी लॉटरी, फर्जी नौकरी के विज्ञापन, फर्जी बैंक खाते की जानकारी और फर्जी गिफ्ट बॉक्स के नाम पर लोगों से ठगी करने वालों को कड़ी सजा दी जाएगी। अधिकारियों को सलाह दी गई है कि सोशल मीडिया पर युवतियों को परेशान करने वालों को किसी भी हाल में जाने न दें। आयुक्त ने कहा कि पुलिस के प्रयासों और कड़े कदमों के कारण राचाकोंडा कमिश्नरेट में चेन स्नेचर का आतंक काफी हद तक कम हो गया है और महिलाएं शांतिपूर्वक बाहर निकल रही हैं और अपना काम कर रही हैं। आयुक्त ने चेताया कि चेन स्नेचिंग जैसे अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि अपराधों की संख्या में कमी लाने के लिए कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। आयुक्त ने कहा कि सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी समन्वय से काम करेंगे तभी अपराध पर काबू पाया जा सकता है।

कार्यक्रम में डीसीपी साइबर क्राइम अनुराधा, डीसीपी क्राइम मधुकर स्वामी, साइबर क्राइम एसीपी वेंकटेशम, इंस्पेक्टर समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

G20
Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारतीय रिज़र्व बैंक / Reserve Bank of India
आंध्र प्रदेश / Andhra Pradesh
पर्यवेक्षण विभाग / Department of Supervision

सार्वजनिक नोटिस

भारतीय रिज़र्व बैंक ने, भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (अधिनियम) की धारा 45-आईए (6) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 27 मार्च 2023 के अपने आदेश द्वारा मैसर्स लक्ष्मी फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (CIN: U74999AP2016PTC104726), जिसका पंजीकृत कार्यालय 8-1-1/1, बालाजी नगर, टी/सी, कराकाचेत्तु, पोलाम्बा रोड, सिरीपुरम, विशाखापत्तनम - 530003 में है, को उक्त अधिनियम की धारा 45-आई (ए) में परिभाषित गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था का कारोबार करने के लिए जारी दिनांक 24 मई, 2018 के पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या 09.00453 को निरस्त कर दिया है। अत: यह कंपनी उक्त अधिनियम के तहत गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था का कारोबार नहीं करेंगी।

इसे जनहित में जारी किया जा रहा है।

स्थान:हैदराबाद — प्रभारी महाप्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.